



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३३] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त १३, १९७७ (श्रावण २२, १८९९)

No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 13, 1977 (SRAVANA 22, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसर्गन और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 जुलाई 1977

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा०-III (1)—इस कार्यालय की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 23-5-1977 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० एस० मदान को, राष्ट्रपति द्वारा 1-7-1977 से 30-8-1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए, नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा०-III (2)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय, सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ए० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 29-6-1977 से 13-8-1977 तक 46 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा०-III (3)—इस कार्यालय की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 23-6-1977 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० नटराजन को, राष्ट्रपति द्वारा 23-6-1977 से 7-8-1977 तक 46 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों

संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी महायक श्री पी० एस० भवरवाल को, राष्ट्रपति द्वारा 9-7-1977 से 23-8-1977 तक 46 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा०-III (4)—इस कार्यालय की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 24-6-1977 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी महायक श्री आर० जे० जर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 28-6-1977 से 11-8-1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-III (5)—इस कार्यालय की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 24-6-1977 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० नटराजन को, राष्ट्रपति द्वारा 23-6-1977 से 7-8-1977 तक 46 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों

तक, जो भी पहले हों। उम्म सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

मं० ए० 32014/1/77-प्रश्ना०-III(6) —संघ लोक सेवा अधिकारी में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० दयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 2-7-1977 से 16-8-1977 तक 46 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी अंदिशों तक, जो भी पहले हों, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभान नाथ मुख्यमंत्री, अबर मचिव
(प्रशासन प्रभारी)
मंघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1977

मं० ए० 19021/2/77-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रमाद ने बिहार संवर्ग के भागीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री के० एन० जैकव को दिनांक 28-6-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) में प्रतिनियुक्ति के प्राधार पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करने हैं।

दिनांक 26 जुलाई 1977

मं० ए० 19036/7/76-प्रशासन-5—निर्वतन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री आर० के० स्थामी नायडू, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आधिक अपराध स्कंध, मस्ताम गाँव को दिनांक 30-6-77 के अपराह्न में अपने पद के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

मं० ए० 19036/5/77-प्रशासन-5—निर्वेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एसद्वारा श्री आर० के० प्रमाद, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 4-7-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोत्स्थन करते हैं।

पी० ए० निवाम,
प्रशासन अधिकारी (स्थान०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 जुलाई 1977

मं० O.II-1032/75-स्थापना—महानिरीक्षक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर श्रीमती ज्योत्स्नाभाई नायक को, 8-7-77 के पूर्वाह्न में केवल 3 माह के लिये, अथवा उम्म पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी गहने हों उम्म नारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिंठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया गया है।

रा० O.II-1038/75-स्थापना—महानिरीक्षक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर श्रीमती ऊरा जैम को, 2-7-77 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये, अथवा उम्म पद पर नियमित होने तक, इनमें जो भी पहले हों उम्म तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिंठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 26 जुलाई 1977

मं० ओ० दो० 16/74-स्थान०—राष्ट्रपति, श्री बी० वर्मा, उत्तर प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में उनकी प्रतिनियुक्ति पर महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री वर्मा ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के महानिरीक्षक, सेक्टर 3 नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 12 जुलाई, के पूर्वाह्न से संभाला।

ग० के० बन्दोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 जुलाई 1977

सं० ए० 21/23/75-बेतार—रक्षा मंत्रालय की बीजलेख ब्यूरो को वापिस जाने के फलस्वरूप श्री अजीत सिह ने समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) से अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार तारीख 17 जून, 1977 के प्रपराह्न से छोड़ा।

राष्ट्रपति जोशी,
निदेशक, पुलिस दूर-संचार

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा ब्लॅ

नई दिल्ली-110024, दिनांक 20 जुलाई 1977

सं० ई०-38013 (2) / 3 / 77-कार्मिक—होशंगाबाद को स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० जी० थस्ते ने 7 जुलाई 1977 के पूर्वाह्न से के० ओ० मु० ब० यूनिट एम० पी० ए० होशंगाबाद में कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013 (2) / 3 / 77-कार्मिक—होशंगाबाद से स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० बी० मरदाना ने के० ओ० मु० ब० यूनिट एम० पी० ए० होशंगाबाद के कमांडेंट पद का कार्यभार 7 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से छोड़ दिया और उन्होंने 16 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न के० ओ० मु० ब० यूनिट, ब्रम्बई पत्तन के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

ली० मिह बिप्ट,
महानिरीक्षक

विस मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नामिक रोड, दिनांक 20 जुलाई 1977

सं० 676/ए—दि० 7-3-77 के क्रम में श्री डी० पी० जांबोटकर को कल्य अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में उच्ची शर्तों के माध्य नियुक्त करते हैं।

सं० 677/ए—दि० 4-6-77 के क्रम में श्री एम० एम० कुर्जी को उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर नवीन चलार्थ पत्र मुद्रणालयों में 25-10-1977 तक नियुक्त करते हैं।

डी० सी० मुखर्जी,

महाप्रबन्धक

भारत प्रतिभूति मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 22 जुलाई 1977।

फा० सं० बीएनपी/सी०/23/77—श्री एस० के० माथुर स्थायी नियंत्रण निरीक्षक को बैंक नोट मुद्रणालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में 19-7-77 पूर्वाह्न से तीन माह की अवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

पी० न० शिव राम,

महाप्रबन्धक

प्रतिभूति कागज कारखाना,

हांशगाबाद, दिनांक 16 जुलाई, 1977

सं० 7(36) 3134—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रम 7(36) 3834 दिनांक 24/6/75, क्र० 7(36) 10023 दिनांक 23/12/75, क्र० 7(36) 13145 दिनांक 26/3/76, क्र० 7(36) 6051 दिनांक 14/9/76 और क्र० 7(36) 12896 दिनांक 25/3/77 के आगे श्री एस० टी० सिरसट को तदर्थ आधार पर 30/9/1977 तक की ओर अवधि अवधारा इस पद के नियमित रूप से संघ लोक सेवा आयोग के नामित द्वारा भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, अग्निशमन अधिकारी के पद पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

रा० विश्वनाथन,

महाप्रबन्धक

कार्यालय, महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश

स्वासियर, दिनांक 18 जुलाई, 1977

क्रमांक प्रशा० 1/215—महालेखाकार प्रथम, मध्यप्रदेश द्वारा

निम्नलिखित अस्थाई/स्थायी अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न क्षमता में लेखा अधिकारी के पद पर 21-6-77 पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सर्वश्री—

1. आर० एन० बानरे 02/481 अनुसूचित जाति के भारतीय रिक्त स्थान में।
2. डी० के० पाल 02/207
3. एन० एस० कुप्पुस्वामी 02/295

दिनांक 20 जुलाई, 1977

क्रमांक-प्रशा० 1/216—महालेखाकार-1, मध्य प्रदेश ने श्री ए० एन० शंकरन, स्थाई अनुभाग अधिकारी, को दिनांक 21-6-77 पूर्वाह्न में, अर्थात वह दिनांक जिससे उन से अवर श्री डी० के० पाल अनुभाग अधिकारी को पदोन्नति लेखा अधिकारी के पद पर हुई है, वेतन मात्र 840-40-1000-द० रु०-40-1200 पर लेखा अधिकारी के पद पर प्रोफार्मा पदोन्नति किया है।

एम० एम० नरसिंहानी,
उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय के रूप

नियुक्तनन्तर्युत, दिनांक 18 जुलाई 1977

सं० स्था० प्र० 7/9-86/जिल्द II/76—महालेखाकार, कोरल ने इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को 840-40-1000-द० रु०-40-1200 के वेतनमात्र पर प्रत्येक के नाम के सामने लिखे तारीख के प्रभाव से लेखा अधिकारी के पद पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

1. श्री टी० बी० कृष्णन कुट्टी—1-6-76।
2. श्री एन० कमलासनन नाथर 1-2-77।

एस० जयरामन,
उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 21 जुलाई, 1977

क्र० प्रशासन 11/जी० ग० नो०/647—महालेखाकार, राजस्थान ने श्री श्रीकृष्ण गुप्ता अनुभाग अधिकारी को 11/7/77 पूर्वाह्न से अग्रतर आदेश के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

ए० आपठनीय
परिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक
नई दिल्ली-1, दिनांक 22 जुलाई 1977

सं० 40011(2)/77-प्रशा० ए०—(1) वार्षिक निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के माम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा/गया।

क्रम सं०	नाम, रजिस्टर संख्या सहित	ग्रेड	धैन्यन स्थापना की	संगठन
			अन्तरण की तारीख	
1	2	3	4	5
सर्वेश्वी				
1. वी० एस० अग्रवाल, (पी०/86)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ।	
2. कौ० एस० राजगोपालन, (पी०/123)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक), दक्षिण, मद्रास।	
3. ए० एम० शंकर वेलू, (पी०/136)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	
4. डी० डी० लैहन, (पी०/139)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	
5. वी० नटराजन, (पी०/149)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास।	
6. टी० जग्नरामन, (पी० 177)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	
7. आर० राम स्वामी, (पी०/258)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद।	
8. ओ० पी० कालिया, (पी० 281)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) उत्तर मेरठ।	
9. ए० राजगोपालन, (पी०/296)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी, कमान, पूना।	
10. विश्वामित्र, (पी०/342)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद।	
11. हरभजन सिंह, (पी०/400)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, (निधि) मेरठ।	
12. एस० राजा मणी,	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	
13. कौ० जे० नरसिंह राव, (पी०/459)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।	
14. डी० एस० सूदन, (पी०/481)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) उत्तर मेरठ।	
15. वी० डी० कुलकर्णी, (पी०/529)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी- कमान, पूना।	
16. पी० एल० मुखर्जी, (ओ०/13)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।	
17. एस० ए० कुलकर्णी, (ओ०/63)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।	
18. जी० सी० टण्डन (ओ०/95)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैब्रीज) कलकत्ता।	
19. आर० एन० शर्मा, (ओ०/104)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद।	

1	2	3	4	5
सर्वश्रोतुं—				
20.	एम० पी० हांडा, (ओ०/209)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) उत्तर मेरठ।
21.	डॉ० सो० फड़के, (ओ०/319)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
22.	बी० एम० मुखर्जी (ओ०/341)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी,	31-1-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पंद्रीज) कलकत्ता।
23.	पी० सी० पुरकायत, (ओ०/335)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी,	31-1-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैब्रीज), कलकत्ता।
24.	सी० एन० मर्माक, (ओ०/344)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी,	28-2-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
25.	डॉ० सेमुअल (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास।
26.	टी० एस० पठानिया, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-77	रक्षा लेखा नियंत्रक (बायुमेना) देहरादून।
27.	एच० पी० भला, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, (निधि) मेरठ।

2. रक्षा लेखा महानियंत्रक, निम्नलिखित लेखा अधिकारी के निधन को छोड़ के साथ अधिसूचित करते हैं। उनको, उनके नाम के मामने लिखी तारीख से, विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संलग्न सहित	प्रेष	निधन होने की तारीख	विभाग की नफरी से निकाले गए	संगठन
1	2	3	4	5	6
1.	श्री एम० के० सन्याल, स्थायी ले० ओ० (पी०/516) स्थायी	लेखा अधिकारी	11-4-77	12-4-77	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैब्रीज) कलकत्ता।

3. निम्नलिखित तीन लेखा अधिकारियों को सेवा निवृत्ति पूर्व निम्नलिखित के अनुसार छुट्टी मंजूर की गई है:—

(i) श्री एस० पी० हांडा, 4-6-77 से 30-11-77 तक 180 दिन की अर्जित छुट्टी। लेखा अधिकारी, (ओ०/209)

(ii) श्री ओ० पी० कालिया, 20-7-77 से 30-11-77 तक 134 दिन की अर्जित छुट्टी। लेखा अधिकारी, (पी०/281)।

(iii) श्री एस०ए० कुलकर्णी, 18-7-77 से 31-10-77 तक 106 दिन की अर्जित छुट्टी। लेखा अधिकारी, (ओ०/63)।

4. निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं०-40011 (2)/76/प्रशा०-ए० दिनांक 16-2-1977 के पैरा 7 (ए०) के रूप में जोड़ा जाता है।

(i) श्री के० एस० राघवन, स्थायी लेखा अधिकारी, (पी०/59) को सेवा निवृत्ति पूर्व 2-5-77 से 30-6-77 तक 60 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

(ii) श्री एम० एम० मांगनिक, स्थायी लेखा अधिकारी (पी०/89) को सेवानिवृत्ति पूर्व 59 दिन की छुट्टी मंजूर की गई है।

5. निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं०-40011 (2)/76/प्रशा०-ए०, दिनांक 16-2-1977 के पैरा 5 के रूप में जोड़ा जाता है।

“श्री पी० राजकुमार मैनन, स्थायी लेखा अधिकारी (पी०/96) को 1-7-77 (पूर्वाह्न) से होने वाली सेवा निवृत्ति पूर्व 25-4-77 से 30-6-77 तक 67 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

6. निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं०-40011 (2)/77/प्रशा०-ए०, दिनांक 19-4-77 के पैरा 4 के रूप में जोड़ा जाता है।

“श्री के० श्रीनिवासन स्थायी लेखा अधिकारी (पी०/215) को 1-9-1977 (पूर्वाह्न) से होने वाली सेवा निवृत्ति पूर्व 10-5-77 से 31-8-77 तक 114 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

आरा० वेकट रत्नम,
रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

डॉ० जी० श्रौ० एफ० मुख्यालय, सिविल सर्विस

मन्त्रिमंडल आईनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-700069, दिनांक 12 जुलाई 1977

सं० 30/77/जी—शार्धक निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री नालिनी मोहन चटर्जी, पौलिक एवं स्थायी ए० पू० ओ० दिनांक 30 जून, 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

ओ० पी० धोप
ए० छी जी (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, आईनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आईनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 18 जुलाई 1977

सं० 33/77/जी—श्री के० रमानाथन, स्थानापन सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फौरन्मैन) आपनी स्वेच्छा से दिनांक 3 मई, 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 20 जुलाई 1977

सं० 34/77/जी—पेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश की समाप्ति पर, श्री के० विष्वानाथन, मौलिक एवं स्थायी प्रबन्धक दिनांक 31 मई, 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 35/77/जी—एक वर्ष की अवधि की बुद्धि के लिए सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश की समाप्ति पर, श्री ई० आर० खैड़ के, स्थानापन सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फौरन्मैन) दिनांक 31 मई, 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिलाय
नहायक महानिदेशक, आईनेन्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

गिमला-171004, दिनांक 1 अगस्त 1977

सं० 23/3/77-मी० पी० आई०—दिसम्बर 1977 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उच्चोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार 1960-100) मई 1977 के स्तर से दो अंक बढ़ कर 320 (तीन सौ बीस) रहा। जून 1977 का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 389 (तीन सौ नवासी) आता है।

के० के० भाटिया
मंत्रुक्त निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, 25 जुलाई 1977

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1217/77-प्रशा० (रा०)/53264—राष्ट्रपति, श्री ए० के० शर्मा, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को इस कार्यालय में दिनांक 30-6-1977 (दोपहर बाद) से आगे के आदेश होने तक स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/1219/77-प्रशा० (रा०)/5814—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी, श्री प्रेम सिंह को 11-7-1977 (दोपहर पूर्व) से अगला आदेश होने तक इस कार्यालय में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जुलाई 1977

सं० 6/61160-प्रशासन (रा०)/53874—राष्ट्रपति, केन्द्रीय मन्त्रिमंडल सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी, इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री ई० जे० स्टीफन को 4-5-1977 से 18-6-1977 की अवधि के लिए उसी सेवा के वर्ग 1 में स्थानापन रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री ई० जे० स्टीफन को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में पूर्वीकृत अवधि के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

ए० एस० गिल,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मन्त्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1977

सं० 12/752/72-प्रशा० (रा०)—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मिफारिश किए जाने पर, श्री ए० स० आर० सिंह को 22 मार्च, 1977 (पूर्वीकृत) से लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (रसायन) के पद पर राष्ट्रपति नियुक्त करते हैं।

उप निदेशक, प्रेड-1 (रसायन) के पद पर नियुक्त हो जाने पर, श्री ए० स० आर० सिंह ने 21 मार्च, 1977 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में महायक निदेशक (प्रेड-1) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 22 मार्च 1977

(पूर्वाह्नि) गैडसी मन्दिर में उपनिदेशक (रमायन) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

वी० वेकटरामुल
उपनिदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक मामग्री विभाग
नागपुर, दिनांक 25 जुलाई 1977

सं० ६०-II (7)—ठम विभाग की अधिसूचना सं० ६०-II (7) दिनांक 11 जुलाई 1969 को वर्ग-7, भाग 2 में बानबान या क्रियमण फलकों के पूर्व “तारांकित चिह्न” को हटा दिया जाये।

इंगुव नरमिह मृति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1977

सं० प्र०-१/१ (221)/VII—गाढ़पति, पूर्ति निदेशक (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में उपनिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड II) श्री ए० ए० वी० चुगताई को दिनांक 1 जुलाई, 1977 से और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के ग्रेड I) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री चुगताई ने 30 जून, 1977 के अपराह्न को पूर्ति निदेशक (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में उपनिदेशक पूर्ति का पद भार छोड़ दिया और 1 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्नि से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-१ (1069)—गाढ़पति, संघ लोक सेवा आयोग की मिकारिणों पर श्री ए० वी० लिंगिरी को दिनांक 11 जुलाई 1977 के पूर्वाह्नि से और आगामी आदेशों के जारी होने तक महायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड) के रूप में नियुक्त करते हैं।

भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड III में नियुक्त होने पर श्री लिंगिरी ने दिनांक 11 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्नि से पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-) (प्रणिभण आरक्षी) का पदभार सम्भाल लिया।

कीरत मिह,
उप निदेशक (प्रशासन)
को महानिवेशालय, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1977

सं० प्र०-१/१ (829)—गाढ़पति, निरीक्षण निदेशक, उत्तरो निरोधग मंडल, नई दिल्ली में सहायक निदेशक

(प्रशासन) (ग्रेड-) श्री प्राण नाथ को दिनांक 17-6-77 (पूर्वाह्नि) में तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री प्राण नाथ ने निरीक्षण निदेशक, उ० नि० म०, नई दिल्ली के कार्यालय में दिनांक 13-6-77 में शहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) का पद भार छोड़ दिया और 17 जून, 1977 के पूर्वाह्नि में निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड I) का पदभार सम्भाल लिया।

कीरत मिह,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 20 जुलाई 1977

सं० 2181 (1) VI/19वी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (रमायन) को सहायक रमायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, आगामी आदेश होने तक उनके सामने दर्शाई गई तिथि में, तदर्थ आधार पर, नियुक्त कर रहे हैं।

क्रमांक	नाम	नियुक्ति तिथि
1.	श्री आर० ए० अव्यार	23-5-77 (पूर्वाह्नि)
2.	डा० ए० कें० मान्यान	2-6-77 (पूर्वाह्नि)
3.	श्री मुधाकर मंडल	16-5-77 (अप्र०ग्राह्नि)
4.	श्री वी० वेकटाचलम	19-5-77 (पूर्वाह्नि)

दिनांक 23 जुलाई 1977

सं० 3 (5)/71 (ए० सी० ए०) /19 वी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक ने श्री नागयण चन्द्र मरकार, ए० सी० ए०मी० को सहायक भूभौतिकविद (उपकरण) के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में न्यूनतम वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 2 मई, 1977 के पूर्वाह्नि में नियुक्त किया है।

ए० सी० वी० पी० आग्यंगार,
उप महानिदेशक (मुख्यालय)
कृत महानिदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1977

सं० का० 11-13/75-ए-1—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार, संघ नोक सेवा आयोग की सिफारिश पर इसके द्वारा श्री अभिया प्रमाद मंडल सूश्मकोटीकार (वर्ग-2 राजपत्र) राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में दिनांक 16-7-77 (म० प०) से आगामी आदेश तक के लिए नियमित अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्रीनन्दन प्रसाद,
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1977

शुद्धि-पत्र

सं० 10/39/77-एस-नीन—इस महानिदेशालय की समझक अधिसूचना दिनांक 27/28 जून, 77 में दी गई तारीख 21-5-77 (पूर्वाह्न) के स्थान पर 21-5-77 (अपराह्न) पढ़ा जाये।

सं० 10/49/77-एस-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एस० सी० तलवार को क्षेत्रीय इंजीनियर (उत्तरी), आकाशवाणी, नई दिल्ली के कार्यालय में दिनांक 28-5-77 (पूर्वाह्न) से महायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 जुलाई 1977

सं० 10/75/77-एस-तीन—महानिदेशक आकाशवाणी श्री पी० के० महापात्र को आकाशवाणी, कलकत्ता में सहायक इंजीनियर के पद पर 9 जून, 1977 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिह,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1977

सं० ए-20026/1/76-एस-पांच—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री ए० एन० मुखर्जी, स्थायी प्रशासन अधिकारी (कनिष्ठ श्रेणी), आकाशवाणी, कलकत्ता को, जो आकाशवाणी, कलकत्ता में वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न है, आकाशवाणी महानिदेशालय में 16-6-1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लेखा निरीक्षक के पद पर, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० बी० सेवद्वी
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1977

सं० 5 (29)/60-एस०-एक—श्री के० वी० एन० शास्त्री, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, हैदराबाद, जिनको नियुक्ति पूर्व, दिनांक 27-4-1977 से 31-7-1977 तक, 96 दिन का अर्जित अवकाश दिया गया था, अवकाश समाप्त होते पर दिनांक 31-7-1977 (अपराह्न) सेवा में विवृत हो जायेंगे।

एन० के० भारद्वाज,
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 23 जुलाई 1977

सं० 6/8/55-सिल्वन्डी—श्री छी० एन० पांडे, स्थायी लेखाकार और स्थानापन्न भंडार अधिकारी, फिल्म प्रभाग नई दिल्ली ने दिनांक 7-7-1977 के अपराह्न से फिल्म प्रभाग में अपना पद छोड़कर, सशस्त्र सेना फिल्म और फोटो प्रभाग, रक्षा मन्त्रालय नई दिल्ली में डेपुटेशन पर चले गए।

श्री के० सी० बिकबन्दानी, स्थायी तकनीकी सहायक और स्थानापन्न अधीक्षक, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली, को, दिनांक 7-7-1977 के अपराह्न से श्री पांडे की जगह पर, भंडार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

एम० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख नियमिता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1977

सं० ए० 22012/59/76-के० स्वा० से०-१—अपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप, केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० श्री० एन० मेड-२ की एक अधिकारी डा० (श्रीमती) ईडा चक्रवर्ती ने 30 मार्च, 1977 अपराह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया और 31 मार्च, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, रामाकृष्ण पुरम, प्रसूति अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० ए० 12026/5/77 के० स्वा० सेवा—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के विशेषज्ञ मेड-२ के एक अधिकारी डा० श्री० एन० बनर्जी ने, अपनी अवली हो जाने के फलस्वरूप विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन, डम डम से विमान पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार 24 मई 1977 पूर्वाह्न से छोड़ दिया है और पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता में 25 मई 1977

पूर्वाह्न को पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

के० बेगुगोपाल,
उप-निदेशक प्रशासन
(के० स्वा० सेवा)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1977

सं० ए० 31015/1/77 डी० सी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री प्रार० पी० चक्रवर्ती को 2 जनवरी, 1976 से केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता में सह भैषजीय रसायनक के पद पर स्थायी कर दिया है।

एस० एस० गोठोसकर,
औषधि नियंत्रक
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

कृषि एवं सिवाई मन्त्रालय
(ग्राम विकास विभाग)
विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1977

सं० 3-13 (5)/75-ए-न—श्री टी० जे० कमलानाथन को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 1 जनवरी, 1967 में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के स्थायी पद पर मूलतः नियुक्त किया जाता है।

जे० एस० उपल,
कृषि विषयन सलाहकार

फरीदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1977

सं० 4-6 (118)/77-प्र० III—श्री ए० जी० शुक्ला, वरिष्ठ निरीक्षक को विषयन और निरीक्षण निदेशालय, पटना में दिनांक 13 जून, 1977 (पूर्वाह्न) से 6 माह की अवधि के लिए अत्यकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित

प्रबंध होते हैं, दोनों में जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न महायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1), नियुक्त किया गया है।

बी० पी० चावला,
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5 दिनांक 20 जून 1977

सं० पी० पी० ई० डी०/3 (282)/76-प्रशासन : 8600—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न महायक लेखपाल श्री बी० के० एस० नायर को 27 मई 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए इस प्रभाग में 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में 650 रुपये के आरम्भिक मासिक वेतन पर अस्थायी रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० बी० आटे,
प्रशासन अधिकारी

क्षय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400 001, दिनांक 16 जून 1977

सं० डी० पी० एस०/ए०/11013/25/76/स्थापना/11943—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्षय तथा भंडार निदेशक, परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रान परियोजना, कलकत्ता के स्टोर यूनिट (क्षय एवं भंडार निदेशालय) के भंडारी श्री पी० रमेश चन्द्र को, सहायक भंडार अधिकारी, श्री पी० के० राधाकृष्णन के स्थान पर जिन्हें छुट्टी दी गई है, 8 नवम्बर, 1976 से 31 दिसम्बर, 1976 तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

कोटा, दिनांक 23 जुलाई 1977

सं० राष्ट्रिय/04627/प्रगा०/77/स्थ/682—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना डाकखाना-तरोरा जिला—बुलन्दशहर (उ० प्र०) में स्थानांतरित होने पर उन्होंने अपने पदों का कार्यभार उनके नाम के आगे अंकित तारीखों को छोड़ दिया है।

क्रम सं०	नाम	पद जिनपर स्थायित्र है	स्थानापन्न पद	पद छोड़ने की तारीख ।
1.	श्री बी० ए० श्रीवास्तव	महायक फोरमैन	वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर-प्रेड-एस० बी०	30-6-77 (अप०)
2.	श्री के० एस० राहुल	"	"	30-6-77 (अप०)
3.	श्री ए० डी० माथुर	फोरमैन	"	30-6-77 (अप०)
4.	श्री के० गोस्वामी	वैज्ञानिक सहायक (बी)	"	8-7-77 (अप०)
5.	श्री जी० के० शर्मा	फोरमैन	"	8-7-77 (अप०)

कोटा, दिनांक 25 जुलाई 1977

सं० रापविष्ट/भर्ती/17 (2)/77/691—राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के परियोजना हंजीनियर, श्री एवं भण्डार मिशेशालय के कोटा श्वेतीय क्षय एवं भण्डार यूनिट में स्थानापन्थ सहायक लेखाकार श्री गोविन्दसिंह को इसी परियोजना में तारीख 3-8-1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए प्रस्थानी तौर से सहायक लेखाधिकारी के पद पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

भोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

तारापुर परमाणु बिजलीघर
थाना-401 504, दिनांक 4 जुलाई 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18 (2)/77-आर०—परमाणु कर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के अस्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एस० त्रयम्बकनाथ को 23 मई, 1977 के पूर्वाह्न से 4 जुलाई 1977 तक इसी बिजलीघर में तदर्थ आधार पर कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री त्रयम्बकनाथ ने कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 4 जुलाई 1977 के पूर्वाह्न से तारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 11 जुलाई 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/2/1262/76—केन्द्रीय रेलवे, बम्बई के स्थायी गोपनीय सहायक श्री एम० आर० दीक्षित, जो तारापुर परमाणु बिजलीघर में महायक लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त हैं, ने उनका प्रत्यावर्तन उनके मूल कार्यालय को होने पर 21 मई, 1977 के अपराह्न में तारापुर परमाणु बिजलीघर में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

डी० वी० मारकाले
मुख्य प्रशासन अधिकारी

थाना 401 504, दिनांक 5 जुलाई 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19 (3)/76-आर०—परमाणु कर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक विद्युत् परियोजना हंजीनियरी प्रभाग पूल के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थानापन्थ सहायक लेखापाल श्री जे० पी० खंडेलवाल को उनकी तैनाती संबंध प्राधिकरण बारा की जाने पर 30 जून, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए तारापुर परमाणु बिजलीघर में अस्थायी रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

डी० वी० मारकाले,
कृत मुख्य प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मन्त्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 22 जुलाई 1977

सं० ई० (1) 05133—भारत मौसम विज्ञान विभाग के अन्तर्गत वेधशालाओं के महानिदेशक के नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय के स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी श्री ए० एन० बोस निवर्तन की आग्रह पर पहुंचने पर 30 जून 1977 के अपराह्न सरकारी सेवा में निवृत हो गए।

दिनांक 27 जुलाई 1977

सं० ई० (1) 00912—वेधशालाओं के महानिदेशक श्री एच० आर० हट्टवार को 24 जून, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप बी) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री हट्टवार को पुणे के वेधशालाओं के उपमहानिदेशक (पूर्वानुमान) के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

सं० ई० (1) 00928—वेधशालाओं के महानिदेशक श्री जे० वी० एम० नायडू को 27 जून 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक भारत मौसम सेवा ग्रुप-बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप बी०) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री नायडू निदेशक, मद्रास के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के अन्तर्गत विशाखापटनम कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

सं० ई० (1) 08010—वेधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के कार्यालय के अन्तर्गत बावतपुर मौसम कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री ठाकुर प्रसाद को भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी०) में 29 जून 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री ठाकुर प्रसाद, बम्बई के निदेशक, मौसम केन्द्र के अन्तर्गत अहमदाबाद मौसम केन्द्र में तैनात किए गए हैं।

सं० ई० (1) 08067—वेधशालाओं के महानिदेशक नगपुर के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के कार्यालय के अन्तर्गत भोपाल मौसम केन्द्र के व्यावसायिक सहायक श्री एन० पन्थारी-नाथ को 27 मई, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक भारत मौसम सेवा ग्रुप-बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-बी०) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री पन्थारीनाथ भोपाल के मौसम केन्द्र में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 08095—वेधशालाओं के महानिदेशक पुणे के निदेशक (उपकरण) के कार्यालय भारत मौसम विज्ञान विभाग के व्यावसायिक सहायक श्री आर० डी० बिश्वाल को 28 मई, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री बणिठ पुणे के निदेशक (उपकरण) के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० श्रार० एन० मणिथम,
मोसम विज्ञानी
कृते वैध्यालाइंगों के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1977

सं० ए-32013/7/77-ई० 1—राष्ट्रपति ने श्री जे० एस० कपूर, उपनिदेशक (टैरिक परीक्षा) को 20-5-77 से 4-7-77 तक 46 दिन की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर निदेशक विमान भार्ग और विमानक्षेत्र (योजना) के पद पर नियुक्त किया है।

सी० के० वत्स,
सहायक निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० ए-32013/1/77-ई० एम०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित वरिष्ठ विमान निरीक्षकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से 1-5-77 तक तदर्थ आधार पर उपनिदेशक/नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है।

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री एस० रंजन	निरीक्षण कार्यालय, बंगलौर	9-3-77
2.	श्री चमन लाल	डी० जी० सी० ए० (मुख्यालय)	1-3-77

सं० ए-32013/1/77-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित वरिष्ठ विमान निरीक्षकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से 1-5-1977 तक तदर्थ आधार पर क्षेत्रीय नियंत्रक विमान सुरक्षा के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है।

क्रम सं०	नाम और पदनाम	तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
1.	श्री टी० के० नायर	क्षेत्रीय निदेशक, कार्यालय कलकत्ता।	1-3-77

1	2	3	4
2.	श्री एम० एम० चावला	क्षेत्रीय निदेशक, कार्यालय बम्बई।	1-3-77

विश्व विनोद जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1977

सं० ए-32013/4/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री जे० एच० लांस महायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, वाराणसी को 28-6-77 पूर्वाल्प से तीन मास के लिए तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में नियुक्त किया है।

सं० ए-32014/1/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एन० एस० सपरे, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को 16-6-77 (पूर्वाल्प) से तदर्थ आधार पर महायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें श्री जी० वी० नामले, सहायक तकनीकी अधिकारी की 75 दिन की अर्जित छुट्टी रिक्विट में उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए-32014/2/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री वी० आर० पटेल तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को 23 जून, 1977 से अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

प्रेम चन्द्र जैन,
सहायक निदेशक प्रशासन

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1977

क्षेत्रीय संचार सेवा

सं० 1/85/77-स्था०—मद्रास शाखा के स्थायी उप परियात प्रबन्धक श्री पी० सरवणम निवृत्त होने की आयु के हो जाने पर 31 मई, 1977 के अपराह्न से सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० 1/370/77-स्था०—श्री बी० के० सूरी पर्यवेक्षक, नई दिल्ली शाखा को 23-5-77 के पूर्वाल्प से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर उप-परियात प्रबन्धक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 जुलाई 1977

सं० 1/82/77-स्था०—श्री सी० एन० एन० नायर, तकनीकी सहायक, स्विचिंग समूह, बम्बई को 2-7-77 के पूर्वाल्प

से और आगामी अदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 जुलाई 1977

सं 1/297/77-स्था०—श्री एम० प्रभात राव, तकनीकी सहायक, आर० बी० शाखा को जो 4-5-77 से उसी शाखा में

स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त किए थे, 2-7-77 के पूर्वाह्न से और आगामी अदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले,
महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय
बम्बई-400020, जून 1977 को समाप्त होने वाली निमाही

सं ० एम० एच०/१/१९७७-७८—दिनांक 21-२-१९७६ से प्रवृत्त होने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सातवां संशोधन) नियम १९७६ के नियम २३२ ए के उप नियम (१) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषित किया जाता है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम १९४४ की धारा ९ के अधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्ति अथवा जिस पर अधिनियम की धारा ३३ के अन्तर्गत १०,०००/- रुपए या इससे अधिक का अर्थ दण्ड दिया गया है ऐसे व्यक्तियों के नाम तथा पते एवं अन्य विवरण जो उप नियम (२) में निर्धारित है, निम्न प्रकार से है :—

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है	दण्ड की राशि
1	2	3	4	5
1.	मैसर्स अलोकस केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड प्रभात नगर जोगेश्वरी प्रभात नगर, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई ६०। (पश्चिम) बम्बई ६०।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम १९४४ की धारा ९I (बी), ९I (बीबी), ९I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा दिया गया ३७५० रुपए का अर्थ दंड।	
2.	श्री नानू गोकल जीवन गोकल, निदेशक मैसर्स अलोकस केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रभात नगर, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई ६०।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम १९४४ की धारा ९I (बी), ९I (बीबी), ९I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा ३७५० रुपए का अर्थ दंड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर १ महीने का सश्रम कारावास।	
3.	श्री छिड़भाई नाथभाई पटेल, निदेशक मैसर्स अलोकस केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रभात नगर, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई ६०।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम १९४४ की धारा ९I (बी), ९I (बीबी), ९I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा ३७५० रुपए का अर्थ दंड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर १ महीने का सश्रम कारावास।	
4.	श्री सोमाभाई प्रेमाभाई पटेल, निदेशक मैसर्स अलोकस केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रभात नगर, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई ६०।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम १९४४ की धारा ९I (बी), ९I (बीबी), ९I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा ३७५० रुपए का अर्थ दंड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर १ महीने का सश्रम कारावास।	
5.	श्री कान्तिलाल आर० पटेल, निदेशक मैसर्स अलोकस केमिकल्स प्रा० लि० प्रभात नगर, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई ६०।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम १९४४ की धारा ९I (बी), ९I (बीबी), ९I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा ३७५० रुपये का अर्थ दंड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर १ महीने का सश्रम कारावास।	
6.	श्री मधुकांत बच्चभाई घानकी, मुपरवाइजर, मैसर्स अलोकस केमिकल्स प्रा० लि०, प्रभात नगर, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई ६०।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम १९४४ की धारा ९I (बी), ९I (बीबी), ९I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा ३७५० रुपये का अर्थ दंड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर १ महीने का सश्रम कारावास।	

1	2	3	4	5
7.	श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, मालिक, मैसर्स विजय मैटल इंडस्ट्रीज, दहीसर, जिला थाना।	हाकोबो बिल्डिंग, उद्धव नगर बोरीवली (पूर्व) वंबई 66।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम 1944 की धारा 9I (बी), 9I (बीबी), 9I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा 15,000 रु. का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर 3 महीने का सश्रम कारावास।
8.	श्री जुहार अब्बास भाई गोधरावाला, भागीदार, मैसर्स महारा पेंट्स इंडस्ट्रीज ठाकोर इस्टेट कीरोल, विद्याविहार स्टेशन रोड, वंबई 86।	काजलवाला बिल्डिंग 2री पीरखान स्ट्रीट न्यू नागपाडा वंबई 8।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम 1944 की धारा 9I (बी) 9I (बीबी), 9I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा 1200 रुपए का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर 1 महीने का सश्रम कारावास।
9.	श्री अब्बास भाई तुर्बान हुसैन गोधरावाला, भागीदार मैसर्स सहारा पेंट्स इंडस्ट्रीज ठाकोर इस्टेट, कीरोल विद्याविहार स्टेशन रोड, वंबई 86।	काजलवाला बिल्डिंग 2री पीरखान स्ट्रीट न्यू नागपाडा वंबई 8।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 (बी) 9I (बीबी)।	न्यायालय द्वारा 1200 रुपए का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर 1 महीने का सश्रम कारावास।
10.	श्री मज्जाद हुसैन कुर्बानी हुसैन गोधरावाला भागीदार, मैसर्स महारा पेंट्स, इंडस्ट्रीज ठाकोर इस्टेट, कीरोल विद्याविहार, स्टेशन रोड, वंबई 86।	125 धावू स्ट्रीट वंबई 3।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम 1944 की धारा 9I (बी), 9I (बीबी); 9I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा 1200 रुपए का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर 1 महीने का सश्रम कारावास।
11.	श्री मज्जहर हुसैन मज्जाद हुसैन गोधरावाला भागीदार, मैसर्स महारा पेंट्स इंडस्ट्रीज, ठाकोर इस्टेट कीरोल विद्याविहार, स्टेशन रोड, वंबई 86।	125 धावू स्ट्रीट वंबई 3।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम 1944 की धारा 9I (बी), 9I (बीबी), 9I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा 1200 रुपए का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर 1 महीने का सश्रम कारावास।
12.	श्री दाऊदीभाई कमरुद्दीन शिकारी, मैसर्स महारा पेंट्स इंडस्ट्रीज, ठाकोर इस्टेट, कीरोल विद्याविहार, स्टेशन रोड, वंबई 86 का कर्मचारी।	आर० एस० पटेल चाल, ओल्ड पनवेल रोड मुम्बाई जिला थाना।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 (डी), 9I (बीबी) 9I (बीबीबी) के साथ पठित धारा 9I (बी)।	न्यायालय द्वारा 1200 रु. का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर 1 महीने का सश्रम कारावास।
13.	श्री नथमन महाबीरलाल केडिया, भागीदार मैसर्स मधुकर प्रिट्स, कुर्ला अंधेरी रोड, कुर्ला, वंबई 70।	अल्का प्लाट नं० ७ दादा भाई रोड, विले पारले (पश्चिम) वंबई 56।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम 1944 की धारा 9I (बी), 9I (बीबी), 9I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा 1200 रुपए का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर 1 महीने का सश्रम कारावास।
14.	श्री मदननाल आर० केडिया, भागीदार, मैसर्स मधुकर प्रिट्स, कुर्ला, अंधेरी रोड, कुर्ला, वंबई 70।	93, माउन्ट यूनीक पेडर, रोड, वंबई 26।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम 1944 की धारा 9I (बी), 9I (बीबी), 9I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा 1200 रु. का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर 1 महीने का सश्रम कारावास।
15.	श्रीमति श्रुतंजला देवी वी० केडिया, भागीदार मैसर्स मधुकर, प्रिट्स, कुर्ला अंधेरी रोड, कुर्ला, वंबई 70।	93 माउन्ट, यूनीक पेडर रोड, वंबई 26।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं नमक अधिनियम 1944 की धारा 9I (बी), 9I (बीबी), 9I (बीबीबी)।	न्यायालय द्वारा 1200 रु. का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर 1 महीने का सश्रम कारावास।

1

2

3

4

5

16. श्रीमति कुमुलता पी० केड़िया, भागी-दार, मैसर्स मधुकर, प्रिटर्स, कुर्ला, अंधेरी रोड, बम्बई 26।	93, माउन्ट यूनीक पेड़र केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पूर्व न्यायालय द्वारा 1200 रु० नमक अधिनियम, 1944 अर्थ दण्ड या न देने की धारा 9I (बी), 9I की स्थिति में प्रत्येक (बीबी, 9I (बीबीबी)। अपराध पर 1 महीने का सश्रम कारावास।
17. श्री सन्तोषकुमार चण्डीप्रसाद, मैसर्स मधुकर प्रिटर्स, कुर्ला, अंधेरी रोड, कुर्ला, बम्बई 70।	14/475 तिळक नगर चेम्बूर, बम्बई 89। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पूर्व नमक अधिनियम 1944 की धारा 9I (डी), 9I (बी बी) 9I (बीबीबी) के साथ पठित धारा 9I (बी)। न्यायालय द्वारा 1200 रुपये का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर 1 महीने का सश्रम कारावास।

II विभागीय न्याय निर्णयन

—शूल्य—

ह० अपठनीय

समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बम्बई

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर, दिनांक 25 जुलाई 1977

क्रमांक 16—श्री एम० बी० रास्ते श्रेणी 'ख' अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बहुपदीय अधिकारी रेंज-1 जबलपुर, आधारभूत नियम के धारा 56 (जे) (1) के अनुसार दिनांक 27-4-77 के अपराल्ह में सेवा निवृत्त किए गए।

क्रमांक 17—श्री एल० एन० बापट अधीक्षक श्रेणी 'ख' केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बहुपदीय अधिकारी रेंज, आकोला दिनांक 11-5-77 से 31-7-77 तक 82 दिन के अवधि के लिए सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर गए हैं। छुट्टी समाप्ति के बाद वे सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

क्रमांक 18—इस समाहर्तालय के श्री एम० एल० कटीयाल (प्रवरण श्रेणी) निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनको स्थानापन्थ अधीक्षक श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 30-5-77 के अपराल्ह में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय नागपुर में नये पद का कार्यभार संभाल लिया।

क्रमांक 19—इस समाहर्तालय के श्री डॉ. एम० देशपांडे, प्रवरण श्रेणी निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनकी स्थानापन्थ अधीक्षक श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 30-5-77 के अपराल्ह में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय नागपुर में नये पद का कार्यभार संभाल लिया।

क्रमांक 20—इस समाहर्तालय के श्री टी० के० साधवानी, प्रवरण श्रेणी निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनकी स्थानापन्थ अधीक्षक श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक

31-5-77 के पूर्वाह्नि में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, इटारसी में नये पद का कार्यभार संभाल लिया।

क्रमांक 21—इस समाहर्तालय के श्री एस० एस० जोशी, प्रवरण श्रेणी निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनकी स्थानापन्थ अधीक्षक श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 23-5-77 के पूर्वाह्नि में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय नागपुर में नए पद का कार्यभार संभाल लिया।

क्रमांक 22—इस समाहर्तालय के श्री एम० ए० एच० खान प्रवरण श्रेणी निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनकी स्थानापन्थ अधीक्षक श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 23-5-77 के पूर्वाह्नि में अधीक्षक (निवारक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय नागपुर में नये पद का कार्यभार संभाल लिया।

क्रमांक 23—इस समाहर्तालय के श्री एम० बी० लातुकर, प्रवरण श्रेणी निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनकी स्थानापन्थ अधीक्षक श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 6-6-77 के पूर्वाह्नि में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय नागपुर में नये पद का कार्यभार संभाल लिया।

क्रमांक 24—इस समाहर्तालय के श्री बी० एम० पल-सोले, प्रवरण श्रेणी निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनकी स्थानापन्थ अधीक्षक, श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 9-6-77 के पूर्वाह्नि में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय नागपुर में नए पद का कार्यभार संभाल लिया।

क्रमांक 25—इस समाहर्तालय के श्री एस० ए० बाह्रा प्रवरण श्रेणी निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनकी स्थानापन्थ अधीक्षक श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 9-6-77

के पूर्वाह्न में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय नागपुर में नये पद का कार्यभार संभाल लिया।

अमांक : 26—इस समाहृतक्षेत्र के श्री एम० एन० खरे, प्रवरणश्रेणी निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनकी स्थानापन्थ अधीक्षक श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 9-6-77 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बहुपदीय अधिकारी रेंज-II रत्नाम में नए पद का कार्यभार संभाल लिया।

मनजीत सिंह बिन्द्रा,
समाहृती

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1977

सं० 33/7/76-ई० सी० 9—राष्ट्रपति निम्नलिखित संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा नामांकित सदस्यों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में उप-वास्तुक (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप के राजपत्रित) के अस्थायी पद पर उनके नाम के आगे दिए गए वेतन पर, वेतनमान 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपये (जमा सामान्य भत्ते) में सामान्य शर्तों पर दिनांक 7-7-77 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

2. ये अधिकारी दिनांक 7-7-77 से दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रखे जाते हैं।

क्रम सं०	नाम	वेतन	विवरण
1	2	3	4

सर्व/श्री

1. मोहन सिंह	2 वर्ष की परिक्षा श्रीकांति पूरी करने पर नियमानुसार वेतननियन्त्रित किया जाएगा। वर्तमान में वे रु० 700/- प्रति मास प्राप्त करेंगे।	वे आगामी आदेश तक वरिष्ठ वास्तुक (न०दि० अ०) 5 एकक में कार्य करेंगे।
2. विजय रंजन ग्रम्बोड़कर	—वही—	आगामी आदेश तक वे वरिष्ठ वास्तुक (न०दि० अ०) एकक में कार्य करेंगे।
3. मनोहर विठ्ठल करगांवकर	—वही—	आगामी आदेश तक वे वरिष्ठ वास्तुक (एच० एण्ड टी० पी०) एकक में कार्य करेंगे।

1	2	3	4
4. श्रीमती विप्ला खुराना	—वही—	आगामी आदेश तक वे मुख्य वास्तुक एकक में कार्य करेंगी।	

दिनांक 20 जुलाई 1977

सं० 1/429/69-प्रशासन 4/ई० सी० 9—इस विभाग के श्री पी० के० वर्मा, स्थानापन्थ वास्तुक वाधकय की आयु प्राप्त करने पर 31-7-1977 (प्रपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त होंगे।

टी० पी० घोहरी
प्रशासन उपनिदेशक
कूते प्रमुख इंजीनियर

सवारी छिब्बा कारखाना

महाप्रबन्धक का कार्यालय
कार्मिक शाखा/शेल

मद्रास-38, दिनांक 21 जुलाई 1977

सं० का० शा०/रा० सा०/७/विविध—इस प्रशासन के स्थानापन्थ वरिष्ठ लेखा अधिकारी/वित्त (वरिष्ठ वेतनमान) श्री पी० मतिलाल को 27-6-77 के अपराह्न भारमुक्त किया गया ताकि वे कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में पद्धोन्नति पाकर उसरे रेलवे को स्थानान्तरण पर जा सकें।

श्री एम० एन० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्थ सहायक लेखा अधिकारी/केन्द्रीय कृत लेखा भनुभाग (श्रेणी II) को 28-6-77 से वरिष्ठ लेखा अधिकारी/वित्त के रूप में वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्थ रूप से पद्धोन्नत किया गया।

श्री टी० एम० नरसिंहन, स्थानापन्थ वरिष्ठ लेखा अधिकारी ने दक्षिण रेलवे से स्थानान्तरित होकर इस प्रशासन में भर्ती रिपोर्ट पेस की और उन्हें 8-7-77 से स्थानापन्थ वरिष्ठ लेखा अधिकारी/फर (वरिष्ठ वेतनमान) के रूप में तैनात किया गया।

एस० वेंकटरामन,
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कूते भारा प्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

• (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 कोरीमण्डल कोस्टल माइनिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 21 जुलाई 1977

सं० 519 (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 5.60 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्यावारा यह सूचका दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर कोरीमण्डल कोस्टल माइनिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण

दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

वि० एस० राजु
कम्पनियों का रजिस्टर
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कारडमं म्प्लानटरस यूनियन हाई स्कूल कम्पिटी के विषय में।

मद्रास, दिनांक 19 जुलाई 1977

सं० 446/560(3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कारडमं म्प्लानटरस यूनियन हाई स्कूल कम्पिटी का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

केंद्रीय पञ्चापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्टर

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोटकपूरा चैम्बर आफ कार्मस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

चत्तीगढ़, दिनांक 15 जुलाई 1977

सं० जी०/स्टेट/560/2119—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कोटकपूरा चैम्बर आफ कार्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायर्ता
कम्पनियों का रजिस्टर
पं० हि० प्र० व चन्द्रीगढ़

सं० यतः—मारस, काफी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिकुडिशन) 403, ग्रेट काट्टन रोड, तृतीकोस्ट, तिरुनस्वेली डिस्ट्रिक्ट (इन लिकुडिशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय क्षुमरीतिलैया, हजारीबाग, कोडरमा में है, का समापन किया जा रहा है, और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक द्वारा कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा-विवरणियों से समापक द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है, यह क्रमबक्ता मास के लिए नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर मारस काफी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिकुडिशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया

जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

ह० श्रपठनीय
कम्पनियों का रजिस्टर, मद्रास

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सौत इन्डियन फार्म्स्ट्रॉटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 20 जुलाई 1977

सं० 2726/560 (3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सौत इन्डियन फार्म्स्ट्रॉटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री सेलव विनायगर मुरुगन टैक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1977

सं० 3443/560 (3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री सेलव विनायगर मुरुगन टैक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रत्ना चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 जुलाई 1977

सं० 2287/560 (3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रत्ना चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

सी० अच्युतन
कम्पनियों का सहायक रजिस्टर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री वेंकटेश्वरा आटो-मोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 जुलाई 1977

सं० 4846/560 (3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री वेंकटेश्वरा आटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

पी० भास्कर राव
कम्पनियों का सहायक रजिस्टर

कम्पनी अधिनियम 1959 और रस्क ट्रेइंग एण्ड फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 21 जुलाई 1977

सं० 6521/3090-एस० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्डारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर रस्क ट्रेइंग एण्ड फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० नारायणन
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
उत्तर प्रदेश, कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री अमबिका सिरामिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1977

सं० एच० 7261/5/13212—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्डारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री अमबिका सिरामिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एच० एस० भाटिया
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार
दिल्ली।

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-3

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1977

आयकर

सं० जुरि-दिल्ली/सी० आई० टी०-3/77-78/5693—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 के अन्तर्गत पिछले सभी आदेशों का अधिकरण करते हुए तथा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-3 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-4 में उल्लिखित क्षेत्रों के अन्तर्गत आने वाले सभी व्यक्तियों, व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों, मामलों या मामलों के वर्गों के आरे में अपने कार्य करने वाले जो किसी दूसरे आयुक्त के प्रभार को सौंप दिए गए हों या अन्यथा उस प्रभार में जिनका कर-सिद्धारण किया जाना हो तथा वे मामले जो उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी दूसरे आयकर अधिकारी को सौंप दिए गए हों, शामिल नहीं होंगे।

अनुसूची

क्रम सं०	क्षेत्र	आयकर अधिकारी का नाम	अधिकार-क्षेत्र
1	2	3	4
1			
1 सुन्दर नगर, निजामुद्दीन ईस्ट, महारानी बाग, कार्लिंडी कालोनी, फ्रैंड्स कालोनी का बाई और का भाग, जामिया नगर, ग्रोखला, सुपर बाजार, बंगाली मार्केट, म्युनिसिपल मार्केट, शंकर मार्केट और केनाट सर्केस/प्लेस के ब्लाक एल०, एम०, शी० व 'ई०'।	आयकर अधिकारी सर्वे सर्किल-4 नई दिल्ली	(क) धारा 127 के अन्तर्गत उसे पहले ही सौंपे गए या बाद में सौंपे जाने वाले सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग।	
			(ख) निम्नलिखित क्षेत्रों के अन्तर्गत आने वाले सभी व्यक्ति, व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग।
			निम्नलिखित सीमा वाले क्षेत्र :
			(1) पावर हाउस रोड के बाई ओर का भाग, जो यमुना नदी के तट से शुरू होकर जवाहरलाल मार्ग पर विवेकानन्द मार्ग के साथ उसके चौराहे तक जाता है।
			(2) विवेकानन्द मार्ग के बाई ओर का भाग जो जवाहरलाल मार्ग के साथ विवेकानन्द मार्ग के चौराहे से लेकर रेण्युल रोड नं० 5 के साथ-साथ नेहरू पार्क के सैटर तक जाता है।

1

2

3

4

2. कनाट सर्कस/जेस के ब्लाक एफ० और एन०, आयकर प्रधिकारी
सिंधिया हाउस
डिं-10(4)
नई दिल्ली।

(3) रेडियल मार्ग नं० ७ से भिलंते द्वारे नेहरू पार्क के सेन्टर से लेकर और उसके बाद मंडी हाउस के गोलचक्कर तक बाराखम्बा रोड के बाईं ओर का भाग।

(4) मंडी हाउस के चौराहे से शुरू करके भगवानदास रोड के बाईं ओर का भाग जो मथुरा रोड के साथ उसके जंकशन तक जाता है।

(5) मथुरा रोड के बाईं ओर का भाग, जो भगवानदास रोड के साथ उसके जंकशन से शुरू होकर हरियाणा बाईर के साथ उसके चौराहे तक जाता है।

(ग) उपर्युक्त मद (ख) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी साक्षेदार व्यक्ति।

(घ) उपर्युक्त मद (ख) में बताए गए क्षेत्र के सभी नगर निधारिती।

(क) धारा 127 के अन्तर्गत उसे पहले ही सौंपे गए या बाद में सौंपे जाने वाले सभी व्यक्ति, या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग।

(ख) अब तक (24 जुलाई 77 की स्थिति के अनुसार) आयकर प्रधिकारी, सर्वे सर्किल-4, नई दिल्ली द्वारा कर-निधारित/कर-निर्धारण योग्य सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग तथा जो निम्नलिखित धोरों के अन्तर्गत आते हैं:—
निम्नलिखित सीमा वाले क्षेत्र:—

(1) नेहरू पार्क के सेन्टर से लेकर रेडियल रोड नं० ७ के साथ-साथ बाराखम्बा रोड के साथ कनाट सर्कस के जंकशन तक।

(2) बाराखम्बा रोड के दाईं ओर का भाग जो मंडी हाउस के गोलचक्कर के साथ उसके जंकशन तक जाता है।

(3) भगवानदास रोड के दाईं ओर का भाग जो मंडी हाउस से लेकर मथुरा रोड के साथ भगवानदास रोड के जंकशन तक जाता है।

(4) मथुरा रोड के दाईं ओर का भाग जो डा० जाकिर हुसैन मार्ग के साथ उसके जंकशन तक जाता है।

(5) डा० जाकिर हुसैन मार्ग के दाईं ओर का भाग जो मथुरा रोड के साथ उसके जंकशन से लेकर इंडिया गेट के गोलचक्कर तक जाता है।

(6) शाहजहां रोड के दाईं ओर का भाग जो इंडिया गेट से लेकर माउथ यंड रोड के साथ उभके चौराहे तक जाता है।

1	2	3	4
			(7) शाहजहां रोड और पृथ्वीराज रोड के साथ साउथ यंड रोड के ऊपर से लेकर साउथ यंड रोड के दाईं ओर का भाग।
			(8) जनपथ के दाईं ओर का भाग जो साउथ यंड रोड के साथ उसके जंकशन से शुरू होकर रेडियल रोड नं० 8 के साथ-साथ नेहरू पार्क के सेन्टर तक जाता है।
			(ग) उपर्युक्त मद (ख) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी सामेदार व्यक्ति।
			(घ) उपर्युक्त मद (ख) में बताए गए क्षेत्र के सभी नए निर्धारिती।
3.	पश्चिमी किंवद्दन नगर, सरोजिनी नगर माउंट, आयकर अधिकारी मोती बाग-1, चाणक्यपुरी, लक्ष्मीबाई नगर, डिं-10 (6) नेताजी नगर।	नई दिल्ली	(क) धारा 127 के अन्तर्गत उसे पहले ही सौंपे गए या बाद में सौंपे जाने वाले सभी व्यक्ति, व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग।
			(ख) अब तक (24 जुलाई 77 की स्थिति के अनुसार) आयकर अधिकारी, सर्वे सर्किल-4, मर्ड दिल्ली द्वारा कर-निर्धारित/कर-निर्धारणयोग्य सभी व्यक्ति, व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग तथा जो निम्नलिखित क्षेत्रों के अन्तर्गत आते हैं :— निम्नलिखित सीमा वाले क्षेत्र :—
			(1) तीन मूर्ति मार्ग के दाईं ओर का भाग जो विलिंगड़न क्रेसेंट से शुरू होकर सफदरजंग मार्ग के साथ उसके जंकशन तक जाता है।
			(2) सफदरजंग मार्ग के दाईं ओर का भाग जो अकबर मार्ग और तीन मूर्ति के साथ उसके जंकशन से लेकर पृथ्वीराज रोड और सफदरजंग रोड के साथ उसके जंकशन तक जाता है।
			(3) अरबिन्द मार्ग के दाईं ओर का भाग जो सफदरजंग के मकबरे से शुरू होकर रिंग रोड के साथ उसके जंकशन तक जाता है।
			(4) रिंग रोड पर-अरबिन्द मार्ग के साथ उसके जंकशन से लेकर धौला कुआं गोलचक्कर तक।
			(5) सरदार पटेल मार्ग के दाईं ओर का भाग जो धौला कुआं गोलचक्कर से शुरू होकर विलिंगड़न क्रेसेंट के साथ उसके जंकशन तक जाता है।
			(ग) उपर्युक्त मद (ख) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी सामेदार व्यक्ति।
			(घ) उपर्युक्त मद (ख) में बताए गए क्षेत्र के सभी नए निर्धारिती।

1	2	3	4.
4. भगत सिंह मार्केट, गोल मार्केट, जनपथ पर म्यु- निसिपल मार्केट, मोहन सिंह मार्केट, रीगल सिनेमा माइड, एम० एम० पंचकुइयां रोड, नई दिल्ली कनाट सर्कस/स्लेस के छालाक ए०, बी०, सी०, जी०, एच०, के० ।	आयकर अधिकारी डि०-१० (८)	(क) धारा १२७ के अन्तर्गत उसे पहले ही सौंपे गए या बाद में सौंपे जाने वाले सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग ।	
		(ख) अबतक (२४ जुलाई ७७ की स्थिति के अनुसार) आयकर अधिकारी-सर्वे संकिल-४, नई दिल्ली द्वारा कर-निर्धारित/कर-निर्धारण योग्य सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, और मामले या मामलों के वर्ग तथा जो निम्नलिखित क्षेत्रों के अन्तर्गत आते हैं :— निम्नलिखित सीमा वाले क्षेत्र :—	
		(१) रेडियल रोड नं० ५ पर नेहरू पार्क के सेन्टर से शुरू करके विवेकानन्द मार्ग के साथ उसके चौराहे तक और कनाट सर्कस का बाहरी संकिल और उसके बाद कनाट सर्कल का गोलचक्कर—रेडियल रोड नं० ३ के साथ उसके जंकशन तक ।	
		(२) पंचकुइयां मार्ग के बाईं ओर का भाग जो रेडियल रोड नं० ३ और कनाट सर्कस के बाहरी संकिल के साथ उसके चौराहे से शुरू होकर डा० अम्बेदकर मार्ग के साथ-साथ अपर रिज मार्ग तक जाता है ।	
		(३) अपर रिज रोड के बाईं ओर का भाग जो डा० अम्बेदकर मार्ग के साथ उसके चौराहे से शुरू होकर धौला कुआँ गोलचक्कर के साथ उसके जंकशन तक जाता है ।	
		(४) धौला कुआँ गोलचक्कर से लेकर विलिंगडन क्रेसेंट तक सरदार पटेल मार्ग के बाईं ओर का भाग ।	
		(५) तीन सूर्ति मार्ग के बाईं ओर का भाग जो विलिंगडन क्रेसेंट के साथ उसके चौराहे से शुरू होकर, अकबर मार्ग और सफदरजंग मार्ग के साथ उसके जंकशन तक जाता है ।	
		(६) सफदरजंग मार्ग जो अकबर मार्ग के साथ उसने जंकशन से शुरू होकर पृथ्वीराज रोड और सफदरजंग मकबरे के साथ उसके जंकशन तक जाता है ।	
		(७) पृथ्वीराज रोड जो, सफदरजंग मार्ग और सुगलव मार्ग के साथ उसके जंकशन से शुरू होकर साउथ यंड रोड के साथ उसके जंकशन तक जाता है ।	
		(८) साउथ यंड रोड की बाईं ओर का भाग जो जनपथ के साथ उसके जंकशन तक जाता है ।	
		(९) जनपथ की बाईं ओर का भाग जो रेडियल मार्ग नं० ८ के साथ-साथ नेहरू पार्क के सेन्टर तक जाता है ।	
		(ग) उपर्युक्त मद (ख) के अन्तर्गत आने वाली कमें के सभी साझेदार व्यक्ति ।	
		(घ) उपर्युक्त मद (ख) में बताए गए क्षेत्र के सभी ना निर्धारिती ।	

यह अधिसूचना 25 जुलाई, 1977 से लागू होगी ।

ए० सी० जैन
आयकर आयुक्त, दिल्ली-३, नई दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1977

आयकर

एफ० सं० जुरिन-दिल्ली/77-78/19566—इस विषय पर पहले के सभी आवेदनों का अधिक्रमण करते हुए और आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में उल्सिखित व्यक्तियों व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे किन्तु इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, व मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो बोर्ड द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी दूसरे आयकर अधिकारी को सौप दिए गए हैं या जो उसके बाद धारा 127 के अन्तर्गत किसी दूसरे आयकर अधिकारी को सौपे जाएं।

अनुसूची

क्रम आयकर अधिकारी का नाम अधिकार क्षेत्र
सं०

1 2 3

- | | |
|---|--|
| 1. आयकर अधिकारी,
कम्पनी सर्किल-1,
नई दिल्ली । | (क) अधिसूचना सं० ई-1/
जुरिन-दिल्ली/66-67/103
दिनांक 6-7-1966 की
अनुसूची-1 के अनुसार । |
|---|--|

1	2	3
---	---	---

(ख) उन कम्पनियों के सभी मामले जिनके व्यवसाय या कारोबार का स्थान या मुख्य स्थान दिल्ली के संघ राज्य क्षेत्र में हो, यदि आय की विवरणी 31-3-77 तक दाखिल कर दी गई है।

(ग) वे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, जिनके मामले इसके बाद आयकर अधिनियम की धारा 127 (1) के अन्तर्गत मौजूद जायें।

2. आयकर अधिकारी,
कम्पनी सर्किल-21
नई दिल्ली ।

(क) उन कम्पनियों के सभी मामले जिनके व्यवसाय या कारोबार का स्थान या मुख्य स्थान दिल्ली के संघ राज्य क्षेत्र में हो, यदि आय की विवरणी 1-4-77 को या उसके बाद दाखिल की गई हों।

(ख) वे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग जिनके मामले अधिनियम की धारा 127 (1) के अन्तर्गत मौजूद जाएं हों।

यह अधिसूचना 20-7-77 से लागू होगी।

जनरलीश चन्द्र
आयकर आयुक्त,
दिल्ली-2, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एम० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर शायुष्म (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1977

निदेश सं० ए० सी० क्य० 1230 (585)/10-1/75-76—
यतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 211-225 पैकी नं० ए-22, है, जो एम० पी० शाह उद्योग नगर, शंडे सेक्षन, जामनगर में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तेसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अंकित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वा वाचन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने वा अन्तरक के दायित्व में वर्धी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

1. श्री पर्ल प्लास्टिक मेन्यूफैकरिंग कंपनी/22, एम० पी० शाह म्यूनिस्पाल्टी इन्डस्ट्रीयल एस्टेट शह सेक्षन, जामनगर —की ओर से भागीदार:

1. श्री नरेश कुमार सोमचंद,
2. रैलियतबेन, सोमचंद

3. महेश सोमचंद
 4. जयेन्द्र कुरु चंदलाल,
 5. प्रफूलकुमार फूलचंद, की ओर से पावर ओफ एटारनी होल्डर ; श्री नरेशकुमार सोमचंद,
 6. रम्भाबेन कैशलाल,
 7. विजयाबेन छग्नलाल,
 8. चेतनकुमार मूलचंद शाह (मगीर) की ओर से वाली श्री मूलचंद बिजलाल शाह,
 9. दिलीप कुमार सोमचंद, की ओर से वाली श्री सोमचंद पेटीराज,
 10. अतूल किशनचंद, की ओर से वाली श्री किशनचंद हीरजी, पावर ओफ एटारनी होल्डर : श्री नरेशकुमार सोमचंद शाह। (अन्तरक)
- (2) श्री पीरे प्लास्टिक कंपनी/22, एम० पी० शाह म्यूनिस्पिल उद्योग नगर शह सेक्षन, जामनगर, की ओर से भागीदार।
- (1) श्री सोमचंद बीरपाल, एच० य० एफ० का प्रमुख,
 - (2) प्रेमचंद बीरपाल, एच० य० एफ० का प्रमुख,
 - (3) मुक्ताबेन प्रेमचंद,
 - (4) कांती लाल लखमणी,
 - (5) दिलीप कुमार पूनमचंद। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 14514 वर्ग फुट (1310.20 वर्ग मीटर) पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 211-225 पैकी प्लाट नं० 22-ए है तथा जो एम० पी० शाह म्यूनिस्पिल इन्डस्ट्रीयल एस्टेट शंडे—सेक्षन रोड पर, जामनगर में स्थित है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर शायुष्म, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-7-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 28 जुलाई, 1977

निदेश मं० ए० सी० क्य० 23-1-1214(584)/1-1/
75-76—या॒। मुझे ए० सी० परीक्षाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी मं० मर्वे नं० 404, फायनल प्लाट नं० 31, टी०
पी० ए० सी०-II, है, जो रखीयाल रोड, अहमदाबाद में स्थित है
और (इससे उपबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
29-12-76को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टयमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
इप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;अतः यद्यु, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थतः—

1. (1) श्री रामप्रसाद चिमतलाल दलाल तथा
(2) श्री बन्सी धर चिमतलाल दलाल, ला गाँड़न के
पास अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मैमर्स गुजरात स्पीनिंग, मिल, की ओर से भागीदार:

- (1) श्री नरेन्द्र भाई मगनलाल पटेल तथा
(2) श्री परमानंद मगनलाल पटेल, रखीयाल रोड,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

3. अहमदाबाद पीप्ल्स को० ओप० बैंक लि० अहमदाबाद
(बहू व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अन्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो (बिल्डिंग तथा मशीनरी के साथ
है) 25928 वर्ग मीटर भूमि पर स्थित है तथा जिसमें
10779.54 वर्ग मीटर पर बिन रहठाण बाली बिल्डिंग
तथा 1296.99 वर्ग मीटर पर रहठाण बाली बिल्डिंग स्थित
है तथा जिसका मर्वे नं० 404, फायनल प्लाट नं० 31, टी०
पी० ए० सी० नं० II, है तथा जो गुजरात स्पीनिंग मिल,
रखीयाल रोड पर, अहमदाबाद में स्थित है।

ए० सी० परीक्षा
सम्म प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-7-77

मोहर :

प्रह्लय आई० टी० एन० एस०-----

प्रधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 27 जुलाई 1977

निवेश सं० पी० डब्ल्यू.एल/1/76-77—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अर्क के कारबाहे की इमारत, 11 कनाल 5 मरले भूमि और उसमें बनी हुई दूसरी इमारत है तथा जो पलवल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पलवल में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्जतः—

1. श्री शम्भूदमाल और किशन अन्द पुत्र श्री श्रीगम अग्रवाल निवासी पलवल जिला गुडगांव।

(अन्तरक)

2. (1) श्री शंकर लाल पुत्र श्री घासी राम

(2) श्री अणोक कुमार पुत्र श्री शंकर लाल निवासी गांव जेवर तहसील खुरजा जिला बुलन्द शहर।

(3) श्रीमति राजबाला गर्म परिन कैप्टन शिव चरन लाल गर्म। निवासी जट्टारी तहसील खेर जिला अलीगढ़ (उ० प्र०)।

(4) श्रीमती कशमीरी देवी पत्नि श्री जय चन्द पुत्र श्री विद्व मल श्रीमती स्वर्णलता गुप्ता पत्नि श्री भगवत दयाल निवासी पलवल जिला गुडगांव।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवृत्ति के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्ति के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्यों व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद किसी अस्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11 कनाल 5 मरले भूमि और उसके साथ उस पर बनी हुई ईमारतें जैसे कि अर्क का कारबाहा जिसमें तीन कमरे एक प्लेट फार्म एक हाल कमरा एक दफ्तर का कमरा 5 छोटे कमरे एक गोदाम और एक छोटा कमरा है।

यह भूमि खेकट/खतीनी नं० 1515/1906-1907 किला नं० 1361/6-11, 1361/1/4-14 में सम्मिलित है।

(सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1780 नवम्बर 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पलवल के कार्यालय में लिखा है।)

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 20 जुलाई, 1977

मोहर :

प्रस्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, विनांक 27 जुलाई 1977

निवेश सं० सी० एच० डी०/68/76-77—अतः मुझे
रविन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 100 सैक्टर 8-ए है तथा जो
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपांच अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख दिसम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रसिफल के सिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरको) और अन्तरिक्ष
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत उक्त अधि-
नियम के अधीन बर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या इन्हीं आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—196GT.77

1. श्रीमती इन्द्रजीत कोर विधवा लैफ्टीनैट करनल
हरबन्स सिंह निवासी मकान नं० 306 सैक्टर 33-ए, चन्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. डा० गोपाल सिंह पुना श्रीपुत्र श्री आत्मा सिंह
(2) श्रीमती जसलीन पुत्री डा० गोपाल सिंह निवासी
मकान नं० सैक्टर 8-ए, चन्डीगढ़।
(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्तकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 100 सैक्टर 8-ए, चन्डीगढ़।
(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 665 दिसम्बर
1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में लिखा है)

रविन्द्र कुमार पठानिया
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 27-7-1977

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 27 जुलाई 1977

निदेश सं० एच० एस० आर०/20/76-77—यतः मुझे
रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “दक्षत प्रधिनियम” कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का भाग जो कि विजय नगर में स्थित है सथा जो हिसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तारती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सासिस्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 घ के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अवधि :—

1. श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री बजीर मिह निवासी 14-सिविल लाईनज, भूपाल (म० प्र०)।

(अन्तरक)

2. मै० आर्या न्न और्ज, हिमार द्वारा श्री सहदेव आर्या पुत्र श्री फतेह चन्द्र निवासी मोहना माझी, हिमार।

(2) श्री धर्म चन्द्र पुत्र श्री खुशी राम।

(3) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री सोनू राम

(4) श्री राज कुमार पुत्र श्री देव राज निवासी बी- VIII 262, हिमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का एक प्लाट जिसको पैमार्श निम्न लिखित है उत्तर 111' 6"

दक्षिण 112' 6"

पूर्व : 26+सीधा 26' 6" टेढ़ा + 50' सीधा

पश्चिम : 100' 6"

जोकि विजय नगर हिसार में स्थित है (संपत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5/26 जनवरी 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार के कार्यालय में लिखा है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्रधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 27-7-1977

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 26९ घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 27 जुलाई 1977

निदेश सं० एच० एस० आर०/21/76-77—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० विजय नगर में भूमि का भाग है तथा जो हिसार में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल नय पाया गया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26९-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 26९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अपर्याप्त :—

1. श्री दविन्द्र कुमार पुत्र श्री बजीर मिह निवासी ई०-230 ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली-48।

(अन्तरक)

2. (1) मैं आर्या ब्रदर्स, हिसार द्वारा श्री सहदेव आर्या पुत्र श्री फतेह चन्द निवासी मोहना माडी, हिसार।

(2) श्री धरम चन्द पुत्र श्री खुशी राम,

(3) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री सोनू राम

(4) श्री राज कुमार पुत्र श्री देवराज निवासी वी-VIII-262, हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का एक प्लाट जिसकी पैमार्इश निम्नलिखित है :—

उत्तर : 104' 6"

दक्षिण : 50' 6"

पूर्व : 135'

पश्चिम : 144' 3"

जो कि विजय नगर हिसार में स्थित है।

(संपत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेव नं० 5-128, जनवरी 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार के कार्यालय में लिखा है

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 27-7-1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 27 जुलाई 1977

निदेश सं० सी० एच० डी० 78/76-77/— अतः मुझे

रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान न० 5, सैकटर 18-बी है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 1.5 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री भुपिन्द्र सिंह

(2) श्री दलजीत सिंह पुत्र श्री बौलत सिंह निवासी मकान न० 676 सैकटर 8-बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती मनजीत कौर पति श्री भगवान सिंह।

(2) श्री रजिन्दर सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह।

(3) श्रीमती कुलबन्त कौर पति श्री करनैल सिंह।

(4) श्री कौरजीत सिंह पुत्र श्री शाम सिंह।

सभी निवासी गांव दानेवाल जिला फिरोज पुर (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के यथा परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 537 सैकटर 18-बी, चन्डीगढ़।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1261, जनवरी 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय में लिया है।)

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 27 जुलाई 1977

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस० —————

1. श्री के० चोक्कलिंगम

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269व (1) के अधीन सूचना

2c श्री पी० सुब्रमनियम

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कामलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, विनांक 27 जुलाई 1977

निदेश सं० 7/डीएफसी/76-77—यतः मुझे, एस०राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहुत गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 138/4, कैलासम्पालयम है, जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप में बण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कामलिय, तिरुवेंगोडु (पत्र सं० 1779/76) में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से दृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

तिरुवेंगोडु कैलासम्पालयम सेलम मैन रोड भोट सं० 134 (एस० सं० 138/4) में 4059 स्क्युर फोट की भूमि।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 27-7-1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 25 जुलाई 1977

निवेश सं० III-259/अर्जन/77-78/791—यतः मुझे,
ज्योतिन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित आजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी मू० हो० सं० 59.2 एवं प्लाट सं० 84 है, तथा जो मेन
रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन सारीख 3-12-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्रन्ति अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बिजय सिंह नाहर बल्द स्व० पूर्ण चन्द्र नाहर,
48, हैंडियन मीरर स्ट्रीट, कलकत्ता, श्री धरम चन्द्र सरावणी
बल्द स्व० बैजनाथ सरावणी, श्री निर्मल कुमार सरावणी बल्द
श्री धरम चन्द्र सरावणी एवं श्रीमती मोती देवी सरावणी
जीजे श्री धरम चन्द्र सरावणी निवासी 8/1 एस्प्लानेज ईस्ट,
कलकत्ता, सभी द्रुस्ती है "बैजनाथ सरावणी स्मृति निधि" द्रुस्त के।

(अन्तरक)

2. एम०/एस० मंगल दीप, पार्टनर्स फर्म, मेन रोड, रांची,
पी० एस०/जिला—रांची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन भय मकान रकबा 2 कट्ठा 99 छटांक जो मेन रोड,
रांची में है तथा म्य० हो० सं० 59.2, प्लाट सं० 84 एवं
वार्ड सं० V है तथा जिसका विवरण वस्तावेज सं० 4701
दिनांक 3-12-76 में पूर्ण है।

ज्योतिन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 25-7-77

मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जुलाई 1977

निवेश सं० 9 ए/अर्जन/देहरादून/77-78/2170—यतः मुझे,
आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पतः—

1. श्री श्याम सुन्दर कौल किलाम पुत्र श्री लक्ष्मन कौल
निं० 1 गुरुरोड, देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्रो प्राणनाथ राजदान पुत्र ताराचन्द राजदान (मह)
निवासी द्वारा पायरोसिरेमिक्स पो० मौथान, जिला धनबाद
(बिहार)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराने खसरा नं० 840 नया 248 का प्लाट व भूमि की
अचल सम्पत्ति जिसका एरिया 1831 वर्ग मीटर है और जो
लक्ष्मन चौक, बिन्दल नदी देहरादून में स्थित है 15000/
के विक्रय मूल्य में द्रास्तफर की गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 25-7-77

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 जुलाई 1977

निवेश सं० अर्जन/24/कानपुर/77-78/ —अतः मुझे,
आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं०

तथा जो में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा०
अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की द्वारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269 घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्रीमर्ति तारा देवी मिश्र पल्ली सं० पी० मिश्रा निवासी
74/133 धनकुटी, कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री आशुतोष बाजपेयी व विमल कुमार बाजपेयी
(नावालिंग) संरक्षण में श्री काली शंकर बाजपेयी निवासी
65/155 भोती मोहाल, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरद्वय व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापक रूप से वर्णित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिल मकान बना हुआ की अचल सम्पत्ति जिसका
नं० 111/134 है जो प्लाट नं० 56 पर बनी है जिसका,
एसिया 381 वर्ग गज ब्लाक एस स्कीम VII गुडैया रानीगंज
हर्षनगर, कानपुर में स्थित है 92000/- में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 27-7-1977

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री इन्द्रजीत पुत्र श्री जोधा त्यागी, निवासी असालातपुर
पो० पारखनगर पारग लोनी, जिला गाजियाबाद।
(अन्तरक)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 जुलाई 1977

निदेश मं० 497/अर्जन/ गाजियाबाद/76-77/2170—यतः
मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सम्बन्धीय कानूनों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं०

तथा जो में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-11-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-196GI/77

2. श्री रघुराज पुत्र राम सिंह त्यागी, निवासी असालातपुर पो० पारखनगर पारग लोनी, जिला गाजियाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की अवल सम्पत्ति जो कि चक नं० 48 में है और जिसका क्षेत्रफल 7 बीघा 6 बिस्त्रा, 7 बिस बांसी है और जो कि ग्राम असालातपुर, पारग लोनी, ता० व जि० गाजियाबाद में स्थित है 52500/- में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-7-77

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1
दिल्ली-1, दिनांक 24 जुलाई 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/1/एस० आर०-III/
नवम्बर-III / (23)/76-77—अतः मझे, जै० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिमकी सं० दुकान नं० 5-बी है, तथा जो खान मार्किट,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 27-11-76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवट्ठ प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वारस्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नसिद्धि व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. 1 लग्बवन्ती साहनी, विधवा पत्नी श्री बोध राज साहनी

(2) श्री कैलाई चन्द्रा साहनी, के-19, जंगपुरा प्रभार्टेन,
नई दिल्ली (3) श्री गमेश चन्द्रा साहनी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री बोध
राज साहनी, निवासी 68 कमबरीअन गार्डन, नन्दन एन०
डब्ल्यू० -2, आई० ई० एल० (य० के०)।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार मारवाह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री कृष्ण
नाल मारवाह, निवासी ई-4/248/248, अमर कालीनी, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय
गया है।

अनुसूची:

दुकान नं० 5-बी जो कि खान मार्केट, नई दिल्ली में है
59. 5 वर्ग गज क्षेत्रफल का 2/3 हिस्सा है, जोकि निम्न प्रकार
से स्थित है :—

पूर्व : दुकान नं० 5ए

पश्चिम : दुकान नं० 6ए

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस लेन।

जै० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-

तारीख : 23-7-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, 4/14 क्र.आसफअली मार्ग, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 25 जुलाई 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/1179/नवम्बर-1/
(10)/76-77—यतः मुझे जो० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम-32 है तथा जो प्रेटर कैलाश-1, (मार्किट),
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
सारीख 15-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की आवृत्त उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसार में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपलाभ (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः:—

1. श्री कवरं भोहिन्द्र सिंह अनेजा, सुपुत्र श्री प्रताप मिह
तथा श्रीमती राज कीर, पत्नी श्री कवरं भोहिन्द्र सिंह अनेजा,
निवासी एम-32, प्रेटर कैलाश-1 (मार्किट), नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कंवरजीत कौर आलुवालियर, पत्नी श्री एस०
कुलजीत सिंह, निवासी मकान न० 220, ब्लाक न० 'एम',
प्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका न० 32 है जोकि ब्लाक न०
'एम', में है, जिसका भेत्रफल 217 वर्ग गज है जिसके साथ
द्वाई मैंजिला ढांचा बना हुआ है, प्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48
में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड

पश्चिम : सर्विस रोड

उत्तर : दुकान-मकान न० एम-33

दक्षिण : दुकान-मकान न० 'एम'-31।

ज० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 25-7-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

268-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 19 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी०आर० 62/8966/76-77/एक्य०/बी—

यतः मुझे, जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं०

है, तथा जो

गुह्या विलेज, विराजपेट में स्थित है (और इससे उपाखद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, विराजपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मैं, असः श्री, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 268-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० एस० के० वेंकटाचलपथि सुपुत्र शनमुगराजा,
पैसेस, शिवगढ़ा, रामनाथपुरम डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु
एकटिंग आई हिज एजेंट और अटारनी श्री पी० सीतारामन सुपुत्र
पीठपेळमाल छट्टीयार आर्थीधोप एसटेट सिहापुर, साउथ कुर्ग
डिस्ट्रिक्ट (अन्तरक)

श्री आर० एम० एम० सोमसुंदरम सुपुत्र एस० के० ए० आर०
एस० एम० रामनाथन छट्टीयार, 147/ए, साउथ मासी स्ट्रीट,
मदुरै।

(अन्तरिती)

4. श्री एस० के० ए० आर० एम० एम० रामनाथन
छट्टीयार, एस० एम० चासुदेवन, डा० एस० पी० आरमुगम,
एस० पी० रामनाथन, एस० पी० मीनाक्षीसुंदरम, एस० पी०
सोमसुंदरम एस० पी० सेलव कुमार, एम० पी० कृष्णकुमार,
श्रीमती आर० एम० वानियम्माल ग्रीर ए० आर० सी० टी०
ए० आर० अरुनाचलम छट्टीयार, न० 20, कमला स्ट्रीट, भुदरै।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितदद्द है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 399/76-77 तारीख 18-11-1976]

एग्रिकलचरल लैंड

सर्वे नं०

लैंड

एकड़ सेट

129	5	31
120/1	2	88
118	1	83
119	6	79
117/1	20	53
127	19	11
120/2	0	58
120/3	0	80
117/2	9	17
		62 00

11.57 एकड़ मकान, गुह्या विलेज, विराजपेट साउथ
कुर्ग डिस्ट्रिक्ट।

बांध पूर्व : 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5 और
रोड :

पश्चिम : 114, 121/2, 121/1, 123

उत्तर : 115/1 और 106/3

दक्षिण : 130, 126 और रोड।

जे० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

तारीख : 19-7-1977

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी०आर० 62/8968/76-77/पक्ष्य०/बी—
यतः मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से
अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो
गुहया विलेज, विराजपेट में स्थित है (और इससे उपबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, विराजपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (पन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की घावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहृत था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीतः—

1. श्री एस० पी० सोमसुंदरम सुपुत्र आर० एम० ए० आर०
सुब्रमन्यम छट्टीयार, आधीथोप एस्टेट, सिद्धापुर,

एस० पी० सेलव कुमार, एम०पी० कृष्ण कुमार सुपुत्र आर०
एम० ए० आर० सुब्रमन्यम छट्टीयार, आधीथोप एस्टेट,
सिद्धापुर, साउथ कुर्ग।
(अन्तरक)

2. श्री आर० एम० सोमसुंदरम सुपुत्र एस० के० ए० आर०
एस० एम० रामनाथन छट्टीयार, 147-ए, साउथमासी स्टीट,
मदुरै।
(अन्तरिती)

4. श्री एस० के० ए० आर० एस० एम० रामनाथन
छट्टीयार, आर० एस० के० वेंकटाचलपथी, एस० एम० वासुदेवन,
डा० एस० पी० आरमुगम, एस० पी० रामनाथन, एस० पी०
मीणाश्रीमुन्दरम, श्रीमति आर० एम० वालियम्माल, और ए०
आर० सी० टी० ए० आर० अरुणाचलम छट्टीयार, नं० 20,
कमला स्ट्रीट, मदुरै।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्य व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रयोग होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

मनुसूची

[दस्तावेज सं० 345/76-77 तारीख 18-11-1976]

सारा संपत्ती : 62 एकड़।

मकान का 11.57 एकड़, गुहया विलेज, विराजपेट
ताल्लुक साउथकुर्ग।

बांध : पूर्व : 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5 और रोड

पश्चिम : 114, 121/2, 121/1 123

उत्तर : 115/1 और 106/3

दक्षिण : 130, 126 और रोड।

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 19-7-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 19 जुलाई 1977

निर्देश मं० सीआर 62/8969/76-77/एसीव्हृ/1—यतः
मुझे, जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० है, तथा जो
गुह्या विलोज, वीरराजपेट तालुक में स्थित है (और इससे उपावर्त्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय वीरराजपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 18-4-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ए० आर० सी० टी० ए० आर० अरुनाचलम
छट्टीयार सुपुत्र विदम्बरम छट्टीयार, ओनकूर, रामनाथपुरम,
तमिलनाडु, ओब नं० 26 महल 3 स्ट्रीट, मदुरै-1।

(अन्तरक)

2. श्री आर० एम० सोमसुंदरम सुपुत्र एस० के० ए० आर०
एस० के० रामनाथन छट्टीयार, 147ए, सौत मासी स्ट्रीट,
मदुरै-1। (अन्तरिती)

4. श्री एम० के० ए० आर० एस० एम० रामनाथन
छट्टीयार, आर० एस० के० वेंकटाथिपथी, एस० एम० बासुदेवन,
डा० एस० पी० आर० मुगम, एम० पी० रामनाथन, एस० पी०
मीनाक्षी सुन्दरम, एम० पी० सोमसुंदरम, एस० पी० सेलव
कुमार, एस० सी०पी० कृष्णकुमार श्रीमती आर० एम० वलीयम्माल
नं० 20, कमला स्ट्रीट, मदुरै।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 344/76-77 ता० 18-4-76)

सायं संपत्ति : 62 एकड़

मकान का 11.57 एकड़, गुह्या विलोज वीरराजपेट
तालुक

बांध : पूर्व : 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/6 और
रोड।

पश्चिम : 114, 121/2, 121/1, 123

उत्तर : 115/1, और 106/3

दक्षिण : 130, 126 और रोड।

जे० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूरु

तारीख : 19-7-77

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जुलाई 1977

निर्देश मं० सी आर 62/8962/76-77/प्रासीक्य/वी—
यतः मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो
गुह्या विलेज, वीरराजपेट ताल्लूक में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, वीरराजपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-4-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ए० आर० सी० टी० ए० आर० अरुनाचलम
छट्टीयार, मुपुव्र चिदंबरम छट्टीयार, ओकुर, रामनाथपुरम तमिल
नाडु, अब नं० 26, महल 3 स्ट्रीट, मदुरै-1।

(अन्तरक)

2. श्री एस० के० ए० आर०, एस० एम० रामनाथन
छट्टीयार सुपुत्र एम० के० ए० आर० सोमसुंदरम छट्टीयार, 147-
ए, सौत मोसी स्ट्रीट, मदुरै-1।

(अन्तरिती)

4. श्री आर० एम० सोमसुंदरम, आर० एस० के० वेंकटा-
चलात्थी एस० एम० वसुदेवन डा० एस० पी० आर० मुगम,
एम० पो० रामनाथन, एम० पी० मिनाक्षी सुंदरम, एस०
पी० सोमसुंदरम, एस० पी० सेलम कुमार, एस० पी० कृष्णकुमार,
श्रीमती आर० एम० वलीमांक, नं० 20, कमला स्ट्रीट मदुरै।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज 352/76-77 तारीख 20-4-76]

सारा सम्पत्ति : 62 एकड़

मकान का 11.57 एकड़, गुह्या विलेज वीरराजपेट
ताल्लूक।

बांध: पूर्व : 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5 और रोड

पश्चिम : 114, 121/2 121/1, 123

उत्तर : 115/1, और 106/3

दक्षिण : 130, 126 और रोड।

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 19-7-77

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एस० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रश्नान् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनाकि 19 जुलाई 1977

निर्वेश सं० सीआर०/८९६३/७६-७७/एसीक्य०/ बी—
यतः मुझे जै० एस० राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो
गृहया विलेज, वीरराजपेट में स्थित है (और इससे उपावदू
ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, वीरराजपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन 20/4/76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चहृ
प्रतिशत से प्रधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से, उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रश्नान्
में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० पी० आरम्भम सुपुत्र आर० एम० ए०
आर० सुवरमन्यम छट्टीयार, एस० पी० रामनाथन सुपुत्र आर० एम०
ए० आर० सुवरमन्यम छट्टीयार, एस० पी० मीनाक्षी सुदरम सुपुत्री
आर० एम० ए० आर० सुवरमन्यम छट्टीयार, नं० 22,
बैंकटराम रोड, मदुरै। (अन्तरक)
6-196GI/77

2. श्री एस० के० ए० आर० एस० एम०, रामनाथान
छट्टीयार सुपुत्र एस० के० ए० आर० सोमसुंदरम छट्टीयार, 147-
ए, सौत मोसी स्ट्रीट, मदुरै-I।

3. श्री आर० एम० सोमसुंदरम, आर० एस० के० बैंकटा-
चलपी, एस० एम० वासुदेवन एस० पी० सोमसुंदरम, एस० पी०
सेलव कुमार, एस० सी० कृष्ण कुमार, आर० एम० बलियम्मा,
ए० आर० सी० टी० ए० आर० अरुनाचलम छट्टीयार, नं० 20,
कमला स्ट्रीट, मदुरै।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध
है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-व में यथा परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क्षत्तावेज सं० 351/76-77 तारीख 20-11-76)

साथ सम्पत्ति 82 एकड़

मालान का 11.57 एकड़

गृहया विलेज : वीरराजपेट तालूक, सौत कूर्ग।

बोध : पूर्व : 117/7, 117/6, 117/5, 85/4, 85/5, और रोड

परिवर्त : 114, 121/2, 121/1, 123

उत्तर : 1151, और 106/3

दक्षिण : 130, 126 और रोड।

जै० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 19-7-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जुलाई 1977

निर्देश सं० सीआर०/८९६९/७६-७७/एसीक्य०/बी—यतः
मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
गुह्या विलेज, वीरराजपेट ताल्लूक में स्थित है (और इससे
उपरांड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, वीरराजपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-४-७६
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बा० उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
अ० २ अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में धास्ताविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एग० एम० वासुदेवन सुपुत्र एम० एस० एम०
सोमसुन्दर छट्टीयार, सिखयाल, 22, वेंकटराम रोड, मदुरै-२।
(अन्तरक)

2. श्री एस० के० ए० आर० एस० एम० रामनाथन छट्टीयार
सुपुत्र एम० के० ए० आर० सोमसुन्दरम छट्टीयार, 147-ए
सौत मोसी स्ट्रीट, मदुरै-१।

(अन्तरिक्षी)

3. श्री आर० एम० सोमसुन्दरम, आर० एस० के० वेंकटा-
चलपती, डा० एस० पी० आरमुगम, एस० पी० रामनाथन,
एस० पी० मीनाक्षी शंदर, एस० पी० सोमसुन्दरम, एस० पी०
सेलव कुमार, एस० पी० कृष्णकुमार, आर० एम० वल्लीयम्मा
और ए० आर० सी० टी० ए० आर० आरमुगम छट्टीयार, न०
20, कमला स्ट्रीट, मदुरै।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 350/७६-७७ तारीख 20-४-७६)

साथ संपत्ति 62 एकड़

मकान का 11.57 एकड़ गुह्या विलेज।

वीरराजपेट ताल्लूक

बांध : पूर्व : 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5

और रोड।

पश्चिम : 114, 121/2, 121/1, 123

उत्तर : 115/1 और 106/3

दक्षिण : 130, 126 और रोड।

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 19-७-1977

मोहर :

प्रलैप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेज, बंगलूरू

बंगलूरू, दिनांक 19 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/8965/76-77/एसीक्य०/वी—यतः
मुझे, जे० एस० राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, तथा जो गुह्या विलेज, वीरराजपेट तालूक में स्थित है (और इससे उपरान्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वीरराजपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-11-76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वाक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर-देने के अस्तरक के दायित्व में कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की आरा 269-व के अनुसर्य में, ये, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्चात्:—

1. श्री आर० एस० के वेकटाचलपथी प्यालेंस शिवगड़ा, रामनाथपूरम डीसट्रक्ट तमिलनाडु। (अन्तरक)

2. श्री एस० के० ए० आर० एस० रामनाथन उद्धीयार, 147-ए, सौत मासी स्ट्रीट, मुंबई-1। (अन्तरिती)

3. श्री आर० एस० सोमसुन्दरम, एस० एस० वासुदेवन, आ० एस० पी० आरमुगम, एस० पी० रामनाथन, एस० पी० भीनाक्षीशुंदर, एस० पी० सोमसुन्दरम, एस० पी० सेलव राज, एस० पी० कृष्ण कुमार, आर० एस० विल्लम्मा न० 20, कमला स्ट्रीट मुंबई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मामूल्य में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

अनुसूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 347/76-77 ता० 20-4-76)

साथ सम्पत्ति 62 एकड़

मकान का : 11.57 एकड़ मुकुया विलेज वीरराजपेट तालूक

बांध : पूर्व : 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5

और रोड़

पश्चिम : 114, 121/2, 121/1, 123

उत्तर : 115/1, और 106/3

दक्षिण : 130, 126 और रोड़

जे० एस० राव

संक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरू

तारीख : 19-7-1977

मौहर :

प्रकल्प आई०टी०एन०एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 15 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी० आर० 8210/76-77/भर्जन (पी)—
यह: मुझे जे० एस० राव
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा याहा है), की
धारा 269-ब के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
जिसकी सं० इमारती नं० 34 (पुराना नं० 28/1) है, तथा जो
मिल्लर रोड, बंगलूरु में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूरु द० वा० नं० 375/76-77 में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 16-11-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
विवित में कमी करने मा उससे भरने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की
उपचारा(1) के प्रधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. एलिजबेत धेनु नं० 34, मिल्लर रोड बंगलूरु।
(अन्तरक)

2. डा० हमथ मीह म्मद इस्माइली (लिखिया के वासी)
(अपने प्रतिनिधि द्वारा प्रतिनिधित्व-प्रतिनिधि इकबालुनिसा
इसमाइली नं० 20- काकबर्न रोड, बंगलूरु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 375/76-77 तारीख 16-11-76)

पूरास्वति जो दस्तावेज नं० 375/76-77 में दिखाया
गया है, और जो शिवाजी नगर रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में
16-11-76 में रजिस्ट्री हो गया है।

जे० एस० राव
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भर्जन रेंज, बंगलूरु

तारीख: 15-7-1977

मोहर :

प्रस्तुप प्राइवेट टी० एन० एस०—

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, विनांक 12 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/7208/76-77—यसः
मुझे, ज० एस० राव

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मु० पु० नं० 361, और नया नं० 636, है, तथा जो डिवीजन नं० 2, गुडलुपेट टाउन मैसूर डी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, गुडलुपेट/द० वा० नं० 593/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों को, जिन्हें भारतीय आधिकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के प्रनुसरण में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अथवा—

1. श्री जी० एस० मादेगौड़, सिद्धेगौड़ के पुत्र/गुडलुपेट टाउन, मैसूर डिस्ट्रिक्ट। (अन्तरक)

2. श्रीमती होमम्मा, वेंकटस्वामी की पत्नी/गुडलुपेट टाउन, मैसूर डिस्ट्रिक्ट। (अन्तरिती)

3. (1) श्री मोहतदाय भंडारि,

(2) गजनता रिक्षिएशन कूबर
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 593/76-77 तारीख 19-11-76)

द्वितीय और सीमा जैसे वस्तावेज में दिखाया गया है।

द० वा० कुन० 593/76-77 तारीख 19-11-76 (गुडलुपेट रजिस्ट्रीकर्टी के आफीस)।

ज० एस० राव

सक्षम अधिकारी

सहायक आधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

तारीखः 12-7-1977

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर-आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी० आर० 7914/76-77/अर्जन(बी)—

यतः मुझे जै० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है और जिसकी सं० खाली जगह (जमीन) नं० 411, है, तथा जो 3 ब्लाक-जयनगर-बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावश्च अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर-बंगलूर/इ० वां० नं० 1483/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ता० 1-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीष ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः घर, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथम् :—

1. सर्वश्रो

एम० कृपा,
एम० मुतुविभार
एम० भयहरदास
एम० आश्रम वियार
एम० निरंजन दास

} फ० आर० होन्धा के बेटे
412 श्रोबीलय्या गांडें।
512, यदियूर - 6 ब्लाक जयनगर
बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री बी० एस० विजयकुमार (बी० के० सिव्विलिंगप्पा के पुत्र) नं० 42 सन्निदि—बसवनगुडि बंगलूर-4।

प्रोप्राइटर बी० एस० श्रीखानातप्पा और ब्रदर्स। एस० के० आर० मार्केट, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भाव्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एव्वटीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1483/76-77 ता० 1-12-76]

खाली जमीन नं० 411, 3 ब्लाक—जयनगर —बंगलूर विवरण और सीमा : जैसे दस्तावेज में दिखाया गया है।

(द० वां० मं० 1483/76-77/1-12-76—जयनगर बंगलूर)

जै० एस० राव
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 12-7-77
मोहर।

प्रसूप शाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/7871/76-77 (प्रर्जन (बी))—यह:
मुझे, ज० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 43, से 48 है, तथा जो पोलीस रोड, राना
सिंगपेट, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूति में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधीनगर द० वा० न० 1302/76-77 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
10-11-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यह, प्रब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पतः:—

1. श्रीमती भिवारी बाई }
(2) डी० प्रेमसुख मुथा } डी०/दिलिपचंद्र की पत्नी
—वही—के बेटे।

(3) ओमप्रकाश } बी०/दिलिपचंद्र के बेटे।
(4) श्री जगदिश चन्द्र मुथा } डी० प्रेमसुख मुथा के पुत्र।

न० 36 रानासिंगपेट, —3 क्रास, बैंगलूर सिटी। (अन्तरक)
2. मै० रजतमहल। पार्टनर श्री के० बी० शिव कुमार।
श्री के० विश्वनाथय्या सद्गु से प्रतिनिधित।

(2) मै० अनिता जुबेलर्स, श्री कृष्णेन्द्र पार्टनर से प्रतिनिधित।
अदेव्यू रोड, बैंगलूर सिटी। (अन्तरिती)

3. (1) श्री जी० प० कुलमुथा

(2) श्री भेलु लाल।

(3) श्री कमलचंद।

(4) श्री बद्री लाल।

(5) मै० अमल प्रिंटिंग प्रेस।

(6) श्री गुलाबचंद।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए
कार्यदाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[वस्तावेज सं० 1302/76-77 ता० 10-11-76]

पूरासवति न० 43, 44, 45, 46, 47 और 48—पोलिस
रोड रानासिंगपेट बैंगलूर।

सीमा और विवरण: जैसे वस्तावेज में दिखाया गया है।

(द० वा० न० 1302/76-77/10-11-76—गांधीनगर, बैंगलूर)।

ज० एस० राव
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 12-7-1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी० आर० 7091/76-77/अर्जेन(बी)---यतः
मुझे जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० इमारती नं० 68, है, तथा जो स्टेट बैंक
आफ मैसूर कालोनी, ई ब्लाक बंगलूर में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर उत्तर तालुक द० वा० नं०
1051/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 11-11-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य भास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री के० संजय येही। होसमने रोड चिक्कमगलूर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती रंगनाथ की प्रसाद 29, शेशाद्री रोड बंगलूर-9
(अन्तरिती)

3. प० गयोती हुमिद फरिशी कमास माशी।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 1051/76-77 तारीख 11-11-76)
इमारती और जमीन पूरास्वति नं० 68 एस० बी० ए०
कालोनी, ई ब्लाक बंगलूर—; जो द० वा० नं० 1051/76-77 में
दिखाया गया है, और जो रजिस्ट्रीकर्ता —बंगलूर उत्तर तालुक
के कार्यालय में रजिस्ट्री हो गया है।

जी० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, बंगलूर

तारीख: 15-7-77

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/8023/76-77 अर्जन (बी)---
यतः मुझे जै० एस० रावआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० टि० एस० नं० 194/1, और आर० एफ०
नं० 1205/1, है, तथा जो 9 वाँ, कसमा बाजार वितेज,
अनसारी रोड बंदर (मंगलूर) में स्थित है (और इससे उपादान
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बंगलूर/द० क० नं० 345/76-77 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-11-1976को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से बाम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
वा कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मृदिशा के लिए;ग्रस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-196 GI/77

1. श्रीमती सोगरा बाई (दि० अकबर खासी की पत्नी
मुल्ला इश्याहिम सेट गांधी नगर —मंगलूर सिटी।
(अन्तरक)2. श्री के० सी० हस्सेनर/अब्दुल्ला के पुत्र अनसारी रोड,
बंदर—मंगलूर।

(अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती आमिसम्मा।
- (2) श्री सुफ।
- (3) श्री अबु।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्दोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्राप्ति और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-ए में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 345/76-77 तारीख 25-11-76)
पूरा स्वतं जो दस्तावेज में दिखाया गया है। द० क० नं०
345/76-77/25-11-76 (रजिस्ट्री कर्ता बंगलूर के आफिस)
जो स्वतं 9 वाँ कसमा बाजार, अनसारी रोड बंदर—मंगलूर
में स्थित है।जै० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 12-7-77

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/7864/76-77/7464/
अर्जन(बी) —यतः मुझे जै० एस० गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 10-678 और 10-623 खेती बाग्याय
और इमाराती मिलाकर है, तथा जो अजिजुद्दीन रोड-10 बैंदर
वार्ड, कसबाबाजार मंगलूर स्टीटी में स्थित है (और इससे
उपांग अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर /० वा० न० 366/76-77
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
25-11-1986

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से भग्न के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 1.5 प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त असरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० गोविंदराजन, श्री जी० टी० मानिक नाथकर के
पुत्र न० 2, मानिक नाथगर स्ट्रीट पुल्सवल्लू, मद्रास-२
ए० बेदामलमू। श्री जी० टी० मानिक नाथगर के पुत्र
प्रोप्राइटर मार्डन स्ट्रीट ट्रूक वर्क्स। अजिजुद्दीन रोड, मंगलूर।
न० 2 अधिकृत प्रतिनिधि (न० 1 को)।

(अन्तरक)

2. श्री बी० केशव भंडारी दि० बी० दामोदर भंडारी
के पुत्र नेहरू अवेन्यू रोड, मंगलूर-३।

(अन्तरिति)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यशाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 366/76-77 ता० 25-11-76)

पूरा स्वत्ति, जो, रजिस्ट्रीकर्ता, मंगलूर के कार्यालय में
द० वा० न० 366/76-77 में विद्याया गया है। जो स्वत्ति
अजिजुद्दीन रोड, —बैंदर वार्ड, कसबा बाजार मंगलूर में स्थित
है।

जै० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीखः 12-7-77

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जुलाई 1977

निरेंश स० 62/8231/76-77/एसीक्यू/बी—यतः मुझे
जै० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
में अधिक है।

और जिसकी स० कार्पोरेशन दी नं० 41, 40 40 और 27
है, तथा जो बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन ता० 26-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) एंसे किसी भाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

1 श्रीमती पाश्वतम्म

(2) सिङ्गलम्म असीबेले, अनेकल तालूक बंगलूर डिस्ट्रीक्ट।
(अन्तरक)

2. श्री एस० शक्करप्पा न० 17, 'ए' स्ट्रीट इस्टलिंग रोड,
मल्लेश्वरम, बंगलूर-3।

(अन्तरिती)

3. श्री पी० आर० विश्वनाथ सेट्टी, चन्द्रीलाल, असूजी
पी० आर० सुबरामेय सेट्टी ए० एम० लक्ष्मन।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में हैं
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हातवाल
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-वा में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृश्वा

(दस्तावेज स० 1520/76-77 ता० 26-4-76)

बांध और मेशरमेंट

डा० स० 1520/76-77 ता० 26-4-76 सब रजिस्ट्रार्स,
गांधी नगर, बंगलूर।

जै० एस० राव
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 18-7-77

मोहर:

प्ररूप प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 18 जुलाई 1977

निर्देश सं० सीआर 62/8041/76-77/एसीक्यू/बी—

यतः मुझे, जौ० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 33 है, तथा जो 4th फ्रास, कलासी पालयम,
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वसवन
मुड़ी, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन ता० 29-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप में रखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में
सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष को
उपरांत (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री के० एल० प्रबाकर
 - (2) श्री के० एल० वेनुगोपाल,
 - (3) श्री के० एल० बारती
 - (4) श्री के० एल० उशाकांत
 - (5) श्री के० एल० शंकर
- नं० 16, शेशाद्रिपुरम, बैंगलूर-20।

(अन्तरिक)

2. श्री मोहमद सिद्दीक, नं० 10, रानोजी राव, लैन,
कलासी पालयम, बैंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्योगीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1301/76-77 ता० 29-11-76)
नं० 33, 4th फ्रास, कलासी पालयम, बैंगलूर, डा० न०
1301/76-77 ता० 29-11-1976)।

जौ० एस० राव्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 18-7-1977

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 18 जुलाई 1977

निवेश सं० मीआर 62/8230/76-77/एसीक्यू/बी—यसः
मुझे, जे० एस० राष्ट्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० है
तथा जो काटन पेट, अवेन्यू रोड, बैंगलूरु में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन ता०

26-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तारक के द्वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, घब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपषाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पारवतम्मा सिडेसम्मा अत्तीबेसे, आनेसक,
बैंगलूरु।

(अन्तरक)

2. श्री शिवन्ना सुपुत्र बी० मुश्शंकरप्पा नं० 743,
IIIrd ब्लाक राजगीनगर, बैंगलूर-10।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1519/76-77 ता० 26/11/76)
ठा० नं० 1519/76-77 ता० 26/11/76 गांधी नगर
सब री० आफिस, बैंगलूरु।

जे० एस० राष्ट्र
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरु

तारीख : 18-7-1977

मोहर :

प्र० प्र० श्रीमती पारबतम्मा सिंडेलम्मा अस्तीवेले, आनेकले
ताल्लूक, बैंगलूर (डी)।

(अन्तरक)

2. श्री एस० राजरोकरथ्या सुपुत्र बी० गुहशंकररप्पा अस्तीवेले
आनेकल ताल्लूक, बैंगलूर (डी)।

(अन्तरिती)

3. श्री एम० ओतमल, मैसर्स शांतिलाल

(2) श्री टी० संजीवप्प।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिष्ठोग में
संपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

इषट्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1518/76-77 तारीख 26-11-76)
322, 334, 345, (मंडल) 40, अविनयू रोड बैंगलूर,
डा० सं० 1518/76-77।

जे० एस० राव्
सकम प्राधिकारी

सहायक प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 18-7-1977

मोहर :

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्ननिखिल व्यक्तियों, प्रर्थातः—

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी० आर० 8261/76-77—यसः मुझे,
जे० एस० राख्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ह० से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 20, स्टेट हाउस क्रेसेट, है, तथा जो
बंगलौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजी नगर बंगलूर/द० वा० नं० 1619/76-77 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
3-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित तरीके से उक्त अन्तरण लिखित में
धारात्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यसः यह उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्दातः—

1. मि० अंथोनी, डकोस्टा और बालठर डकोस्टा ।
एकिसक्यूटर्स (और एस्टेट) मिसस लाने डि० सोजा । नं० 31/1,
ए० जी० रोड, बंगलूर-1।

(अन्तरक)

2. मिस्ट्रेस लिडिया एलवेरा जुआश्ल लोबो । नं० 20
रेस्ट हाउस क्रेसेट, बंगलूर-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1619/76-77 तारीख 3-12-76)

नं० 20-रेस्ट हाउस क्रेसेट के वक्षिण विमान। सीमा और
उत्तर विवरण :—जैसे दस्तावेज नं० 1619/76-77 में दिखाया
गया है। जो रजिस्ट्रीकर्ता शिवाजीनगर, बंगलूर के कार्यालय
में रजिस्ट्री हो गया है।

जे० एस० राख्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 18-7-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जुलाई 1977

निर्वेश सं० सी० आर० 62/7109/76-77—यतः
मुझे, जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 4/1, है, तथा जो लेवेल रोड, सिविल स्टेशन, बंगलौर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलौर, द० वा० नं० 1323/76-77 में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अपक्रियायों, अवतु :—

1. श्रीमती एस० एस० उमादेवी, मि० ए० एस० सदानंद पत्नी, नं० 4, वालटन् रोड, सिविल स्टेशन, बंगलौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एस० शंकरन्, दि०/ग० एस० समक्रिणा अव्यर के पुत्र।

(2) श्रीमती लक्ष्मीशंकरन्। एस० शंकरन् की पत्नी, नं० 2—अहाती रोड, बंगलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1323/76-77 तारीख 6-11-76)

जमीन और इमारती नं० 4/1, लेवेल रोड, सिविल स्टेशन, बंगलौर।

पूरा विवरण और सीमाएँ: व० वा० नं० 1323/76-77 जैसे दस्तावेज में दिखाया गया है। जो शिवाजीनगर रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री हो गया है।

जे० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 18-7-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जूलाई 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/7112/76-77—यतः मुझे प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मारा स्वत्ती और इमारत नं० फु नं० 3 है, तथा जो डेविल रोड, रिकार्ड्स टाउन, बंगलूर-5 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर/बंगलूर, द० वा० नं० 13865/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ना० 11-11-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अप्त, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

8—196G1/77

1. श्री ए० बलराम, दि० डा० आर० भूनियप्पा के पुत्र, नं० 2452, II-स्टेज, रोजाजीनगर बंगलोर-10।

(अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर मोहम्मद उममान माहिव के पुत्र, नं० 2 महम्मद गोम लैन, टम्कर टाउन बंगलोर।

(अन्तर्गती)

3. श्री एन० खेत मिद्याप्पा।

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1385/76-77 तारीख 11-11-76)

मारास्वत्ती जो दस्तावेज नं० 1385/76-77 में दिया गया है, और जो रजिस्ट्रीकर्ता शिवाजीनगर के कार्यालय में रजिस्ट्री हो गया है।

जे० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 19-7-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जुलाई 1977

निर्देश सं० मू० आर० 62/7246/76-77/अर्जन(बी०)—
यतः मुझे, जो० एम० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दूसरे इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मू० न० 3 के पश्चिमी विभाग है, तथा जो डेविल रोड, रिचार्ड्स टाउन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर द० वा० न० 1585/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-11-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा० पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या दूनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया, ग्रन्ति:—

1. श्री एम० बलराम दि०/डा० आर० मनियप्पा के पुत्र।
न० 2452-II स्टेज/शिवाजीनगर-बंगलूर-10।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इक्किशमिमा 22, वेंकटस्वामी नायडु रोड,
बंगलूर-1।

(अन्तरिती)

3. श्री मल० रेवनमिद्द्या।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वांधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि घाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वर्ण-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1585/76-77 तारीख 27-11-76)

मारा स्वतं जो रजिस्ट्रीकर्ता शिवाजीनगर के कार्यालय में द० वा० न० 1585/76-77 के जैसे रजिस्ट्री हो गया है। (जैसे दस्तावेज में दिखाया गया है)।

जो० एम० राव,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 19-7-1977

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी०आर 62/7241/76-77—यतः, मुझे, जो०
एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- मध्ये से अधिक है

और जिसकी सं० शोल्म नं० 36 (पुराना) नया नं० 10
पश्चिमी विभाग है, तथा जो डिकेनसन रोड, बैंगलोर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण मूल्य से अर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर में
वा० वा० नं० 1568/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 26-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दीपक कुमार सी० मास्टर भूपेश, डी० नं०-14/ए०
इष्टफेंट्री रोड—बैंगलूर-560001।

(अन्तरक)

2. मैसर्स दि० रामलू फर्निशिंग कं० नं०-36, डिकेनसन
रोड, बैंगलूर-42।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
करी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है,
वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क्षस्तावेज मं० 1568/76-77 ता० 26-11-76)
शोल्म पुराना कापौरेशन नं० 36, नया नं०-10-पश्चिमी
विभाग डिकेनसन रोड—बैंगलोर।

पूरा विवरण जसे रजिस्ट्रीपत्र में दिखाया गया है।

(द० वा० नं० 1568/76-77 तारीख 26-11-76
रजिस्ट्रीकर्ता - शिवाजीनगर-बैंगलूर।

ज० एस० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 18-7-77

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० ए० ए० ---

अधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/8219/76-77/अर्जन(बी)---
 यतः, मुझे, जे० ए० ए० राव,
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- ₹
 से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नं० 174, IX मुख्य रास्ता बैंगलूर
 है, तथा जो 2 क्रास, राजामहल विलासएमटेनेशन-बैंगलूर में स्थित
 है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बैंगलोर
 द० वा० नं० 1447/76-77 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 18-11-1976
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रोकम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
 इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है, अं० अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिकी
 (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
 प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज्य
 नार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा
 किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
 में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्ता:—

1. श्रीमती चिकक्षमा, श्री आलूर हनुमंतपा की पत्नी।
 नो० आलूर। नेलमंगला ताल्लुक। बैंगलोर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरक)

2. श्री वीरेंद्र पाटील। नं० 421, 12 मुख्य रास्ता,
 राजामहल विलास एक्सटेनेशन बैंगलोर-560006।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयीय शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
 तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुमूल्यी

[दस्तावेज सं० 1447/76-77 तारीख 18-11-76]

स्थिरस्वती-जमीन नं०-174, IX मुख्य रास्ता, दूसरा
 क्रास, राजामहल विलास एक्सटेनेशन-बैंगलोर में स्थित। विवर-॥
 और सीमाएँ: जैसे दस्तावेज में दिखाया गया है।

जे० ए० ए० राव,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 15-7-77

मोहर :

प्ररूप प्राइंटी० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कोर्पलिय, महायकर आयकर आदूबत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 18 जुलाई 1977

निर्देश मं० सी० अर० 62/7120/76-77—यतः मुझे, जे० एस राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० नं० 21/3 (खाली जमीन) के भाग हैं, तथा जो महात्मा गांधी रोड, बैंगलूर, में स्थित है (और हमसे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलोर/द० वा० नं० 1438/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वीज ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपभारा (1) के प्रबोध, निम्नलिखित अवित्यों, अवौतः—

1. श्रीमती नज़ीरा तरीन, केनडा। अपने प्रतिनिधि द्वारा प्रतिनिधित्व/प्रतिनिधि मि० ए० अर० खलील (जू) नं० 43, ईस्ट एंड रोड, बमवतगुडि, बैंगलूर। मि० फरक तरीन (श्रीटा०नो—केनडा के वासी) प्रतिनिधि ए० के० खलील नं० 45, ईस्ट एंड रोड, बमवतगुडि, बैंगलोर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शारदा ईश्वरन्। के० एस० ईश्वरन् की पत्नी। नं० 36, केस्ट रोड, हाम्ग्राउंड, बैंगलोर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1438/76-77 ता० 15-11-76
विवर और सीमाएँ : जैसे दस्तावेज में दिखाया गया है।
(खाली जमीन नं० 21/3, म० गा० रोड, बैंगलोर)
व० वा० नं० 1438/76-77-शिवाजीनगर—बैंगलोर।

जे० एस० राव
मक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 18-7-1977

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन०एस०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 20 जुलाई 1977

निर्देश सं० सीआर 62/7191/76-77/एसीक्यू/बी— यतः
मुझे, जे० एस० राव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० है,
तथा जो मूलूर और अहुर विलेख, मंगलूर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-11-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की भाषत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देमे के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपवारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुसुमा शिवदी पल्ली श्री के० सुदर शट्टी सुपुत्री
लक्ष्मी शट्टी) 'अंत्सूरगुत्त' अहुर विलेख, मंगलूर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती गिरिना हेगडती पल्ली श्री दमेल नागश सेट्टी
(सुपुत्री मीनाक्षी हेमडती) 'केडनजी पेरीरी' मलूर विलेख
मंगलूर ताल्लूक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 532/76-77 ता० 30-4-76)
सारा संपत्ति 15 एकड़ 12 सेंट्स, मूलूर और अहुर
विलेख, मंगलूर ताल्लूक।

जे० एस० राव

सकाम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-7-1977

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, बंगलोर

बंगलोर, दिनक 20 जुलाई 1977

निर्देश सं० सीआर 62/8165/76-77/एसीन्य०/बी—यतः
मुझे, जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है,
तथा जो कार्यालय, कुडियाल बैल विलेख, बजाय मंगलूर-3
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 18-4-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए उक्तिरित की गई है और
मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अस्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अस्तरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) देसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों, पर्यात् :—

1. श्री के० प्रारेन्स सीकुरा सुपुत्र फानसिस सीकुरा
कार्पोरेशन, बजाय मंगलूर-3।

(अन्तरक)

2. श्री के० परमनाथ नायक सुपुत्र श्री के० देवप्पा नायक
के मार्फत मिडिकेट बांक, हैंपनकट्टा, मंगलूर-1।

(अन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 26-क में व्यापारिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 411/76-77 तारीख 18-4-76)
सारा संपत्ति 234 सेट्स, कार्पोरेशन, कुडियाल बैल विलेख,
बजाय, मंगलूर-3।

जे० एस० राव
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रैज, बंगलोर

तारीख : 20-7-1977

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायासिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, बम्बई

बम्बई-400002, दिनांक 28 जुलाई 1977

निर्देश सं० श्र० ई०-१/१९२७-४/दिम०५७६—ग्रन्त: मुझे
ग्रन्ति ज० फनन्डीज,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संकेत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसको सं० न्य० सी० ई० नं० 4/733 का मालबार और
कंबलाहिल लिवीजन है तथा जो करमिकलरोड में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16-12-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्त उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमन्न महाराजकुमार खंडेराव, शिवाजीराव गायवाड़ ।
(अन्तरक)
2. श्री नित्यानन्द मंगेश वगळे और श्री तारुजेथमल ललवानी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कायावहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध विसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, इधोहस्ताकरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1390/75/बबई उपरजि-
स्टार अधिकारी द्वारा दिनांक 16-12-1976 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

ग्रन्ति ज० फनन्डीज
संस्थान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, बम्बई

तारीख: 28-7-1977
मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 20th July 1977

No. A.32014/1/77-Admn.III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 23rd May 1977, the President is pleased to appoint Shri R. L. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1st July 1977 to 30th August 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 29th June 1977 to 13th August 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 23rd May 1977, the President is pleased to appoint Shri P. S. Sabherwal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 46 days from 9th July 1977 to 23rd August 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(4).—In continuation of this office notification of even number dated 24th June 1977, the President is pleased to appoint Shri I. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 28th June 1977 to 11th August 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(5).—In continuation of this office notification of even number dated 24th June 1977, the President is pleased to appoint Shri G. Natarajan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period of 46 days from 23rd June 1977 to 7th August 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(6).—The President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 2nd July 1977 to 16th August 1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
(Incharge of Admn.)
Union Public Service Commission

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS**

New Delhi-1, the 22nd July 1977

F. No. A-19021/2/77-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri K. A. Jacob, an I.P.S. Officer from Bihar Cadre as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation (Special Police Establishment) with effect from the forenoon of 28th June 1977 on deputation basis until further orders.

The 26th July 1977

F. No. A-19036/7/76-Ad.V.—Shri R. K. Swami Naidu Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation/RCW/Madras Branch is relieved of his duties on the afternoon of 30th June 1977 on attaining the age of superannuation.

No. A-19036/577-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby promotes Shri R. K. Prasad, Inspector of Police, C.B.I. as officiating Deputy Superintendent of Police in the C.B.I. (SPE) with effect from the forenoon of 4th July 1977 until further orders.

P. S. NIGAM,
Administrative Officer (E)
C.B.I.

6-196GI/77

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 20th July 1977

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak, as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 8th July 1977 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 21st July 1977

No. O.II-1038/75-Estt(CRPF).—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain, as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on an *ad-hoc* basis w.e.f. 2nd July 1977 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 26th July 1977

No. O.II 16/74-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri B. Varma an IPS officer of U.P. Cadre, as IGP in the C.R.P. Force.

2. Shri Varma took over charge of the post of IGP Sector III CRPF, New Delhi on the forenoon of 12th July 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Asstt. Director (Adm.)

DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 22nd July 1977

No. A.21/23/75-Wireless.—Consequent on his reversion to Joint Cipher Bureau, Ministry of Defence, Shri Ajit Singh relinquished charge of his duties as Extra Assistant Director (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) on the afternoon of the 17th June 1977.

C. P. JOSHI,
Director
Police Telecommunications

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-24, the 20th July 1977

No. E.38013(2)/3/77-Pers.—On transfer from Hoshangabad Shri V. G. Thatte assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit S.P.M., Hoshangabad with effect from the forenoon of 7th July 1977.

No. E.38013(2)/3/77-Pers.—On transfer from Hoshangabad Shri V. V. Sardana relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit S.P.M., Hoshangabad with effect from the forenoon of 7th July 1977 and assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit Bombay Air Port with HQs. at New Delhi with effect from the forenoon of 16th July 1977.

L. S. BIST
Inspector General/CISF

**MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)**

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 20th July 1977

No. 676/A.—In continuation of Notification No. 1780/A, dated 7th March 1977, the *ad hoc* appointment of Shri D. P. Jambotkar as Purchase Officer is further extended upto 30th July 1977 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. 677/A.—In continuation of Notification No. 411/A, dated 4th June 1977, the appointment of Shri S. N. Kurdi as Deputy Control Officer, New Currency Note Press is further extended upto 25th October 1977 in the vacancy caused due to the promotion of Shri M. R. Kutty as Control Officer, N.C.N.P.

D. C. MUKHERJEA,
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas-455001, the 22nd July 1977

F. No. BNP/C/23/77.—Shri S. K. Mathur, a permanent Inspector Control is appointed to officiate as Deputy Control Officer on *ad-hoc* basis in the Bank Note Press, Dewas, for a period of 3 months with effect from the forenoon of 19th July 1977 or till a post is filled on regular basis whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM,
General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 16th July 1977

No. 7(36)3134.—Further to this office notification No. 7(36)3834, dated 24-6-1975, 7(36)10023, dated 23-12-1975, No. 7(36)13145, dated 26-3-1976, No. 7(36)6051, dated 14-9-1976 and No. 7(36)12896, dated 25-3-1977 Shri S. T. Shirsat is allowed to continue in the post of Fire Officer on an *ad hoc* basis for a further period upto 30-9-1977 or till the Union Public Service Commission's nominee, Joins the post whichever is earlier.

R. VISWANATHAN,
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,
MADHYA PRADESH

Gwalior-474002, the 18th July 1977

No. Admn.I/215.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to appoint the following officiating

permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from 21st June 1977 F.N.

S/Shri

- (1) R. N. Wanare 02/481 against the reserved vacancy of S.C.
- (2) D. K. Pal 02/207.
- (3) N. S. Kuppuswamy 02/295.

The 20th July 1977

No. Admn.I/216.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to accord proforma promotion to Shri A. N. Shankaran, a permanent Section Officer (02/264) as Accounts Officer, in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 21st June 1977 F.N. i.e. the date from which his next Junior Shri D. K. Pal, Section Officer, has been promoted as Accounts Officer.

M. M. NARSINGHANI,
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KERALA

Trivandrum, the 18th July 1977

No. Estt. A-II/9-86/Vol.II/78.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned officiating Accounts Officers of the office of the Accountant General, Kerala in a substantive capacity in the Accounts Officers grade of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each :—

1. Shri T. V. Krishnankutty 1-6-76.
2. Shri N. Kamalasan Nair 1-2-77.

S. JAYARAMAN
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
RAJASTHAN

Jaipur, the 21st July 1977

No. Admn.II/G-G-Notification/647.—Accountant General, Rajasthan, Jaipur is pleased to appoint Shri S. K. Gupta, Section Officer of this office as officiating Accounts Officer until further orders with effect from 11th July 1977 (F.N.).

ILLEGIBLE
Senior Deputy Accountant General/Admn.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 22nd July 1977

No. 40011(2)/77/AN-A.—(1) The undermentioned Accounts officers were/will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment.	Organisation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	Saryashri			
1.	V. S. Agarwal (P/86)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
2.	K.S. Rajagopalan (P/123)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
3.	A.M. Shankarvolu, (P/136)	Permanent Accounts Officer.	31-10-77	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
4.	D.D. Trchan (P/139)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts, Southern Command Poona.

1	2	3	4	5
	Sarvashri			
5.	V. Natarajan (P/149)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts (Others Ranks) South, Madras.
6.	T. Jayaraman (P/177)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
7.	R. Ramaswamy (P/258)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
8.	O.P. Kalia (P/281)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
9.	A. Rajagopalan (P/296)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts, Southern Command, POONA.
10.	Vishwa Mitra (P/342)	Permanent Accounts Officers.	30-11-77	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
11.	Harbhajan Singh (P/400)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.
12.	S. Rajamani (P/446)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
13.	K. J. Narasimha Rao (P/459)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
14.	D.S. Sudan (P/481)	Permanent Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
15.	V.D. Kulkarni (P/529)	Permanent Accounts Officer.	31-10-77	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
16.	P.L. Mukherjee (0/13)	Officiating Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts, Patna.
17.	S. A. Kulkarni (0/63)	Officiating Accounts Officer.	31-10-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
18.	G.C. Tandon (0/95)	Officiating Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
19.	R. N. Sharma (0/104)	Officiating Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence (Pensions) Accounts Allahabad.
20.	S. P. Handa (0/209)	Officiating Accounts Officer.	30-11-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
21.	D. C. Phadke (0/319)	Officiating Accounts Officer.	31-10-77	Controller of Defence Account, Southern Command, Poona.
22.	B.M. Mukherjee (0/341)	Officiating Accounts Officer.	31-1-77	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
23.	P. C. Purkait (0/335)	Officiating Accounts Officer.	31-1-77	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
24.	C. L. Saraf (0/344)	Officiating Accounts Officer.	28-2-77	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
25.	D. Samuel (0/NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-10-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
26.	T.S. Pathania (0/NYA)	Officiating Accounts Officer.	30-9-77	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
27.	H.P. Bhalla (0/NYA)	Officiating Accounts Officer.	30-11-76	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.

28.

The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officer.
 2. He has been struck off the strength of the department with effect from the date shown against his name.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date of Death	Struck off strength of the department.	Organisation
1	2	3	4	5	6
1.	Shri M. K. Sany Pt. AO (P/516)	Permanent Accounts Officer.	11-4-77	12-4-77	Controller of Defence Ac- counts (Factories) Calcutta.

3. The following three Accounts Officers have been granted leave pending retirement as shown below:—
- (i) Shri S. P. Handa,
AO (O/209)
180 days EL with effect from 4-6-1977 to 30-11-1977.
 - (ii) Shri O. P. Kalia
AO (P/281)
134 days EL with effect from 20-7-77 to 30-11-1977.
 - (iii) Shri S. A. Kulkarni
AO (O/63)
106 days EL with effect from 18-7-77 to 31-10-1977.
4. The following is added as Para 7(a) to this Departmental notification bearing No. 40011(2)/76/AN-A dated 16-2-1977.
- (i) Shri K. S. Raghavan, Permanent Accounts Officer (P/59) has been granted earned leave pending retirement for 60 days from 2-5-77 to 30-6-77.
 - (ii) Shri M. M. Manglik, Permanent Accounts Officer P/89 has been granted leave pending retirement for 59 days from 3-5-77 to 30-6-77.
5. The following is added as Para 5 to this departmental notification bearing No. 40011(2)/76/AN-A dated 16-2-1977.
 "Shri P. Rajkumar Menon, Permanent Accounts Officer (P/96) has been granted 67 days earned leave from 25-4-77 to 30-6-77 pending retirement from service with effect from 1-7-77 (FN)".
6. The following is added as Para 4 to this departmental notification bearing No. 40011(2)/77/AN-A dated 19-4-77
 "Shri K. Srinivasan, Pt. Accounts Officer (P/215) has been granted 114 days EL from 10-5-77 to 31-8-77, pending his retirement from service with effect from 1-9-1977 (FN)".

R. VENKATARATNAM
Dy. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
D.G.O.F. HQrs, CIVIL SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta-700069, the 12th July 1977

No. 30/77/G.—On attaining the age of superannuation, Shri Nalinimohan Chatterjee, Subst. & Permt. A.S.O. retired from service with effect from 30th June 1977 (A.N.).

I. B. GHOSH,
ADG/ADMIN.I
for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE, FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta, the 18th July 1977

No. 33/77/G.—Shri K. Ramanathan, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman), voluntarily retired from service with effect from 3rd May 1977 (A.N.).

The 20th July 1977

No. 34/77/G.—On expiry of Leave pending retirement Shri K. Viswanathan, Subst. & Permt. Manager retired from service with effect from 31st May 1977 (A.N.).

No. 35/77/G.—On expiry of Leave Pending Retirement during extension of service for one year Shri D. R. Khadke, Offg. Asst. Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st May 1977 (A.N.).

M. P. R. PILLAI,
Asstt. Director General,
Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU
Simla-171004, the August 1977

No. 23/3/77-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by two points to reach 320 (three hundred and twenty) during the month of June, 1977. Converted to base : 1949=100 the index for the month of June, 1977 works out to 389 (three hundred and eighty nine).

K. K. BHATIA
Joint Director

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS
New Delhi, the 25th July 1977
IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1217/77-Admn(G)/5326.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Sharma, I.A.S. to officiate as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from 30th June 1977 (A.N.), until further orders.

No. 6/1219/77-Admn(G)/5814.—The President is pleased to appoint Shri Prem Singh, an I.D.A.S. officer to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from 11th July 1977 (FN), until further orders.

The 27th July 1977

No. 6/611/60-Admn(G)/5387.—The President is pleased to appoint Shri T. J. Stephen, permanent in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade I of that service for the period from 4th May 1977 to 18th June 1977.

2. The President is also pleased to appoint Shri T. J. Stephen, as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

A. S. GILL,
Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES
New Delhi, the 16th April 1977

No. 12/752/72-Admn.(G).—On the recommendations of the U.P.S.C. the President is pleased to appoint Shri S. R. Singh, as Deputy Director (Chemicals) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 22nd March 1977 until further orders.

2. Consequent upon the appointment as Deputy Director (Chemical) Shri S. R. Singh relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) in the Small Industries Service Institute, New Delhi with effect from the afternoon of 21st March 1977 and assumed charge of the post of Deputy Director (Chemicals) in the same Institute with effect from the forenoon of 22nd March 1977.

V. VENKATRAYULU,
Dy. Director (Admn.)

(DEPARTMENT OF EXPLOSIVES)

Nagpur, the 25th July 1977

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E11(7), dated 11th July 1969, under Class 7, division 2 delete "star mark" before the entry "BON-BON or CHRISTMAS CRACKERS".

I. N. MURTY,
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 21st July 1977

No. A-1/1(221)/VII.—The President is pleased to appoint Shri M. A. B. Chugtai, Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service Group 'A') in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay to officiate on *ad-hoc* basis as Director of Supplies and Disposals, Bombay (Grade I of the Indian Supply Service Group A) with effect from the 1st July 1977 and until further orders.

Shri Chugtai relinquished charge of the post of Deputy Director of Supplies in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay in the afternoon of the 30th June 1977 and assumed charge of the post of Director of Supplies and Disposals, Bombay on the forenoon of the 1st July 1977.

No. A-1/1(1069).—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri S. Vellingiri as Assistant Director (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service Group 'A') on probation with effect from the forenoon of the 11th July 1977 and until further orders.

2. On appointment to Grade III of Indian Supply Service Shri Vellingiri assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on the forenoon of the 11th July 1977.

The 22nd July 1977

No. A-1/1(829).—The President is pleased to appoint Shri Pran Nath, Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Inspection, NI Circle, New Delhi to officiate as Assistant Director (Admn.) (Gr. I) in the office of the Director of Inspection, Calcutta, with effect from 17th June 1977 (F.N.) and until further orders.

2. Shri Pran Nath relinquished the charge of office of Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) in the office of DI, NI Circle, New Delhi on 13th June 1977, and assumed charge of the post of Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Inspection, Calcutta from the forenoon of the 17th June 1977.

KIRAT SINGH
Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 20th July 1977

No. 2181(1)VI/19B.—The following Senior Technical Assistant (Chem.) of Geological Survey of India have been appointed by the Director General, Geological Survey of India on *ad-hoc* basis as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the dates shown against each, until further orders :—

- Sl. No., Name and Date of appointment
1. Shri R. L. Iyer—23-5-1977 (FN).
2. Dr. A. K. Sanyal—2-6-1977 (FN).
3. Shri Sudhakar Mandal—16-5-1977 (AN).
4. Shri V. Venkatachalam—19-5-1977 (FN).

The 23rd July 1977

No. 3(5)/71(NCS)/19B.—Shri Narayan Chandra Sarkar, M.Sc. has been appointed as Assistant Geophysicist (Instrumentation) in the Geological Survey of India by the Director General, Geological Survey of India on pay minimum in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 2nd May 1977, until further orders.

S. V. P. IYENGAR,
Dy. Director General (Headquarters)
for Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 23rd July 1977

No. F.11-13/75-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C. the Director of Archives, Government of India hereby appoints Shri Amiya Prasad Mandal to the post of Microphotographist (Class II, Gazetted) in the National Archives of India, New Delhi on regular temporary basis w.e.f. 16th July 1977 (F.N.) until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 21st July 1977

CORRIGENDUM

No. 10/39/77-SIII.—The date appearing in this Directorate notification of even number dated 27/28 June 1977 may be read as 21-5-77 (A/N) instead of 21-5-1977 (F.N.).

No. 10/49/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. C. Talwar to officiate as Assistant Engineer at office of the Regional Engineer (North) All India Radio, New Delhi with effect from 28th May 1977 (F.N.).

The 25th July 1977

No. 10/75/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. K. Mahapatra to officiate as Assistant Engineer, at All India Radio, Calcutta with effect from 9th June 1977 (F.N.).

HARJIT SINGH,
Dy Director of Admn.
for Director General

New Delhi-1, the 22nd June 1977

No. A-20026/1/76 SV—The Director General, All India Radio, appoints Shri A. N. Mukherjee, a permanent Administrative Officer (Jr. Grade), All India Radio, Calcutta and officiating as Sr. Administrative Officer, All India Radio, Calcutta to officiate as Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio from 16th June 1977 (F.N.) until further orders.

S. V. SESHADRI,
Dy. Director of Admin
for Director General

New Delhi, the 23rd July 1977

No. 5(29)/60-SI.—Shri K. V. N. Sastry, Programme Executive, All India Radio, Hyderabad who has been granted earned leave for 96 days from 27th April 1977 to 31st July 1977 as leave preparatory to retirement will retire from service on the expiry of that leave on the afternoon of 31st July 1977.

N. K. BHARDWAJ,
Dy. Director of Admin
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
(FILMS DIVISION)**

Bombay-26, the 23rd July 1977

No. 6/8/55-Est.I.—Shri D. N. Pande, Permanent Accountant and Officiating Stores Officer in the Films Division, New Delhi, relinquished charge of his post in the Films Division in the afternoon of the 7th July 1977 and proceeded on deputation to the Armed Forces Film and Photo Division, Ministry of Defence, New Delhi.

2. Shri K. C. Bikhchandani, Permanent Technical Assistant, and Officiating Superintendent in the Films Division, New Delhi has been appointed as Stores Officer in the same office vice Shri Pande from the afternoon of the 7th July 1977.

M. K. JAIN,
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 21st July 1977

No. A.22012/59/76 CHS I.—Consequent on her transfer, Dr. (Smt) Ira Chakrabarty, an Officer of G.D.O. Grade II of the C.H.S. relinquished charge of the post of Junior Medical Officer in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi on the afternoon of the 30th March 1977 and assumed charge of the post of J.M.O. at C.G.H.S. R.K. Puram Maternity Hospital, New Delhi on the forenoon of the 31st March 1977.

No. A.12026/5/77-CHS I.—Consequent on his transfer, Dr. B. N. Banerjee, an officer of Specialist grade II of the C.H.S. relinquished charge of the post of Airport Health Officer in the Airport Health Organisation, Dum Dum, on the forenoon of the 24th May 1977, and assumed charge of the post of Port Health Officer in the Port Health Organisation, Calcutta, on the forenoon of the 25th May 1977.

K. VENUGOPAL,
Dy. Director Administration (CHS)

New Delhi, the 22nd July 1977

No. A.31015/1/77-DC—The Director General of Health Services is pleased to confirm Shri R. P. Chakravorty in the post of Associate Pharmaceutical Chemist in Central Drugs Laboratory, Calcutta, with effect from 2nd January 1976.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 23rd July 1977

No. 3-13(5)/75-AI—Shri T. J. Kamalanathan is hereby appointed substantively to the permanent post of Junior Scientific Officer in the Directorate of Marketing & Inspection w.e.f. 1st January 1967.

J. S. UPPAL,
Agricultural Marketing Adviser

Faridabad-121001, the 18th July 1977

No. F 4-6(118)/77-A III.—Shri N. G. Shukla, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Patna, with effect from 13th June 1977 (F.N.) on short term basis for a period of six months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA,
Director of Admin
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION)

Bombay 5, the 20th June 1977

No. PPED/3(282)/76-Adm 8600—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri V. K. S. Nan a permanent Upper Division Clerk and officiating Asstt Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity on an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from May 27, 1977 (F.N.) until further orders.

B. V. THATTE,
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 16th June 1977

Ref. DPS/A/11013/25/76/Est/11943 Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. Ramesh Chander, Storekeeper, Stores Unit (DPS), VEC, Calcutta to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from November 8, 1976 to December 31, 1976, vice Shri P. K. Radhakrishnan, Assistant Stores Officer, granted leave

B. G. KULKARNI,
Assistant Personnel Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti 323303, the 23rd July 1977

No. RAPP/04627/Admn/77/S/682—Consequent on their transfers to Narora Atomic Power Project, P.O. Narora, Distt. Bulandshahr (U.P.) the following Officers of this Project relinquished charge of their posts on the dates indicated as under:

S. No.	Name	Q.P. Post held	Officiating post	Date of relinquishment of charge of post.
1.	Shri B. S. Srivastava	Asstt. Foreman	Scientific Officer/Engineer Grade S.B.	30-6-77 (AN)
2.	Shri K. S. Ruhal	Foreman	Do	30-6-77 (AN)
3.	Shri M. D. Mathur	Foreman	Do	30-6-77 (AN)
4.	Shri K. Goswami	SA'B'	Do	8-7-77 (AN)
5.	Shri G. K. Sharma	Foreman	Do	8-7-77 (AN)

The 25th July 1977

No. RAPP/Rectt.7(2)/77/691.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri Govind Singh as officiating Assistant Accountant of Directorate of Purchase & Stores, Kota Regional Purchase of Stores Unit to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Project with effect from the forenoon of 3rd June 1977 until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401504, the 4th July 1977

No. TAPS/1/18(2)/77-R.—The Chief Superintendent Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri S. Thriambaknath, a temporary Assistant Personnel Officer in the Tarapur Atomic Power Station as Junior Administrative Officer in the same Power Station on a purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of May 23, 1977 and upto the forenoon of July 4, 1977.

Shri Thriambaknath relinquished charge of his post of Junior Administrative Officer and assumed charge of his post of Assistant Personnel Officer in the Tarapur Atomic Power Station on the forenoon of July 4, 1977.

The 11th July 1977

No. TAPS/2/1262/76.—Shri M. R. Dixit, a permanent Confidential Assistant in the Central Railway Bombay and on deputation to Tarapur Atomic Power Station as Assistant Accounts Officer has relinquished the charge of his post in this Power Station with effect from afternoon of 21st May 1977, consequent on his repatriation to his parent department.

D. V. MARKALE
Chief Administrative Officer

Thana-401504, the 5th July 1977

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—On his posting by the Cadre Authority, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri J. P. Khandelwal, a permanent Upper Division Clerk of Power Projects Engineering Division Pool and officiating Assistant Accountant in Rajasthan Atomic Power Project as Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 30, 1977 and until further orders.

D. V. MARKALE
for Chief Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 22nd July 1977

No. E(I)05133.—On attaining the age of superannuation, Shri A. N. Bose, Officiating Assistant Meteorologist, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, India Meteorological Department, retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June 1977.

The 27th July 1977

No. E(I)00912.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. R. Hatwar as Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in temporary capacity with effect from the forenoon of 24th June 1977 and until further orders.

Shri Hatwar has been posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.

No. E(I)00928.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri J. V. M. Naidu as Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in temporary capacity with effect from the forenoon of 27th June 1977 and until further orders.

Shri Naidu has been posted at the Meteorological office Visakhapatnam under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(I)08010.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Thakur Prasad, Professional Assistant, Meteorological office, Babatpur under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th June 1977 and until further orders.

Shri Thakur Prasad has been posted at Meteorological Centre, Ahmedabad under the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(I)08067.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. Pandharinath, Professional Assistant, Meteorological Centre, Bhopal, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur, as Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th May 1977 and until further orders.

Shri Pandharinath remains posted to Meteorological Centre, Bhopal.

No. E(I)08095.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. D. Vashistha, Professional Assistant office of the Director (Instruments), Pune, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 28th May 1977 and until further orders.

Shri Vashistha remains posted to the office of the Director (Instruments), Pune.

M. R. N. MAJAN,
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd July 1977

No. A.32013/7/77-E.I.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Kapoor, Deputy Director (Tariff Examination) as Director of Air Routes and Aerodromes (Planning), Civil Aviation Department on purely *ad hoc* basis for a period of 46 days with effect from 20th May 1977 to 4th July 1977.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 16th July 1977

No. A.32013/1/77ES.—The President is pleased to appoint the following Senior Aircraft Inspectors to the Grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection on an *ad-hoc* basis with effect from the date noted against each and upto 1-5-1977 and to post them at the stations indicated against each:

S.I. No.	Name	Station of posting.	Date of assump- tion of charge
1.	Shri S. Ranjan.	Inspection Office, Bangalore.	9-3-1977
2.	Shri Chaman Lal.	D.G.C.A. (HQ).	1-3-1977

No. A32013/1/77-ES.—The President is pleased to appoint the following Senior Aircraft Inspectors to the grade of Regional Controller of Air Safety on an ad-hoc basis w.e.f. the date noted against each and upto 1-5-1977 and to post them at the station indicated against each:—

S. No.	Name	Station of posting.	Date of assump- tion of charge.
1.	Shri T.K.K. Nair.	Regional, Director, Office, Calcutta.	1-3-1977
2.	Shri M.M. Chawla.	Regional Director Office, Bombay.	1-3-1977

V. V. JOHRI
Assistant Director (Administration)

New Delhi, the 18th July 1977

No. A.32013/4/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri J. H. Lance, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Varanasi to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis with effect from the 28th June 1977 (FN) for a period of three months and to post him in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi.

No. A.32014/1/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri N. S. Sapre, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the 16th June 1977 (FN) and to post him at the same station vice Shri G. B. Damle, Assistant Technical Officer granted earned leave for 75 days.

No. A.32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. R. Patel, Technical

Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the 23rd June 77 and until further orders and to post him at the same station.

P. C. JAIN
Asstt. Director (Admn.)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 14th July 1977

No. 1/85/77-Est.—Shri P. Seravanam, permanent Deputy Traffic Manager, Madras Branch, has retired from service, with effect from the afternoon of 31st May 1977, on attaining the age of superannuation.

The 16th July 1977

No. 1/370/77-EST.—Shri B. K. Suri, Supervisor, New Delhi Branch, has been appointed as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity at Madras Branch with effect from forenoon of the 23rd May 1977, and until further orders.

The 21st July 1977

No. 1/82/77-EST.—Shri C. N. N. Nair, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on ad hoc basis, in the same office, with effect from the forenoon of 2nd July 1977, and until further orders.

No. 1/297/77-Est.—Shri M. Prasad Rao, Technical Assistant, Arvi Branch (who was appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity with effect from 4th May 1977 (FN) against leave vacancy), has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on ad hoc basis in the same Branch, with effect from the forenoon of 2nd July 1977 and until further orders.

P. G. DAMLE
Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay-400 020 the July, 1977

Stt. 1/1977-78.—In exercise of the Powers conferred on me by Sub Rule (I) of Rule 232-A of the Central Excise (Seventh Amendment) Rules 1976 which came into Force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified in Sub-Rule (2) of the persons who have been convicted by a Court under Section 9 of the C. Ex. and Salt Act 1944 and person on whom Penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act, are as follows.

Quarter Ending June 1977

Sl. No.	Name of the person	Address	The provisions of the Act contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
1.	M/s. Alox Chemicals Pvt. Ltd. Prabhat Nagar, Jogeshwari (West) Bombay-60.	Prabhat Nagar, Jogeshwari (West) Bombay-60.	Section 9 1(b), 9 1(bb), 9 1(bbb) of C. Ex. & Salt Act 1944.	Fine Rs. 3750/- imposed by the Court.
2.	Shri Nanoo Gokal Jivan Gokal Director of M/s. Alox Chemical Pvt. Ltd., Prabhat Nagar, Jogeshwari(W) Bombay-60.	5. Pustikar Co-Op' Housing Society Ltd. Jogeshwari, Bombay-60.	Section 9 1(b), 9 1(bb), 9 1(bbb) of C. Ex. & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 3750/- imposed by the Court or in default R. I. for one month on each count.
3.	Shri Chhitubhai Nathubhai Patel Director of M/s. Alox Chemical Pvt. Ltd. Prabhat Nagar, Jogeshwari, (W) Bombay-60.	Sagar Kunj Flat No. 3, 78 Nepean Sea Road, Bombay-60	Section 9 1(b), 9 1(bb), 9 1(bbb) of C. Ex. & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 3750/- imposed by the Court or in default R. I. for one month on each count.
4.	Shri Somabhai Premabhai Patel, Director of M/s. Alox Chemicals Pvt. Ltd., Prabhat Nagar, Jogeshwari (W) Bombay-60.	Hatkesh Society, Gunvant Villa, Juhu Parle Scheme, Vile-Parle, (W) Bombay-57	Section 9 1(b), 9 (bb), 9 1(bbb) of C. Ex. and Salt Act, 1944.	Fine Rs. 3750/- imposed by the Court on in default R. I. for one month on each count.
5.	Shri Kantilal R. Patel, Director of M/s. Alox Chemicals Pvt. Ltd. Prabhat Nagar Jogeshwari(W) Bombay-60.	31-Hatkesh Society, Gunvant Villa, Juhu-Parle Shceme, Vile-Parle, Bombay-57.	Section 9 1(b), 9 1(bb), 9 1 (bbb) of C. Ex. & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 3750/- imposed by the Court or in default R.I. for one month on each count.
6.	Madhukant Bachubhai Dhankee Supervisor of M/s. Alox Chemicals Pvt. Ltd. Prabhat Nagar Jogeshwari (W) Bombay-60.	Room No. 201, 2nd floor, Minish Kujk Ramchandra Lane, Malad (West), Bombay-64.	Section 9 1 (b), 9 1(bb), 9 1 (bbb) of C. Ex. & Salt Act 1944.	Fine Rs. 3750/- imposed by the Court or in default R. I. for one month on each count .

1	2	3	4	5
7.	Surender Kumar Jain Proprietor of M/s. Vijay Metal Industries, Dahisar, Dist ; Thana.	Hakoba Bldg., Odhav Nagar, Borivali(East) Bombay-66.	Sec. 9 1(b), 9 1(bb), 9 1(bbb), of C. Ex & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 15,000/- imposed by the Court or in default R. I. for 3(three) months on each count.
8.	Shri Zuhir Abbasbhai Godhrawala, Partner of M/s. Sahara Paints Inds. Thakore Estate, Kirol, Vidya Vihar Stn. Road, Bombay-86.	Kagalwala Bldg., 2nd Peerkhan St. New Nagpada, Bombay-8.	Section 9 1(b), 9 1(bb), 9 1(bbb), of C. Ex. & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 1200/- imposed by the Court or In default R. I. for one month on each count.
9.	Abbasbhai Kurban Hussein Godhrawala, Partner of M/s. Sahara Paints Inds. Thakore Estate, Kirol Vidya Vihar Stn. Road, Bombay-86.	Kagalwala Bldg., 2nd Peerkhan St. New Nagpada, Bombay-8.	Sec. 9 1(b), 9 1(bb), 9 1(bbb), of C. Ex. & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 1200/- imposed by the Court or in default R.I. for one month on each count.
10.	Shri Sijjad Hussain Kurban Hussein Godhrawala Partner of M/s. Sahara Paints Inds., Thakore Estate, Kirol Vidya Vihar Stn. Road, Bombay-86.	125-Dhaboo Street, Bombay-3	Section 9 1(b), 9 1(bb), 9 1(bbb), of Central Excise & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 1200/-imposed by the Court or in default R. I. for one month on each court.
11.	Shri Mazhar Hussein Sajjadhussein Godhrawala Partner of M/s. Sahara Paints Inds. Thakore Estate, Kirol, Vidya Vihar Stn. Road, Bombay-86.	Do.	Section 9 1(b), 9 1(bb), 9 1(bbb) of C. Ex. & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 1200/- imposed by the Court or in default R. I. for one month on each count
12.	Shri Dwaoodbhaji Kamruddin Shikari, Employee of M/s. Sahara Paints Inds. Thakore Estate, Kirol, Vidya Vihar Stn. Road, Bombay-86.	R. S. Patel Chawl, Old Panvel Road Mumra, Dist: Thana.	Section 9 1(b) r/w Section 9 1(d) 91(bb), 91(bbb) of C.Ex. & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 1200/- imposed by the Court or in default R. I. for one month on each count.
13.	Shri Nuhmil Mihavirilal Kedia, Partner of M/s. Madhukar Prints Kurla Andheri Road, Kurla, Bombay-70.	Alka' Plot No. 7, Dadabhoy Road, Vileparle (West) Bombay-56.	Sec. 9 1(b), 91(bb), 9 1(bbb) of C.Ex. & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 1200/- imposed by the Court or in default R. I. for one month on each count.
14.	Shri Midinal R. Kedla, Partner of M/s. Prints, Kurla Andheri Road, Kurla, Bombay-70.	93, Mount Unique, Peddar Road, Bombay-26.	Sec. 9 1(b), 9 1(bb), 91 (bbb) of C. Ex. & Salt Act.	Fine Rs. 1200/- imposed by the Court or in default R. I. for one month on each count.
15.	Smt. Shakuntaladevi V. Kedia, Partner of M/s. Madhukar Prints, Kurla Andheri Road, Kurla, Bombay-70.	Do.	Sec. 9 1(b), 91(bb), 9 1 (bbb) of C.Ex. & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 1200/- imposed by the Court or in default R. I. for one month on each count.
16.	Shri Kusumlata P. Kedia, Partner of M/s. Madhukar Prints, Kurla, Andheri Road, Kurla, Bombay-70.	Do.	Sec. 9 1(b), 9 1(bb), 9 1 (bbb) of C. Ex. & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 1200/- imposed by the Court or in default R. I. for one month on each count.
17.	Shri Santoshkumar Chandiprasad, Employee of M/s. Madhukar Prints, Kurla Andheri Road, Kurla Bom- bay-70.	14/475 Tilak Nagar Chembur, Bombay-89.	Sec. 9 1(b) r/w Sec. 9 1(d), 9 1(bb), 9 1(bbb) of C. Ex. & Salt Act, 1944.	Fine Rs. 1200/- imposed by the Court or in default R. I. for one month on each count.

II DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS.

NIL

[E. R. SRIKANTIA.
Collector of Central Excise
Bombay]

Nagpur, the 25th July 1977

No. 16—Shri M. V. Raste, Superintendent, Central Excise, Group 'B' lately posted as Superintendent, Central Excise. M.O.R.I. Jabalpur has been retired from service under clause (j) (i) of Rule 56 of the Fundamental Rules on 27-4-1977 (A.N.).

No. 17—Shri L. N. Bapat lately posted as Superintendent, Central Excise, Group 'B' M.O.R. Akola proceeded on Leave Preparatory to retirement for 82 days w.e.f. 11-5-77 to 31-7-77 on expiry of which he will retire from Government service.

No. 18—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise Group 'B', Shri M. L. Katiyal, lately posted as Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed the charge of Superintendent, Central Excise, Hqrs. Office Nagpur in the afternoon of 30th May, 1977.

No. 19—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise Group 'B', Shri W. M. Deshpande, lately posted as Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed the charge of Superintendent, Central Excise Hqrs. Office Nagpur in the afternoon of 30th May, 1977.

No. 20—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri T. K. Sadhwani, lately posted as Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed the charge of Superintendent, Central Excise, Itarsi in the forenoon of 31st May, 1977.

No. 21—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri S. S. Joshi, lately posted as Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed the charge of Superintendent, (Valuation), Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur in forenoon of 23rd May 1977.

No. 22—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri M.A.H. Khan, lately

posted as Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed the charge of Superintendent (Prev.). Central Excise Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of 23rd May, 1977.

No. 23.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri M. B. Laturkar, lately posted as Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed the charge of Superintendent of Central Excise in Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of 6th June, 1977.

No. 24 :—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri V. M. Palsole, lately posted as Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed the charge of Superintendent, Central Excise in the Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of 9th June 1977.

No. 25.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri S. A. Bamra, lately posted as Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed the charge of Superintendent, Central Excise, M.O.R. Dewas in the forenoon of 9th June, 1977.

No. 26.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri S. N. Khare, lately posted as Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate, has assumed the charge of Superintendent, Central Excise, M.O.R.II, Ratlam in the forenoon of 9th June, 1977.

M. S. BINDRA,
Collector

Office of the Engineer In. Chief
Central Public Works Department
New Delhi, the 7th July 1977

No. 33/7/76-EC. IX.—The President is pleased to appoint the following candidates nominated by the U.P.S.C. against the Temporary posts of Deputy Architect (GCS Group 'A' Gazetted) in the C.P.W.D. on the pay as noted against each in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 7-7-77 FN on the usual terms and conditions.

Those Officers are placed on probation for a period of 2 years with effect from 7-7-77.

S. No.	Name	Pay	Remarks
1	2	3	4
1.	Shri Mohan Singh	Pay to be fixed according to rules after satisfactory completion of probation of 2 years. For the present he will draw Rs. 700/- p.m.	He will continue to work in SA (NDZ) V Unit, until further order.
2.	Mrs. Tripta Khurana	Do.	She will continue to work in C.As' unit until further orders.
3.	Shri Vijay Ranjan Ambatkar	Do.	He will continue in SA (NDZ) IV until further order.
4.	Shri Manohar Vithal Korgaonkar	Do.	He will continue in SA (H & TP) I unit until further orders.

The 20th July 1977

No. 1/429/69-EC.IX/Admn.IV.—Shri P. K. Verma, officiating Architect of this Department will retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31-7-77 (A.N.).

D. P. OHRI,
Dy. Director of Administration

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-38, the 31st July 1977

No. PB/GG/9/Misc.II.—Sri P. MATILAL, Officiating Senior Accounts Officer/Finance (SS) of this Administration has been relieved to carry out his transfer on promotion to J. A. Grade to Northern Railway on the afternoon of 27-6-1977.

Sri M. N. KRISHNAMURTHY, Officiating Assistant Accounts Officer/C.A.S. (Class II) has been promoted to officiate in Senior Scale as Senior Accounts Officer/Finance from 28-6-1977.

Sri T. M. NARASIMHAN, Officiating Senior Accounts Officer on transfer from Southern Railway reported for duty and posted as Officiating Senior Accounts Officer/Fur. (S.S.) from 8-7-1977.

S. VENKATARAMAN,
Deputy Chief Personnel Officer
for General Manager.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of*

*Coromandal Coastal Mining Company Private Limited
Hyderabad-500001, the 21st July 1977*

No. 519(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the COROMANDAL COASTAL MINING COMPANY PRIVATE LIMITED unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies
Hyderabad.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of*

Kotkapura Chamber of Commerce Private Limited

Chandigarh, the 16th July 1977

No. G/Stat/560/2119/4333.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Kotkapura Chamber of Commerce Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies,
Punjab, H. P. & Chandigarh.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of*

Cardamom Planters Union High School Committee

Madras-6, the 19th July 1977

No. DN/446/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec.(3) of sec. 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Cardamom Planters Union High School Committee unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN,
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

Madras, the 15th July 1977

No. 5295/CLA/Lign./S. 560/TA/77.—Whereas Mars Coffee Company Private Limited, (In Liquidation) having its registered office at 403, Great Cotton Road, Tuticorin, Tirunelveli District is being wound up;

AND WHEREAS the undersigned has reasonable cause to believe that no Liquidator is acting/the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of accounts required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

NOW THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 560 of *The Companies Act, 1956* notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Mars Coffee Company Private Limited, (In Lign.) will unless cause is shown to the contrary be struck off the register and the company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of*

South Indian Pharmaceuticals Private Limited

Madras-6, the 20th July 1977

No. 2726/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. 3 of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of South Indian Pharmaceuticals Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of*

Sri Selva Vinayagar Murugan Textiles Private Limited

No. 3443/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. 3 of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Selva Vinayagar Murugan Textiles Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of*

Rathna Chit Fund Company Private Limited

Madras, the 22nd July 1977

No. DN/2287/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Rathna Chit Fund Company Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

C. ACHUTHAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of*

Sri Venkateswara Automobiles Private Limited

Madras, the 22nd July 1977

No. DN/4846/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Venkateswara Automobiles Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

P. BHASKAR RAO
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of*

Rusk Trading & Finance Private Limited

Kanpur, the 21st July 1977

No. 6520/3090-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rusk Trading & Finance Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies
U.P., Kanpur

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of
Shree Ambica Ceramics Private Limited*

Delhi, the 23rd July 1977

No. H-7261/5/13212.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Shree Ambica Ceramics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

H. S. BHATIA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 15th July 1977

(INCOME-TAX)

No. JUR-DLI/CIT-III/77-78/5693—In supersession of all previous orders u/s 124 of I.T. Act, 1961 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in Col. 3 of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of all persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases except of the cases of companies, their directors, charitable trusts, professionals e.g., Medical Practitioners, Lawyers, Chartered Accountants, Contractors, Architects which have been assigned to or are otherwise assessable in any other Commissioner's Charge falling within the areas indicated in Col. 4 of the said schedule or which have been assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer:—

SCHEDULE

S. No.	Area	Designation of the ITO	Jurisdiction
1	2	3	4
1.	Sunder Nagar, Nizamuddin East, Maharanji Bagh, Kalinidi Colony, Left-side of Friends Colony, Jamia Nagar, Okhla, Super Bazar, Bengali Market, Municipal Market, Shanker Mkt. & Blocks L, M, D & E of Connaught Circus/Placo.	Income-tax Officer, Survey Circle-IV, New Delhi.	(a) All persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases which are already or shall be assigned to him u/s 127. (b) All persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases falling within the following areas : The areas bounded by :— (i) On the left-hand side of Power House Road beginning from the Jamuna River bank joining with Jawaharlal Nehru Marg upto its intersection with Vivekanand Marg.

1	2	3	4	1	2	3	4
				(ii) On the left-hand side of Vivekanand Marg from its intersection with Jawaharlal Marg upto the Centre of Nehru Park along Radial Road No. 5.			(ii) On the right-hand side of Bhagwandas Road starting from Mandi House upto its junction with Mathura Road.
				(iii) From Centre of Nehru Park joining with Radial Marg No. 7 and then left side of Barakhamba Road upto the round-about of Mandi House.			(iv) On the right hand side of Mathura Road upto its junction with Dr. Zakir Hussan Marg
				(iv) On the left hand side of Bhagwan Das Road starting from round-about of Mandi House upto its junction with Mathura Road.			(v) On the right hand side of Dr. Zakir Hussan Marg from its junction with Mathura Road upto the round-about of India Gate.
				(v) On the left hand side of Mathura Road from its junction with Bhagwan Dass Road upto its intersection with the Haryana Border.			(vi) On the right hand side of Shahjahan Rd. starting from India Gate upto its intersection with South End Road.
				(c) All persons being partners of firms falling in item (b) above.			(vii) On the right-side of South end Road from its intersection with Shahjahan Rd. and Prithviraj Road.
				(d) All new assessee of the area mentioned in item (b) above.			(viii) On the right hand side of Janpath starting from its junction with South-end Rd. upto the Centre of Nehru Park along with Radial Road No. 8.
2. Blocks F & N of Income-tax Connaught Circus/ Officer, Place, Scindia House Distt-X(4). New Delhi.				(a) All persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases which are already or shall be assigned to him u/s 127.			(c) All persons being partners of firms falling in item (b) above.
				(b) All persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases hitherto assessed/assessable by Income-tax Officer, Survey Circle-IV, New Delhi as on 24th July, 1977 and which fall within the following areas:— The area bounded by:—			(d) All new assessee of the area mentioned in item (b) above.
				(i) From the Centre of Nehru Park, Connaught Circus upto its junction with Barakhamba Road along Radial Road No. 7.			(a) All persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases which are already or shall be assigned to him u/s 127.
				(ii) On the right-side of Barakhamba Road upto its junction with round about of Mandi House.			(b) All persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases hitherto assessed/assessable by Income-tax Officer, Survey Circle-IV, New Delhi as on 24th July, 1977 and which fall within the following areas:— The area bounded by:—
							(i) On the right-side of Teenmurti Marg starting from Willington Crescent upto its junction with I. Safderjung Marg.

1	2	3	4	1	2	3	4
				(ii) On the right-hand side of Safderjung Marg from its junction with Akbar Marg and Teen Murti up to its junction with Prithviraj Road and Safderjung Road.			
				(iii) On the right-hand side of Aurobindo Marg starting from Safderjung, Tomb upto its junction with Ring Road.			
				(iv) On the right-hand side of Sardar Patel Marg starting from the round-about of Daula Kuan upto its junction with Willington Crescent.			
				(c) All persons being partners of firms falling in item (b) above.			
				(d) All new assessees of the area mentioned in item (b) above.			
4. Bhagat Singh Mkt., Income-tax Officer, Municipal Market at Janpath, Mehan Singh Market, Regal Cinema side, M.M. Puncakuan Rd., Blocks A, B,C, G,H, K of Connaught Circus/Place.	Gole Market, Distt-X(8), New Delhi.			(a) All persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases which are already or shall be assigned to him u/s 127.			
				(b) All persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases hitherto assessed assessable by Income-tax Officer, Survey Circle-IV, New Delhi as on 24th July, 1977 and which fall within the following areas:— The area bounded by—			
				(i) On the Radial Road No. 5 starting from the Centre of Nehru Park upto its intersection with Vivekanand Marg and the outer circle of Connaught Place and then round about of Connaught Circus upto its junction with Radial Marg No. 3.			
				(ii) On the left-hand side of Panchkuin Marg starting from its intersection with Radial Rd. 3 and outer circle of Con. Circus upto its upper ridge Marg along with Dr. Ambedkar Marg.			
				(iii) On the left-side of Upper Ridge Road starting from its intersection with Dr. Ambedkar Marg till its junction with round about of Daula Kuan.			
				(iv) On the left hand side of Sardar Patel Marg starting from round-about of Daula Kuan upto Willington Crescent.			
				(v) On the left-hand side of Teen Murti Marg from its intersection with Willington Crescent upto its junction with Akbar Marg & Safderjung Marg.			
				(vi) Safderjung Marg starting from its junction with Akbar Marg to its junction with Prithviraj Road & Safderjung Tomb.			
				(vii) Prithviraj Road starting from its junction with Safderjung Marg and Tuglak Marg upto its junction with Southen Road.			
				(viii) Left hand side of Southend Road upto its junction with Janpath.			
				(ix) Left hand side of Janpath upto the centre of Nehru Park alongwith Radial Marg No. 8.			
				(c) All persons being partners of firms falling in item (b) above.			
				(d) All new assessees of the area mentioned in item (b) above.			

This notification shall take effect from 25th July, 1977.

A. C. JAIN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-III, New Delhi

New Delhi, the 20th July 1977

INCOME TAX

No. JUR-DLI/77-78/19566—In supersession of all previous orders on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling him in this behalf the commissioner of Income-tax Delhi II, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in Column 2 of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of the persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons incomes or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned under section 127 of the said Act by the Board to any other Income-tax officer or which may hereafter be assigned u/s 127 to any other Income-tax officer.

SCHEDULE

S. No.	Designation of the ITO	Jurisdiction
1	2	3
1.	Income-tax officer, Company Cir. I New Delhi.	(a) As per schedule I of Notification No. Est. 1/JUR-DLI/66-67/103 dated 6-7-1966. (b) All cases of companies with their place or

principal place of business or profession in the union territory of Delhi where returns of income has been filed upto 31-3-77.

(c) All persons or classes of persons whose cases are assigned hereafter under section 127(1) of the I.T. Act

2. Income-tax officer,
Company Circle—XXI,
New Delhi.

(a) All cases of company with their place or principal place of business or profession in the union territory of Delhi where returns of income have been filed on or after 1-4-1977.

(b) All persons or classes of persons whose cases are assigned under section 127(1) of the act.

This notification shall take effect from 20-7-1977.

JAGDISH CHAND
Commissioner of Income-tax,
Delhi-II, New Delhi.

FORM ITNS

(1) Shri Shrimant Maharajkumar Khanderao
Shivajirao Gaekwar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nityanand Mangesh Wagle and
Shri Taru Jethmal Lalvani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
SMT. KGMP. AYURVEDICK. HOSPITAL BLDG.,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY

Bombay-400 002, the 28th July 1977

No. AR-I/1927-4/Dec.76.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing New C.S. No. 4/733 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Carmichael Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 16-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCHEDULE as mentioned in Registered Deed No. 1390/75/Bom. and registered on 16-12-1976, with the Sub-Registrar, Bombay.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th July 1977

Ref. No. Acq.23-I-1230(585)/10-1/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 211-225 Paiki No. A-22; situated at M. P. Shah Udyognagar, Saru-Section, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 6-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
Seal :

- (1) Shri Pearl Plastic Manufacturing Co., A/22, M.P. Shah Municipality Industrial Estate, Saru Section, Jamnagar through partners :—
 - (1) Shri Nareshkumar Somchand,
 - (2) Raliyatben Somchand,
 - (3) Mahesh Somchand,
 - (4) Jayendrakumar Chandulal,
 - (5) Prasulakumar Fulchand—by his power of attorney holder—Nareshkumar Somchand,
 - (6) Ranbabhen Keshaylal,
 - (7) Vijayaben Chhaganlal,
 - (8) Chetankumar Mulchand Shah (Minor)—by his guardian Mulchand Vrajlal Shah,
 - (9) Dilipkumar Somchand—by his guardian Somchand Pettiraj,
 - (10) Atul Kishanchand—by his guardian Kishanchand Hirji—Power of Attorney Holder—Shri Nareshkumar Somchand Shah—

(Transferor)

- (2) Shri Pearl Plastic Co., A/22, M. P. Shah Municipality Udyognagar, Saru Section, Jamnagar through partners :—
 - (1) Somchand Virpal as Karta of his HUF
 - (2) Shri Premchand Virpal as karta of his HUF
 - (3) Muktaben Premchand,
 - (4) Kantilal Lakhamsi,
 - (5) Dilipkumar Punamchand, A/22, M.P. Shah Municipality Industrial Estate, Saru Section, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 14514 sq. ft. (1310.20 sq. m.) bearing S. No. 211-225 Paiki, Plot No. 22-A, situated at M. P. Shah Municipality Industrial Estate, Saru Section Road, Jamnagar.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 28-7-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) (i) Shri Ramprasad Chimandal Dalal; and
(ii) Shri Bansidhar Chimandal Dalal,
Opp. : Law Garden,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Gujarat Spinning Mills,
partners :—
Shri Narendrabhai Maganlal Patel, and
Shri Parmanand Maganlal Patel,
Rakhial Road, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th July 1977

(3) The Ahmedabad People's Co-op. Bank Ltd.,
Ahmedabad.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable properties with constructions (Buildings and
machineries installed therein) bearing Survey No. 404, Final
Plot No. 31 of TPS No. 11, situated at Gujarat Spinning
Mills, Rakhial Road, Ahmedabad with total land area 25928
sq. mtrs. out of which constructed area admeasuring 10,779.54
sq. metres (non-residential buildings) and 1296.99 sq. metres
(residential buildings) as fully described in the sale-deed
registered under registration No. 10704/76 in the month of
December, 1976 by Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following per-
sons, namely :—
11—196GJ/77

Date : 28-7-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Shambhu Dayal & Kishan Chand
S/o Sh. Siti Ram Aggarwal
R/o Palwal, Distt. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 27th July 1977

(2) 1. Sh. Shankar Lal S/o Sh. Ghazi Ram
2. Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Shankar Lal
R/o Vill. Zewar Teh. Khurja
Dist. Bulandshahar.

(Transferee)

3. Smt. Raj Bala Garg W/o Capt. Shiv Charan Lal
Garg, R/o Jattari Teh. Kher Distt. Aligarh
(U.P.)
4. Smt. Kashmira Devi W/o Jai Chand
S/o Bidhu Mal
Smt. Swaran Lata Gupta W/o Sh. Bhagwat Dayal
R/o Palwal Distt. Gurgaon.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. PWL/I/76-77.—Whereas, I, R. K. PATHANIA, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), thereafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ice Factory Building alongwith land measuring 11 Kanals 5 Marlas and other construction thereon situated at Palwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Palwal in November, 1976 for an apparent conderation which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 11 kanals 5 marlas alongwith Buildings constructed thereon such as Ice Factory Building containing 3 rooms, one platform, one hall, one office room 5 small rooms, one godown and another small room.

The land is comprised in Khetw/Khatauni Nos. 1515/1906-1907 Kila Nos. 1361 1361

6-11	14
—	
4-14	

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1780 of November, 1976 of the Registering Authority Palwal.)

R. K. PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 27-7-77
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Inderjit Kaur Wd/o Lt. Col. Harbans Singh
R/o H. No. 306 Sector 33-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) (i) Dr. Gopal Singh S/o Sh. Atma Singh,
(ii) Miss. Jasleen D/o Dr. Gopal Singh,
R/o H. No. 100 Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 27th July 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD/68/76-77.—Whereas, I, R. K. PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 100 Sector 8-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in December, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 100 Sector 8-A, Chandigarh.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 665 of December, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh)

R. K. PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 27-7-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Parkash Chander S/o Shri Wazir Singh
R/o 14, Civil Lines Bhupal (MP).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 27th July 1977

Ref. No. HSR/20/76-77.—Whereas, I, R. K. PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land in Vijya Nagar, Hissar, situated at Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in January, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) (1) M/s Araya Brothers, Hissar through Shri Sehdev Araya S/o Shri Fateh Chand R/o Mohna Mandi, Hissar.
- (2) Shri Dharam Chand S/o Sh. Khushi Ram.
- (3) Shri Om Parkash S/o Shri Sona Ram.
- (4) Shri Raj Kumar S/o Shri Dev Raj. R/o B-VIII-262, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land as per admeasurments 111 ft. 6 in. on the North, 112 ft 6 in. on the south 26 ft. straight + 26 ft 6 in. curved + 50 ft straight on the East and 100 ft. 6 in. on the West situated in Abadi Vijaya Nagar, Hissar.

(Property as mentioned in the Registered deed No. 5126 of January, 1977 of the Registering Authority, Hissar.)

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. K. PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 27-7-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Devinder Kumar S/o Shri Wazir Singh,
R/o E-230, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 27th July 1977

Re. No. HSR/21/76-77.—Whereas, I, R. K. PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land in Vijaya Nagar, situated at Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in January, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) M/s Araya Brothers, Hissar through Shri Sehdev Araya S/o Shri Fateh Chand R/o Mohan Mandi, Hissar.
- (2) Shri Dharam Chand S/o Sh. Khushi Ram.
- (3) Shri Om Parkash S/o Shri Sonu Ram.
- (4) Shri Raj Kumar S/o Shri Dev Raj R/o B-VIII-262, Hissar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land as per admeasurements 104 ft. 6 in. on the north 50 ft. 6 in. on the south, 135 ft. on the East and 144 ft. 3 in. on the West situated at Vijay Nagar, Hissar.

(Property as mentioned in the registered deed No. 5128 of January, 1977 of the Registering Authority, Hissar.)

R. K. PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Sonepat Road, Rohtak.

Date : 27-7-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 27th July 1977

Ref. No. CHD/78/76-77.—Whereas, I, R. K. PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 537 Sector 18-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri

(1) Bhupinder Singh

(2) Daljit Singh

S/o Shri Daulat Singh

R/o H. No. 676 Sector 8-B,

Chandigarh.

(Transferor)

(2) (1) Mrs. Manjit Kaur W/o Shri Bhagwan Singh,

(2) Shri Rajinder Singh S/o Shri Bhagwan Singh,

(3) Smt. Kulwant Kaur W/o Shri Karnail Singh,

(4) Shri Kaurjit Singh S/o Shri Sham Singh.

All R/o Village Danewal Ferozepur (Pb.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 537 Sector 18-B, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1261 of January, 1977 of the Registering Authority Chandigarh).

R. K. PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Sonipat Road, Rohtak.

Date : 27-7-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 27th July 1977

Ref. No. 7/DEC/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 138/4 situated at Kailasampalayam, Tiruchengode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 1779/76) on 3-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri K. Chockalingam,
S/o Kandappa Chettiar,
Pavvadi Street,
Tiruchengode.

(Transferor)

(2) Shri P. Subramaniam,
S/o Shri Karumathampatty Pattayya Goundar,
No. 134, Salem Main Road,
Tiruchengode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4,059 sft. (with 1/4th share in well, and drying platform) in survey No. 138/4, Kailasampalayam village, Tiruchengode.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-7-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD PATNA

Patna the 25th July 1977

Ref No III-259/Acq/77 78/791—Whereas, I J NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No

M Holding No 592 Plot No 84 situated at Main Road, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely —

(1) Sri Joy Singh Nahar
S/o Late Puran Chand Nahar
of 4, Indian Motor Street Calcutta
Sri Dham Chand Saraoji
S/o Late Baijnath Saraoji
Sri Nirmal Kumar Saraoji
S/o Sri Dharam Chand Saraoji &
Smt Moti Devi Saraoji
W/o Sri Dharam Chand Saraoji
All of 8/1 Esplanade East, Calcutta,
As trustees of the trust known as Baijnath Saraoji
Smriti Nidhi'

(Transferors)

(2) M/s Mangal Deep
a partnership firm at Main Road, Ranchi
P.S./Dt Ranchi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1 land area 2 k 11 chittaks with partly 1st floor & 11 floor building at Main Road Ranchi M Holding No 582, Plot No 84 in W No-V of Ranchi as described in deed No 4701 dated 3-12-76

J NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range Bihar Patna

Date 25-7-1977
Seal.

FORM ITNS

(1) Shri Shya Sunder Kaul Kilam
S/o Shri Lachman Kaul,
R/o No. 1 Guru Road, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th July 1977

Ref. No. 9-A/Acq/Dehradun/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 16-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—196GI/77

(2) Shri Pran Nath Razdan
S/o Shri Tara Chand Razdan
(Matty) R/o C/o Pyroceramics, P.O. Maithan,
District Dhanbad (Bihar).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land Khasra No. 242, corresponding to old Khasra No. 840 equal to 1831 sq. Mtrs. situated at Lakshman Chowk, Bindal Nadi, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 15,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 25-7-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Tara Devi Misra W/o C. P. Misra,
R/o 74/133, Dhankutti, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Srī Ashutosh Bajpai and Bimal Kumar Bajpai,
(both Minors)
Sons of Pt. Rama Shanker Bajpai,
Under the Local Guardianship of
Pt. Kali Shanker Bajpai,
R/o 65/155, Moti Mohal, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 27th July 1977

Ref. No. Acq/24/Kanpur/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 25-11-1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Immovable property consisting of a pakka single storied House bearing present No. 111/134, built over plot No. 56, measuring 381 sq. yds. in block X, Scheme No. VII, Gutaiya, Raniganj, situated at Harsh Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 92,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-7-1977
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Indrajit Son of Jadho Tyagi,
R/o Asalatpur, P.O. Parakh Nagar, Parg. Loni,
Distt. Ghaziabad.
(Transferor)
- (2) Shri Raghuraj S/o Ram Singh Tyagi,
R/o Asalatpur, P.O. Parakh Nagar, Parg. Loni,
Distt. Ghaziabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 27th July 1977

Ref. No. 497-A/Acq/G.Bad/76-77.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur, on 30-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural land in Chak No. 49, measuring 7 Bigha, 6 Biswa, 7 Biswansi, situated at Vill. Asalatpur, Parg. Loni, Teh. & Distt. Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 52,500/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-7-1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)**

New Delhi, the 23rd July 1977

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Nov.II(23)/1192/76-77/—
Whereas, I, J. S. GILL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 5-B, situated at Khan Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 27-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Smt. Lakhwanti Sahni
Wd/o Shri Bodh Raj Sahni,
2. Shri Kailash Chandra Sahni,
R/o K-19, Jangpura Extension, New Delhi,
3. Shri Ramesh Chandra Sahni,
S/o Late Bodh Raj Sahni,
R/o 68, Cumbrian Gardens London N.W.
(U.K.).

(Transferor)

- (2) Shri Vijay Kumar Marwah,
S/o Late Shri Krishan Lal Marwah,
R/o E-4/248/249, Amar Colony,
Lajpat Nagar-IV, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5-B, Khan Market, New Delhi comprising an area of 2/3 (Two-third) of 59.5 sq. yds. and bounded and built as follows :—

East : Shop No. 5A
West : Shop No. 6A
North : Road
South : Service Lane

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 25th July 1977

Ref. No. IAC/Acq.I/1179/Nov.I/10/76-77 /.—Whereas, I, VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M-32, situated at Greater Kailash-I (Market), New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kanwar Mohinder Singh Juneja
S/o Shri Partap Singh and
Smt. Raj Kaur
W/o Kanwar Mohinder Singh Juneja,
r/o M-32, Greater Kailash Market,
New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Smt. Kanwarjit Kaur Ahluwalia,
W/o S. Kuljeet Singh,
R/o H. No. 220 in Block No. 'S',
Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot No. 32 in Block No. M situated in the residential colony known as Greater Kailash-I, New Delhi-48 measuring 217 sq. yds., alongwith the two and a half storeyed structure built on the said plot and is bounded as under :—

North : Shop-cum-House No. M-33
South : Shop-cum-House No. M-31
East : Road
West : Service Road.

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 25-7-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore-1, the 19th July 1977

C.R.No. 62/8966/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 11.57 acres in different survey Nos. out of 62 acres with staff quarter, shed, bungalow etc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virajpet, Document No. 349/76-77 on 18th November, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. S. K. Venkatachalapathy, S/o Shanmugaraja, Palace, Shivagada, Ramanathapuram Dist. Tamil Nadu, Acting by his agent and Attorney
Shri P. Seetharaman, S/o Peethaperumal Chettiar, Athithope Estate, Siddapur, South Coorg Dist.
(Transferor)
- (2) Shri R. M. S. Somasundaram, S/o SK. AR. SM. Ramanathan Chettiar, 147/A, South Masi Street, Madurai-1.
(Transferee)
- (3) S/Shri SK. AR. SM. Ramanathan Chettiar, S. M. Vasudevan, Dr. S. P. Armugam, S. P. Ramanathan, S. P. Meenakshisundaram, S. P. Somasundaram, S. P. Selvakumar, S. P. Krishnakumar, Smt. R. M. Valliammal wife of Dr. RM R. Ramanathan and Sri AR. CT. AR. Arunachalam Chettiar, No. 20, Kamala Street, Madurai town.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 349/76-77) Dated 18-11-76
Agricultural land measuring :

Sy. Nos.	Land	
	Land	Cents
129	.	5 31
120/1	.	2 88
118	.	1 83
119	.	6 79
117/1	.	20 53
127	.	14 11
120/2	.	0 58
120/3	.	0 80
117/2	.	9 17
		62 00

Out of this 11.57 acres with Bungalow, staff-quarter, shed etc. situated at Guhya village, Virajpet, South Coorg Dist. Boundaries : East — Sy. Nos. 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5 and Govt. road.
West — Sy. Nos. 114, 121/2, 121/1, 123.
North — Sy. Nos. 115/1 and 106/3.
South — Sy. Nos. 130, 126 and Govt. Road.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore-1, the 19th July 1977

C.R.No. 62/8967/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 11.57 acres in different survey Nos. out of 62 acres with staff quarter, shed, bungalow etc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virajpet, Document No. 346/76-77 on 18-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. M. Vasudevan,
S/o M.S.M. Somasundaram Chettiar,
22, Venkatarama Road, Madurai-2,
Acting by his agent and Attorney
Shri P. Seetharaman, S/o Peethaperumal Chettiar,
Athithope Estate, Siddapur, South Coorg Dist.
(Transferor)

(2) Shri R. M. Somasundaram,
S/o SK. AR. SM. Ramanathan Chettiar,
147/A, South Masi Street,
Madurai-1.
(Transferee)

(3) S/Shri SK. AR. SM. Ramanathan Chettiar, Sri R.S.K. Venkatachalamapathy, Dr. S. P. Armugam, S. P. Ramanathan, S. P. Meenakshisundaram, S. P. Somasundaram, S. P. Selvakumar, S. P. Krishnakumar, Smt. R. M. Valliammal wife of Dr. RM R. Ramanathan, No. 20, Kamala Street, Madurai town and Sri AR. CT. AR. Arunachalam Chettiar.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 346/76-77 Dated 18-11-1976
Agricultural land measuring :—

Sy. Nos.		Land	
		Across	Cents
129	.	5	31
120/1	.	2	88
118	.	1	83
119	.	6	79
117/1	.	20	53
127	.	14	11
120/2	.	0	58
120/3	.	0	80
117/2	.	9	17
		62	00

Out of this 11.57 acres with Bengalow, staff-quarter, shed etc. situated at Guhya village, Virajpet Taluk, South Coorg District.

Boundaries : East — Sy. Nos. 117/7, 117/5, 117/6, 65/4, 85/5 and Govt. Road
West — Sy. Nos. 114, 121/2, 121/1, 123
North — Sy. Nos. 115/1 and 106/3
South — Sy. Nos. 130, 126 and Government Road.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-1, the 19th July 1977

C.R.No. 62/8968/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agricultural land measuring 11.57 acres in different survey Nos. out of 62 acres with staff quarter, shed, bungalow etc. situated at Guhya Village, Virajpet Taluk, South Coorg District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Virajpet, Document No. 345/76-77 on 18-11-1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. P. Somasundaram,
S/o RM. AR Subramaniam Chettiar*
of Kendarama Nikkan, Ramanathapuram District,
Tamil Nadu, now residing at 22, Venkatarama Road,
Madurai-2.
- Sri S. P. Selvakumar,
S/o RM. AR Subramaniam Chettiar*
- Sri S. P. Krishnakumar
S/o RM. AR. Subramaniam Chettiar.
Acting by their agent and Attorney**
Shri P. Seetharaman, S/o Peethaperumal Chettiar,
Athithope Estate, Siddapur, South Coorg Dist.
(Transferor)

(2) Shri R. M. Somasundaram,
S/o SK. AR. SM. Ramanathan Chettiar,
147/A, South Masi Street,
Madurai-1.

(Transferee,

(3) Nil

(4) S/Shri SK. AR. SM. Ramanathan Chettiar, Sri R. S. K. Venkatachalampathy, S. M. Vasudevan, Dr. S. P. Armugam, S. P. Ramanathan, S. P. Meenakshi sundaram, Smt. R. M. Valliammal, W/o Dr. RM. R. Ramanathan and Sri AR. CT. AR. Arunachalam Chettiar, No. 20, Kamala street, Madurai Town.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Dated 18-11-76

(Registered Document No. 345 76-77)

Agricultural land measuring :—

Sy. Nos.	Land Acress	Land Cents
129	5 31
120/1	2 88
118	1 83
119	6 79
117/1	20 53
127	14 11
120/2	0 58
120/3	0 80
117/2	9 17
		62 00

out of this 11.57 acres with Banglow, staff quarters, shed etc. situated at Guhya Village, Virajpet Taluk, South Coorg Dist. Boundaries : East —Sy. Nos. 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5 and Govt. Roads.

West —Sy. Nos. 114, 121/2, 121/1, 123

North —Sy. Nos. 115/1 and 106/3

South —Sy. Nos. 130, 126 and Govt. Road.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-1977

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-1, the 19th July 1977

C.R.No. 62/8969/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 11.57 acres in different survey Nos. out of 62 acres with staff quarter, shed, bungalow etc. situated at Guhya Village, Virajpet Taluk, South Coorg District and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virajpet, document No. 344/76-77 on 18-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—196 GI/77

(1) Shri AR. CT. AR. Arunachalam Chettiar, S/o Chidambaram Chettiar, Okkur Ramanathapuram Dist. Tamil Nadu, Now residing at No. 26, Mahal 3 Street, Madurai-1.

Acting by his agent and Attorney
Shri P. Seetharaman, S/o Peethaperumal Chettiar, Athithope Estate, Siddapur, South Coorg Dist.
(Transferor)

(2) Shri R. M. Somasundaram, S/o SK. AR. SK. Ramanathan Chettiar, 147/A, South Masi Street, Madurai-1.

(Transferee)

(3) S/Shri Sri SK. AR. SM. Ramanathan Chettiar, Sri R. S. K. Venkatachalam, S. M. Vasudevan, Dr. S. P. Armugam, S. P. Ramanathan, S. P. Meenakshi Sundaram, S. P. Somasundaram, S. P. Selvakumar, S. P. Krishnakumar, Smt. R. M. Valliammal, W/o Dr. RM. R. Ramanathan, No. 20, Kamala Street, Madurai Town.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 344/76-77) Dated 18-11-76

Agricultural land measuring :

Sy. Nos.		Land	
		Acres	Cents
129	:	:	5 31
129/1	:	:	2 88
118	:	:	1 85
119	:	:	6 79
117/1	:	:	20 53
127	:	:	14 11
120/2	:	:	0 58
120/3	:	:	0 80
117/2	:	:	9 77
			62 00

Out of this 11.57 acres with Bungalow, staff quarter, shed etc. situated at Guhya village, Virajpet Taluk, South Coorg District.

Boundaries :

East : Sy. Nos. 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5 and Govt. Road.

West : —Sy. Nos. 114, 121/2, 121/1, 123.

North : —Sy. Nos. 115/1 and 106/3

South : —Sy. Nos. 130, 126 and Govt. Road.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-1977

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 19th July 1977

C.R.No. 62/8962/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 11.57 acres in different survey Nos. out of 62 acres with staff quarter, shed, bungalow etc. situated at Guhya Village, Virajpet Taluk, South Coorg District and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virajpet, Document No. 352/76-77 on 20-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri AR. CT. AR. Arunachalam Chettiar, S/o Chidambaram Chettiar, Okkur, Ramanathapuram Dist, Tamil Nadu, Now residing at No. 26, Mahal 3 Street, Madurai-1. Acting by his agent and Attorney
Shri P. Seetharaman, S/o Peethaperumal Chettiar, Athithope Estate, Siddapur, South Coorg Dist.

(Transferees)

(2) Shri SK. AR. SM. Ramanathan Chettiar, S/o SK. AR. Somasundaram Chettiar, 147/A, South Masi Street, Madurai-1.

(Transferee)

(3) Sri RM. Somasundaram, R.S.K. Venktachalapathy, S. M. Vasudevan, Dr. S. P. Arumugam, S. P. Ramanathan, S. P. Meenakshisundaram, S. P. Somasundaram, S. P. Selvakumar, S. P. Krishnakumar, Smt. R. M. Valliammal W/o Dr. RM. R. Ramanathan, No. 20, Kamala Street Madurai Town.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 352/76-77)
Agricultural land measuring

Dated 20-11-76

Sy. Nos.	Land Acres	Cents
129	5	31
120/1	2	88
118	1	83
119	6	79
117/1	20	53
127	14	11
120/2	0	58
120/3	0	80
117/2	9	17
Total	62	00

out of this 11.57 acres with Bungalow, staff-quarter, shed etc. situated at Guhya Village, Virajpet Taluk, South Coorg District.

Boundaries: East: Sy. Nos. 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5 and Govt. Road.

West: Sy. Nos. 114, 121/2, 121/1, 123

North: Sy. Nos. 115/1 and 106/3

South: Sy. Nos. 130, 126 and Govt. Road.

J. S. RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 19th July 1977

C.R.No. 62/8963/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 11.57 acres in different survey Nos. out of 62 acres with staff quarter, shed, bungalow etc. situated at Guhya Village, Virajpet Taluk, South Coorg District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Virajpet, Document No. 351/76-77 on 20th November 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri S. P. Armugam
S/o RM. AR. Subramanian Chettiar
2. S. P. Ramanathan,
S/o RM. AR. Subramanian Chettiar
3. S. P. Meenakshi Sundaram,
S/o RM. AR. Subramanian Chettiar
Kandarmanikka, Ramanatha Puram Dist. Tamil Nadu
or No. 22, Venkataaram Road, Madurai.
Acting by their agent and Attorney
Shri P. Seetharaman, S/o Peethaperumal Chettiar,
Athithope Estate, Siddapur, South Coorg Dist.
(Transferors)

(2) Shri SK. AR. SM. Ramanathan Chettiar,
S/o SK. AR. Somasundaram Chettiar,
147/A, South Masi Street,
Madhurai-1.

(Transferees)

(3) Sri R.M. Somasundaram, R. S. K. Venktachalapathy,
S. M. Vasudevan, S. P. Somasundaram, S. P. Selvakumar,
S. P. Krishnakumar, Smt. R. M. Valliammai W/o Dr. R. M. R. Ramanathan, No. 20, Kamala Street Madurai Town and Sri AR. CT. AR. Arunachalam Chettiar.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 351/76-77.

Dated 20 Nov. 76

Agricultural land measuring :

Sy. No.	Land, Acres	Cents.
129	5	31
120/1	2	88
118	1	83
119	6	79
117/1	20	53
127	14	11
120/2	0	58
120/3	0	80
117/2	0	17
	62	00

out of this 11.57 acres with Bunglow, Staff quarter, Shd etc. situated at Guhya village, Virajpet, Taluk, South Coorg Dist. Boundaries: East. Sy. Nos. 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5 and Govt. road.

West. Sy. Nos. 114, 121/2, 121/1, 123,

North. Sy. Nos. 115/1 and 106/3

South. Sy. Nos. 130, 126 and Govt. road.

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bengaluru-560001, the 19th July 1977

C.R. No. 62/8964/76-77/Acq/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (Hereinafter referred to as in the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 11.57 acres in different survey Nos. out of 62 acres with staff quarter, shed, bungalow etc. situated at Guhya Village, Virajpet Taluk, South Coorg District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virajpet, Document No. 350/76-77 on 20 Nov 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri S. M. Vasudevan
S/o M.S.M. Somasundaram Chettiar, Sirvayal, Now residing at 22, Venkatarama Road, Madurai-2. Acting by his agent and Attorney
Shri P. Seetharaman, S/o Peethaperumal Chettiar, Athithope Estate, Siddapur, South Coorg Dist. (Transferors)
- (2) Shri SK. AR. SM. Ramanathan Chettiar, S/o SK. AR. Somasundaram Chettiar, 147/A, South Masi Street, Madurai-1. (Transferees)
- (3) Sri RM. Somasundaram, Sri R.S.K. Venkatachalam, Dr. S. P. Armugam, S. P. Ramanathan, S. P. Meenaxisundaram, S. P. Somasundaram, S. P. Selvakumar, S. P. Krishnakumar, Smt. R. M. Valliammai W/o Dr. RM. R. Ramanathan, No. 20, Kamala Street Madurai Town and Sri AR CT. AR. Arunachalam Chettiar.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 350/76-77. Dated 20 Nov. 76
Agricultural land measuring :—

Sy. Nos.	Land. Acres ¹	Cents.
129	5 31
120/1	2 88
118	1 83
119	6 79
117/1	20 53
127	14 11
120/2	0 58
120/3	0 80
117/2	9 17
		62 00

out of this 11.57 acres with Bungalow, staff-quarter, shed, etc. situated at Guhya village, Virajpet, Taluk, South Coorg Dist. Boundaries : East. Sy. Nos. 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5 and Govt. road.

West. Sy. Nos. 112, 121/2, 121/1, 123.

North. Sy. Nos. 115/1, and 106/3.

South. Sy. Nos. 130, 126 and Govt. road.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-1, the 19th July 1977

C.R.No. 62/8965/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 11.57 acres in different survey Nos. out of 62 acres with staff quarter, shed, bungalow, etc. situated at Guhya Village, Virajpet Taluk, South Coorg District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virajpet, Document No. 347/76-77 on 20 Nov. 1976, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. S. K. Venkatachalam, S/o Shannugaraja, Palace, Shivagada, Ramanathapuram, Dist. Tamil Nadu, State, Acting by his agent and Attorney
Shri P. Seetharaman, S/o Peethaperumal Chettiar, Athithope Estate, Siddapur, South Coorg Dist.
(Transferor)

(2) Shri SK. AR. SM. Ramanathan Chettiar, S/o SK. AR. Somasundaram Chettiar, 147/A, South Masi Street, Madurai-1.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 347/76-77. Dated 20 Nov. 76
Agricultural land measuring.

Sy. Nos.	Land, Acres	Cents.
129	5 31
120/1	2 88
118	1 83
119	6 79
117/1	20 53
127	14 11
120/2	0 58
120/3	0 80
117/2	9 17
		62 00

out of this 11.57 acres with Bungalow, staff-quarter, shed etc. situated at Guhya village, Virajpet, Taluk, South Coorg Dist. Boundries East. Sy. Nos. 117/7, 117/5, 117/6, 85/4, 85/5 and Govt. road.

West. Sy. Nos. 114, 121/2, 121/1, 123.

North. Sy. Nos. 115/1 and 106/3.

South. Sy. Nos. 130, 126 and Govt. road.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Elizabeth Denu,
No. 34, Millers Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Dr. Hayath Mohammed Ismail,
Residing at Libya,
G.P.A. holder Mrs. Iqbalunnisa Ismail,
No. 20, Cockburn Road,
Bangalore.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 15th July 1977

C.R. No. 62/8210/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises No. 34, (old No. 28/1) Millers Road, situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 375/76-77 on 16-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 375/76-77 dated 16-11-76]
All that piece and parcel of land with building No. 34, old No. 2811, Millers Road, Bangalore and other details as per the document registered in the Office of the Sub-Registrar, Shivajinagar vide document No. 375/76-77.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri G. S. Madegowda S/o Sidde Gowda,
Gundlupet Town, Mysore District.

(Transferor)

(2) Shrimati Honnamma, W/o G. V. Venkataswamy,
Gundlupet Town, Mysore District.

(Transferee)

(3) (1) K. Mohandas Bhandary
(2) Sri Gajanana Recreation Club

[Person(s) in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Bangalore, the 12th July 1977

C.R. No. 62/7208/76-77/Acq/B.—Whereas, I, J. S. RAO,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition
Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Two storeyed R.C.C. building front side and Bangalore tiled
roofing with vacant space back side bearing Municipal Old
Khata No. 361 and New 636 (Asst. No. Old 383, New No.
385 and old 384, New 386) situated at Areereyare Road,
Division No. 2, Gundlupet Town, Mysore District
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at

Gundlupet, Document No. 593/76-77 on 19-11-1976
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 593/76-77 dated 19-11-1976]

Two storeyed R.C.C. building front said and Mangalore
tiled roofing with vacant space back side bearing Municipal
old Khata No. 361 and New No. 636 (Asst. No. Old 383,
New 385 and old 384 New 386) Areereyare Road, Division
No. 2, Gundlupet Town, Mysore District.

BOUNDRIES :

East : Road
West : Property belonging to Shri Kirachar
South : Property belonging to Shri Nagappa and
North : Property belonging to Sri Jaffar Sharif's Chil-
dren.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 12-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore, the 12th July 1977

C.R. No. 62/7914/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant corner site bearing No. 411, situated at 3rd Block, (Division No. 34), Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Document No. 1483/76-77 on 1-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

S/Shri
 (1) (1) M. Krupa
 (2) M. Muthuvichar
 (3) M. Ashrayavichar
 (4) M. Bhayahardas
 (5) M. Nirunjandas }
 All residing at 512 Obatappa Garden, Yadiyur,
 6th Block, Jayanagar, Bangalore-11.
 (Transferors)

(2) Shri B. S. Vijayakumar
 S/o B. K. Siddalingappa,
 No. 42, Samidhi Road, Basavanagudi,
 Bangalore-4.
 Or
 Prop : of B. S. Srekhantappa and Bros.
 Kirana Merchants, S. K. R. Market,
 Bangalore.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1483/76-77 dated 1-12-1976]
 Vacant corner site bearing No. 411, 3rd Block, Jayanagar, Bangalore-11 (Division No. 34).

BOUNDRIES :

East—Site bearing No. 410, belonging to Shri Jagannatha Rao
 West—Road
 North—Road and
 South—Compound wall belonging to the property being No. 410.

J. S. RAO
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 12-7-1977
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore, the 12th July 1977

C.R. No. 62/7871/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property bearing Nos. 43, 44, 45, 46, 47 and 48 situated at Police Road, Ranasinghpeta, Bangalore (Division No. 18) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 1302/76-77 on 10-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—196 GI/77

- S/Shri
 (1) (1) Smt. Bhavaribai W/o Late Deelip Chandar
 (2) Sri D. Prem Sukha Mutha
 S/o Late Deelip Chandar
 (3) Sri Om Prakash } Sons of Sri D.
 (4) Sri Jagadeeshchandia Mutha } Prem Sukha
 } Mutha

All residing at : Door No. 36, Ranasinghpeta, 3rd Cross, Bangalore City

(Transferors)

- (2) (1) M/s. Rajatha Mahal
 Represented by its partner Shri K. V. Shiva-kumar S/o Sri Vishwanathiah Shetty.
 (2) M/s. Anitha Jewellers,
 Represented by its partner Shri K. Krupendra S/o Late Subbaraya Shetty,
 Avenuc Road, Bangalore City.
 S/Shri
 (3) (1) G. A. Ktilamutha
 (2) Bherulal
 (3) Kamalchand
 (4) Badrilal
 (5) Amal Printing Press
 (6) Gulab Chand

[Person(s) in occupation of the property]

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1302/76-77 dated 10-11-76]
 Property bearing Nos. 43, 44, 45, 46, 47 and 48, Police Road, Ranasinghpeta, Bangalore (Division No. 18).

BOUNDRIES :

East—Property belonging to Sri Maistry Muninanjappa
 West—Police Road, 3rd Cross
 North—Property belonging to Sri Basavaiah and
 South—Ranasinghpeta, Police Road (Main Road)

J. S. RAO
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 12-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri K. Sangappa Setty
Hosamane Road, Chickmagalur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001**

(2) Shrimati Ranganayaki Prasad,
29, Sheshadri Road,
Bangalore-9.

(Transferee)

(3) (1) Hamid Farsihi
(2) Mounouchehr gaoni
(3) Qmas Mars

[Person(s) in occupation of the property]

Bangalore, the 15th July 1977

C. R. No. 7891/76-77/ACQ/8.—Whereas, I. J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Premises No. 68, State Bank of Mysore Colony, Hebbal, situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk, Document No. 1051/76-77 on 11-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1051/76-77 dated 11-11-1976]

Building premises No. 68, State Bank of Mysore Colony, Hebbal, Bangalore and other details as mentioned in the sale deed registered under document No. 1051/76-77 dated 11-11-76 in the Office of the Sub-Registrar, Bangalore North.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-7-1977

Seal ;

FORM ITNS

(1) Smt. Sogra Bai
W/o Late Akbar Ali Mulla, Ibrahim Said,
Gandhinagar, Mangalore City.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001**

(2) Shri K. C. Hassainar
S/o Abdulla,
Ansari Road, Bunder, Mangalore-575001.
(Transferee)

(3) (1) Shrimati Aysamma
(2) Sri Yusuf
(3) Sri Abbu
[Person(s) in occupation of the property]

Bangalore, the 12th July 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

C.R. No. 62/8023/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 194/1, R.S. No. 1205/1, Kissam G.R. Extent A C 0-10 Portion/Southern with building situated at 9th Ward, Casba Bazar Village, Ansari Road, Bunder, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City Document No. 345/76-77 on 25-11-1976 for an consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 345/76-77 dated 25-11-1976]
T.S. No. 194/1, R.S. No. 1205/1, Kissam G.R., Portion Southern Extent A C 10 with building situated at 9th Ward, 0-10

Casba Bazar Village, Ansari Road, Bunder, Mangalore-1.

BOUNDRIES :

East—Galli Road, T.S. No. 198A
South—Galli Road, T.S. No. 198A and 196A
West—Survey line, 196A and
North—Property belonging to Sri Abdulla Sait

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1977

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 12th July 1977

C. R. No. 62/7864/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 616/2, R.S. No. 1622/2, Kissam Bhagayath (whole), Extent No. A C together with shop building premises bearing Door Nos. 10-678 and 10-623, Azizuddin Road, 10th Bunder Ward (old Golikatta Ward) of situated at Casba Bazar Village, Mangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mangalore City Document No. 366/76-77 on 25-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri M. Govindarajan
S/o G. T. Manika Nayagar,
No. 2, Manika Nayagar Street,
Purushawalkam, Madras-7.

(2) Shri M. Vedachalam
S/o G. T. Manika Nayagar of Madras and
Prop. of the Modern Steel Trunk Works,
Azizuddin Road, Mangalore and No. (2) named
above is the duly constituted G.P.A. holder
of No. (1) named above.

(Transferors)

(2) Shri B. Keshava Bhandary
S/o Late B. Damodara Bhandary,
Nehru Avenue Road, Mangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 366/76-77 dated 25-11-76]
T.S. No. 616/2, R.S. No. 1622/2, Kissam Bhagayath (whole)
Extent A C together with shop building premises bear-

ing Door Nos. 10-678 and 10-623 situated at Azizuddin Road, 10th Bunder Ward (old Golikatta Ward) of Casba Bazar Village, Mangalore City.

J. S. RAO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 12-7-1977

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore, the 18th July 1977

C.R. No. 62/8231/76-77/Acq/8.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- in Division Nos. 41, 40, 40 and 27, situated at Bangalore (As per sale deed) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1520/76-77 on 26-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Parvathamma (2) Sidlamma Residing at Attibele, Anekal Taluk, Bangalore District.

(Transferees)

(2) Shri S. Shankarappa
No. 17, 'A' Street,
East Link Road,
Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

(3) Sri P. R. Vishwanatha Shetty,
Sri Chunilal Asuji,
Sri P. R. Subbaramaiah Selly
Sri A. Ramalakshman.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1520/76-77 dated 26-11-1976]

Measurements, boundaries of the properties are as per the sale deed registered under Document No. 1520/76-77 on 26-11-1976 in the Office of the Sub-Registrar, Gandhinagar, Bangalore.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-7-1977

Seal :

FORM ITNS**S/Shri**

- (1) (1) K. L. Prabhakar alias Prakash Babu,
 (2) K. L. Venugopal,
 (3) K. L. Bharati,
 (4) K. L. Ushakanth alias Dhanakumar
 (5) K. L. Shankar alias Madhu Kumar
 No. 16, Seshadripuram, Bangalore-20.

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001**

Bangalore, the 18th July 1977

C.R. No. 62/8041/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Western half portion in Municipal No. 33, 4th Cross, Now known as 2nd Cross, situated at Kalasipalyam, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore Document No. 1301/76-77 on 29-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object.

- (2) Shri Mohammed Siddiqui,
 No. 10, Ranoji Rao Lane,
 Kulasipalyam, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

[Registered Document No. 1301/76-77 dated 29-11-1976]

Western portion of premises bearing Municipal No. 33, 4th Cross (now second cross), Kalasipalyam, Bangalore. The measurements and boundaries are as shown as per the sale deed registered at Sub Registrar's office, Basavanagudi, Bangalore vide document No. 1301/76-77 dated 29-11-1976.

J. S. RAO
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri/Smt. Parvathamma,
Smt. Sidamma,
R/o Attibele,
Anekal Tq. Bangalore Dist.

(Transferor)

(2) Sri S. Shivanna
S/o B. Gurushankarappa,
No. 743, IIIrd Block,
Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-23, the 18th July 1977

C.R. No. 62/8230/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop premises at Cottonpet and Avenue Road situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 1519/76-77 on 26-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1519/76-77 dated 26-11-1976]

Measurements boundaries and other details as mentioned in the sale deed—registered at SRO's Officer Gandhi Nagar, Bangalore Vide Document No. 1519/76-77, dated 26-11-1976.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-7-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 18th July 1977

C.R. No. 62/8229/76-77/ACQ/—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop premises bearing Corporation Old No. 337, New No. 322, Avenue Road, Bangalore, Shop premises bearing Corporation Shop premises bearing old No. 314, New No. 345, Avenue Road, Bangalore

Shop premises bearing No. 314, New No. 345, Avenue Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1518/76-77 on

26-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Parvathamma,
Smt. Sidlamma,
Residing at Attibele, Anekal Taluk,
Bangalore Dist.

(Transferor)

(2) Sri S. Rajasekharaiyah,
S/o B. Gurushankarappa,
Attibele, Anekal Taluk,
Bangalore Dist.

(Transferee)

(3) Sri M. Ottal, M/s Shantilal Bros,
2. T. Sanjeevappa,
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1518/76-77 dated 26-11-1976]

Shop premises Nos. 322, 334, 345, Division No. 40, Avenue Road, Bangalore. The Boundries and measurements as shown in the sale deed registered at Sub Registrar's Office, Gandhinagar, Bangalore vide document No. 1518/76-77.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-7-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Anthony Da Costa & Mr. Walter Da Costa, Executors and Estate of Mrs. Lancy De Souza, No. 31/1, M. G. Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Lidia Elvera Juanu lobo, No. 20, Rest House, Crescent, Bangalore-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 18th July 1977

C.R. No. 62/8261/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Southern portion of the house bearing No. 20, Rest House, Crescent, Bangalore situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore. Doc. 1619/76-77 on 3-12-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1619/76-77. Dated 3-12-76]

Southern portion of the house No. 20, R. H. Crescent, Bangalore.

Schedule and Boundaries; Measurements as mentioned in the sale deed, registered at S.R.O's Office, Shivajinagar, Bangalore vide Doc. No. 1619/76-77 dated 3-12-76.

J. S. RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—196 GI/77

Date : 18-7-77.

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shrimati S. S. Umadevi, W/o Mr. M. S. Sadananda, Residing at No. 4, Walton Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. Shankaran, S/o Late M. Shivaramakrishna Iyer, Mrs. Lakshmisankaran, W/o S. Sankaran No. 2, Ashley Road, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 18th July 1977

C.R. No. 62/7109/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/1, Lavelle Road, Civil Station, situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 1323/76-77 on 6-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1323/76-77, dated 6-11-1976]

Site with building bearing No. 4/1, Lavelle Road, Civil Station, Bangalore and other details are as per the Registered document No. 1323/76-77 dated 6-11-76 in the Office of the Sub Registrar, Shivajinagar, Bangalore.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-77.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri M. Balaram, S/o Late Dr. Muniappa, No. 2452, 11nd Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.
(Transferor)
- (2) Shri Rafiq Usmani, S/o Janab Mohammed Usman Sahib, No. 2, Mohammed Ghose Lane, Tasker Town, Bangalore.
(Transferee)
- (3) Sri L. Revana Siddaiah.
(Person(s) in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th July 1977

C.R. No. 62/7112/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Piece and parcel of land with an old building standing thereon bearing municipal Door No. 3, situated at Davis Road, Richards Town, Bangalore-5 (48th Divn. Bangalore) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Shivajinagar, Bangalore. Document No. 1385/76-77 on 11-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1385/76-77 Dated 11-11-76]
All that piece and parcel of half portion of premises No. 3, Davis Road, Richards Town, Bangalore-5.

Schedule and boundaries are as mentioned in the sale deed registered under Document No. 1385/76-77 on 11-11-76 in the Office of the Sub Registrar, Shivajinagar, Bangalore.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Balaram, S/o Late Dr. R. Muniappa, Resid-ing at No. 2452, Hind Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th July 1977

(2) Shrimati Zakirunnisa, 22, Venkataswamy Naidu Road, Bangalore-1.

(Transferee)

(3) Shri L. Revanasiddaiah.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62/7246/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Western half portion of premises bearing Municipal No. 3, Davis Road, Richards Town, Bangalore, situated at Bangalore-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 1585/76-77 on 27-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1585/76-77 Dated 27-11-76]

All that piece and parcel of land with buildings of the Western half portion at Premises bearing Municipal No. 3, Davis Road, Richards Town, Bangalore-3.

Measurements and boundaries are as mentioned in the sale deed registered under document No. 1585/76-77 on 27-11-76 in the Office of the Sub-Registrar, Shivajinagar, Bangalore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-77.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Sri Deepak Kumar, C. Master Bhupesh, D. No. 14/A, Infantry Road, Bangalore-560001.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 18th July 1977

C.R. No. 62/7241/76-77/ACQ/B.—Whereas, I. J. S.

RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Show room No. 36, (Corpn. old) New No. 10, Western portion, Dickenson Road, Bangalore-42 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 1568/76-77 on 26-11-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1568/76-77 Dated 26-11-76]

Show room No. Corpn. (Old No. 36) New No. 10, Western portion, Dickenson Road, Bangalore-42, Area 175.12 sq. mtrs.

Boundary and other details as per sale deed registered at S.R.O.'s Office, Shivajinagar, Bangalore, under Document No. 1568/76-77 dated 26-11-76.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Chikkamma, w/o Sri Alur Hanumantha^{pp.},
P.O. Alur, Nelamangala Taluk, Bangalore District.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE**

Bangalore, the 15th July 1977

C.R. No. 62/8219/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 174, IXth Main Road, IIInd Cross, situated at Rajamahal Vilas Extension, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1447/76-77 on 18-11-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1447/76-77 Dated 18-11-1976]

Immovable property being a site No. 174, situated at IXth Main Road, IIInd Cross, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-7-77.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Bangalore-27, the 18th July 1977

C.R. No. 62/7120/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of vacant land (sanctioned site) No. 21/3, Mahatma Gandhi Road, Bangalore
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 1438/76-77 on 15-11-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mrs. Nazira Terrn Canada by Agent Mr. A. R. Khaleel (Jr.) 43, East end Road, Basavanagudi, Bangalore. Mr. Farook Tareen (now in Ontario-Canada) by Agent, A. K. Khaleel, 45, East end Road, Basavanagudi, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Sharada Eashwaran, w/o K. S. Eashwaran, 36, Crescent Road, High grounds, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1436/76-77 Dated 15-11-76]

Portion of vacant (sanctioned) site No. 21/3, M. G. Road, Bangalore. Approx. 483, sq. mtrs. (Corpn. Dn. No. 60).

Boundaries and other details as mentioned in the sale deed registered in the S.R.O's Office, Shivajinagar, Bangalore. Document No. 1438/76-77 dated 15-11-76.

J. S. RAO
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 18-7-77.
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 20th July 1977

No. 62/7191/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 15A.42C in different survey Nos. together with tiled house, well and tank etc., situated at Mulloor and Addur Villages, Mangalore Tq. S. K. Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Taluk. Document No. 532/76-77 on 30-11-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Kusuma Shedati, w/o K. Sundar Shetty, (D/o Lakshmi Shetty), "Bellurguthu" Addur Village, Mangalore Taluk, S. K. Dist.
(Transferor(s))

(2) Shrimati Girija Heggadti, w/o Dommale Naganna Shetty (D/o Meenakshi Heggadti), "Kedini Perari" Mallur Village, Mangalore Taluk, S. K. Dist.

(Transferee(s))

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 532/76-77 Dated 30-11-76]
Agricultural land measuring :

Sy. No/SDNo.	Kissam	Extent	A	C
31—16	Dry	0	11	
31—17	"	0	79	
93—10	"	3	10	
93—14	"	1	39	
93—9	"	0	64	
		6	03	
31—15A	Wet	0	07	
31—15C	"	0	02	
32—1	"	1	22	
32—2	"	0	63	
32—4	"	0	14	
31—4	"	0	89	
31—9	"	1	91	
9—13	"	1	08	
11—9	"	0	12	
11—8	"	0	39	
9—14	"	0	29	
11—7	"	0	22	
93—12	"	1		
		8	18	
31—15B	Garden		0.10	
9.12	"		0.65	
9.11	"		0.46	
			1.21	

Total—15A.42C in the said survey Nos. together with tiled house, well and tank etc. situated at Mulloor and Addur Villages, Mangalore Taluk, S. K. Dist.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-7-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. Lawrence Sequera, S/o Francis Sequera,
Kapikadu, Bejai, Mangalore-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. Padmanabha Nayak, S/o K. Devappa
Nayak, C/o Syndicate Bank, Hampankatta, Mangalore-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-27, the 20th July 1977

C.R. No. 62/8165/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 5-3 Extent A. C O. 23½ together with house, situated at Kapikadu, Kudiyalbail Village, Bejai, Mangalore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore city, Document No. 411/76-77 on 18-11-1976. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

[Registered Document No. 411/76-77 Dated 18-11-76]

Sy. No. 5-3 Extent A. C. O. 23½ together with house situated at Kapikadu, Kudiyal Bail Village, Bejai, Mangalore-3.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-7-77.

Seal :

